THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 350 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन कृ.13 2080 शुक्रवार, 8 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'370 से सिर्फ कुछ राजनीतिक परिवारों को था फायदा'

पीएम मोदी का कश्मीर में विपक्ष पर हमला

श्रीनगर, 7 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यों के दौरे कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री ने राज्य को 6400 करोड़ रुपये की सौगात दी।

इस दौरान मोदी ने विपक्ष पर भी जमकर हमला बोलते हुए कहा कि आर्टिकल 370 के नाम पर कुछ राजनीतिक परिवार हमेशा फायदा उठाते रहे और कांग्रेस गुमराह करती रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि धरती के स्वर्ग में आने का अहसास अद्वितीय है। इस नए जम्मू-कश्मीर का इंतजार हमें दशकों से था। ये अनुभूति शब्दों से परे है। प्रकृति का ये अनुपम स्वरूप, ये हवा, ये वादियां, ये वातावरण और उसके साथ आप कश्मीरी भाई-बहनों के इतने प्यार के लिए मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था। ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसके लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया था। इस नए जम्मू कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है, इस नए जम्मू कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौंसला है।

मोदी प्यार के इस कर्ज को चुकाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। 2014 के बाद मैं जब भी आया, मैंने यही कहा कि मैं ये मेहनत आपका दिल जीतने के लिए कर रहा हूं। और मैं दिनों-दिन देख रहा हूं कि आपका दिल जीतने की सही दिशा में मैं जा रहा हूं। विकास की शक्ति, पर्यटन की संभावनाएं, किसानों का सामर्थ्य और जम्मू-कश्मीर के युवाओं का नेतृत्व, विकसित जम्मू-कश्मीर के निर्माण का रास्ता यहीं से निकेलगा।

'मोदी तेरे जान निसार, बेशुमार-बेशुमार' नारों से गूंजा नया कश्मीर

श्रीनगर, 7 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मास्टर स्ट्रोक यानी 'अनुच्छेद 370' के खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर में अनेक बदलाव देखे गए हैं। गुरुवार को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में आयोजित पीएम मोदी की रैली में लोगों ने 'मोदी तेरे जान निसार, बेशुमार बेशुमार' के नारे लगाए। कश्मीर में अब पत्थरबाजी नहीं होती। घाटी, नित्य नए बदलावों की गवाह बन रही है। भले ही विपक्षी दलों ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने पर सवाल उठाए थे। हालांकि गत वर्ष दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 की वैधता को बरकरार रखने का फैसला दिया था। घाटी में 30 वर्ष बाद 2021 में जम्मू और कश्मीर में पहली बार सिनेमा हॉल खुला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुताबिक, श्रीनगर में एक मल्टी प्लेक्स बना। पुलवामा, शोपियां, बारामूला और हंदवाड़ा में 4 नए थियेटर खुले हैं। 100 से अधिक फिल्मों की शूटिंग शुरू हो गई है। लगभग 100 सिनेमा हॉल्स के लिए बैंक लोन के प्रस्ताव बैंकों में विचाराधीन हैं। सरकार ने जम्मू कश्मीर में ऐसी व्यवस्था की है कि अब वहां पर कोई कंकड़ फेंकने की हिम्मत नहीं करता।

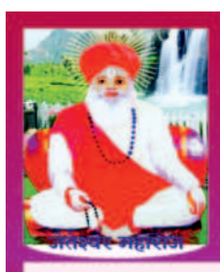

(रजि. 1700)

राजस्थानी देवासी समाज, हैदराबाद-सिकन्दराबाद

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, जिला जालौर-सिरोही-बाड़मेर के तत्वावधान में

शुक्रवार **8** मार्च 2024

आज

समय :
रात्रि : 8:01 बजे
से सम्पूर्ण रात्रि

समाज द्वारा **महाप्रसादी** रात्रि 7 बजे

स्थल : **द्रौपदी गार्डन**
सीतारामबाग, हैदराबाद

भजन प्रस्तुति

श्री जीवाराम देवासी

- मंच संचालक -

श्री नवरतन सोनी शिवगंज

इस अवसर पर सभी धर्मप्रेमी सज्जन
सादर आमंत्रित हैं

महाशिवरात्रि का विशाल जागरण

सम्माननीय अतिथिगण

श्री टी. राजा सिंह
विधायक : गोशामहल

श्री येग्गा मल्लेशम
अध्यक्ष : कुरमा संगम

श्री मुकेश सिंह
पूर्व पार्षद : गोशामहल

श्री लाल सिंह
पार्षद : गोशामहल

श्री नागराज कुरमा

श्री कोटला वेंकट रेड्डी
ACP शाह ईनायत गंज

श्री एम. महेश
CI मंगलहाट

सम्पर्क सूत्र
9502235808 | 8985499057
9603511232 | 8639069838
9391027929 | 9440351347

निवेदक **राजस्थानी देवासी समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद**

मुख्यमंत्री ने डॉ. बाबू जगजीवन राम भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद में डॉ. बाबू जगजीवन राम भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि डॉ. बाबू जगजीवन राम ने देश के विकास के लिए कई सुधार किये। राष्ट्रीय नेता ने कांग्रेस पार्टी में अपना राजनीतिक करियर आगे बढ़ाया और गांधी परिवार का समर्थन किया। राज्य सरकार ने जगजीवन राम को प्रेरणा के रूप में लिया है और गरीबों और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए प्रयास कर रही है। पहले, एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए अलग-अलग आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए थे। मेरी सरकार ने अधिकारियों को दलितों, आदिवासियों, बीसी और अल्पसंख्यकों के लिए एक ही स्थान पर इंदिराम्मा घर आवंटित करने का निर्देश दिया। सरकार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक ही परिसर में सभी गुरुकुल स्थापित करके जातियों के बीच की खाई को पाटना चाहती हैं। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कोडंगल में संस्थान की आधारशिला पहले ही रखी जा चुकी है। शिक्षा कोई महँगी वस्तु नहीं है। इसके बजाय, यह एक निवेश है। शिक्षा ही सभी को कई ऊंचाइयों पर चढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। आरएस प्रवीण कुमार और अकुनुरी मुरली को शिक्षा से ही पहचान और सम्मान मिला। जगजीवन राम की बेटी मीरा कुमार (अध्यक्ष के रूप में) ने लोकसभा में तेलंगाना विधेयक पारित किया। पूरा तेलंगाना समाज मीरा कुमार को याद रखेगा। उन्होंने कहा कि समय हमेशा एक सा नहीं रहता है। कभी-कभी सामंतों का वर्चस्व होता है और कभी-कभी यह दलितों के हाथ में होता है। दलित नेता गड्डाम प्रसाद को विधानसभा अध्यक्ष चुना गया है। सामंती पार्टी को अध्यक्ष का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग समाज में कांग्रेस पार्टी के योगदान पर सवाल उठा रहे हैं। सवाल करने का हक और अधिकार कांग्रेस पार्टी ने ही दिया है। सभी से अपील है कि शिक्षा को नजरअंदाज न करें और शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन में ऊंचाइयां हासिल करें।

बीआरएस ने एमएलसी चुनाव के लिए नवीन कुमार रेड्डी को नामित किया

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी ने महबूबनगर स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव के लिए एमएलसी उम्मीदवार के रूप में एन. नवीन कुमार रेड्डी की उम्मीदवारी की घोषणा की।

पार्टी प्रमुख के चन्द्रशेखर राव ने नवीन कुमार को पार्टी उम्मीदवार के रूप में फाइनल किया है। यह निर्णय पार्टी के अविभाजित पालमुरु जिले के नेताओं की राय के अनुसार लिया गया। नवीन कुमार का गृहनगर नंदीगामा मंडल में ममिदिपल्ली है। उन्होंने अविभाजित पालमुरू जिला परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। स्थानीय निकायों के कोटे से महबूबनगर के एमएलसी चुने गए कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कलवाकुर्ती से विधायक के रूप में जीत हासिल की। मालूम हो कि उन्होंने एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है।

आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज (एसीडीएस), सिकंदराबाद का 18वां दीक्षांत समारोह आज बीडीएस बैच 2018 और एमडीएस बैच 2020 के लिए आयोजित किया गया था। 15 छात्रों को दंत चिकित्सा में मास्टर की डिग्री से सम्मानित किया गया, जबकि 38 छात्रों को डेंटल सर्जरी में स्नातक की डिग्री प्राप्त हुई। मुख्य अतिथि ए. रेवंत रेड्डी, मुख्यमंत्री, तेलंगाना ने मौखिक स्वास्थ्य स्वच्छता का ज्ञान प्रदान करने के लिए स्नातक दंत चिकित्सकों की सराहना की और वर्षों से उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए स्नातक छात्रों की सराहना की। मेजर जनरल राकेश मनोचा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) और एसीडीएस के अध्यक्ष और केएनआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. श्रेया शुक्ला को सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र के लिए "चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ रोलिंग ट्रॉफी" से सम्मानित किया गया और डॉ. हरनूर ढिल्लों को अकादमिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बीडीएस छात्र के लिए "जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रोलिंग ट्रॉफी" और "पैट्रन्स रोलिंग ट्रॉफी, दक्षिण" से सम्मानित किया गया। समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ एमडीएस छात्र के लिए भारत एरिया का पुरस्कार प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग की डॉ. अनुष्का मेनन को दिया गया।

तेलंगाना साहित्य अकादमी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साहित्य अकादमी के सचिव नमोजू बालाचारी ने कहा कि स्त्री-पुरुष दोनों को एकजुट होकर समन्वय बनाकर एक भाव से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के प्रयासों के बारे में कई सुझाव दिये। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में तेलंगाना साहित्य अकादमी कार्यालय में गुरुवार सुबह से शाम तक 'बेहतर समाज के लिए समावेशी भावना' विषय पर विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिष्ठित महिलाओं के साथ 'चर्चा गोष्ठी और कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

मशहूर शायर महजबीन ने सुझाव दिया कि कवियों, कलाकारों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों को सरकार और जनता के साथ एकजुट होने की जरूरत है और सरकार महिलाओं के विकास के लिए जो भी लागू करना चाहती है, उसे पूरी तरह से लागू करना चाहिए। सुप्रसिद्ध कवयित्री नेल्लुतला रामादेवी ने सुझाव दिया कि वर्तमान परिस्थिति में जहां मानवीय रिश्ते कम होते जा रहे हैं, लड़कियों को अपनी रक्षा करने और खुद को सुधारने को उच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, और जो सभी सावधानियां लड़कियों को दी जाती हैं, वे लड़कों को भी दी जानी चाहिए। महिला दिवस के अवसर पर पद्माकमलाकर महिलाओं की कठिनाइयों आदि पर चर्चा की।

उप्पला पद्मा ने कहा कि महिलाओं को खुद को सुधारने के लिए पुरुषों को दुश्मन के रूप में देखने की जरूरत नहीं है। डॉ. रजनी ने सुझाव दिया कि लड़कियों से समय-समय पर दुनिया में होने वाले बदलावों के बारे में बात करनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण एवं महिला प्रगति आदि पर पढ़ी गई कविताएं मनोरंजक रहीं।

महिला दिवस के अवसर पर सीपी कार्यालय में कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हैदराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय, आईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोटा श्रीनिवास रेड्डी पुलिस आयुक्त, हैदराबाद उपस्थित थे।

इस मौके पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आजकल महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। कमिश्नर ने कहा कि अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं और महिलाएं हर तरह से अपनी क्षमता दिखाने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इच्छाशक्ति अधिक होती है और वे चाहें तो कुछ भी हासिल कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सभी महिला अधिकारियों को साहस के साथ काम करना चाहिए और कई क्षेत्रों में महिलाओं ने जो सफलता हासिल की है, वह भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक होनी चाहिए।

कर्मचारी के रूप में प्रतिभा दिखाने वाली महिला कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। उन्होंने पुलिस विभाग में शामिल सभी महिला अधिकारियों की समाज में उनके योगदान के लिए सराहना की और महिला दिवस के अवसर पर सभी महिला कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पछतावा नहीं करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विक्रम सिंह मान, एल एंडओ, जे. परिमाला हाना नूतन संयुक्त सीपी एडमिन, डी. कविता, डीसीपी महिला सुरक्षा विंग, रश्मी पेरुमल डीसीपी सीएसडब्ल्यू, सुधारानी सीएडीओ, उर्मिला जेएओ, वेंकट रत्ना, अधीक्षक, ज्योति, अधीक्षक, मंत्रालयिक कर्मचारी महिला पुलिस और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

आज शुक्रवार
8 मार्च 2024
रात्रि 9 बजे से
सम्पूर्ण रात्रि

देवासी समाज (गोड़वाड़)
हैदराबाद-सिकन्दराबाद
जि. पाली (मारवाड़ जं.)

स्थान :
बालाजी नगर
साई बाबा कमान रोड,
मरुधर कॉलोनी,
यापराल,
सिकन्दराबाद-87

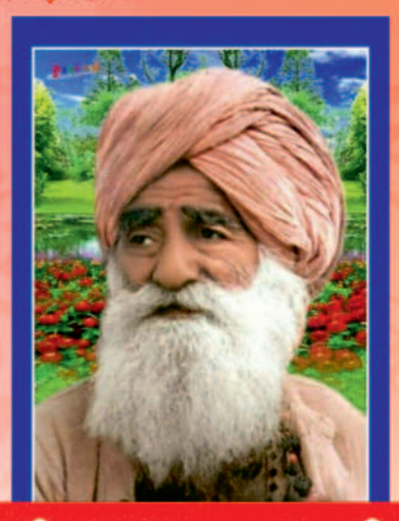
श्री श्री 1008 फुला भारती जी

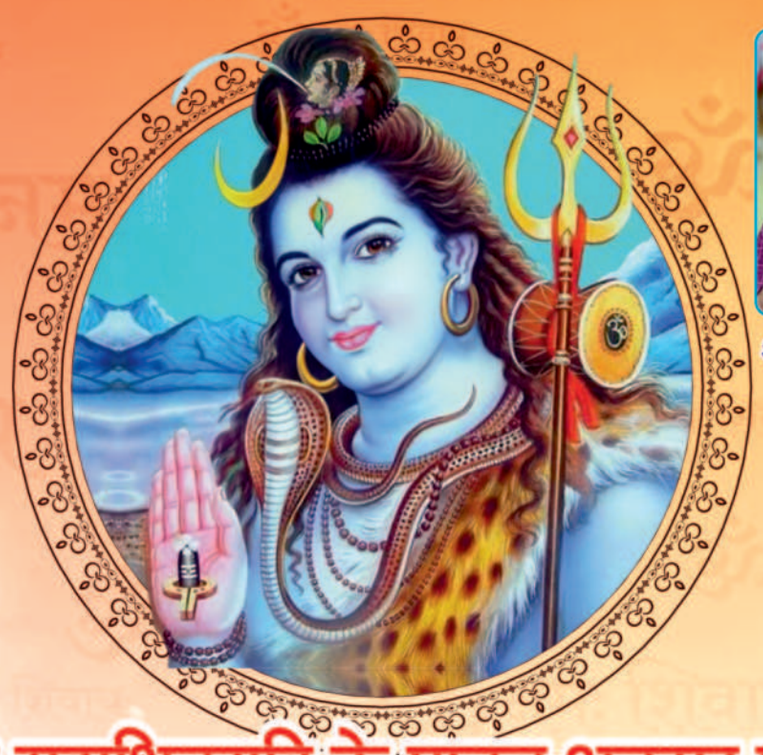

गायक कलाकार

श्री राजूजी सुथार
एंड पार्टी मुंगड़ा

श्री गोविन्द रामजी

राजस्थान के सुप्रसिद्ध विशेष कलाकारों द्वारा प्रस्तुति

नृत्य कलाकार

सुश्री राजल जाट
बालोतरा

हास्य कलाकार

श्री मदनजी प्रजापत
एंड पार्टी समदड़ी

श्री महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर

16वाँ विशाल जागरण

सभी भक्तजनों से नम्र निवेदन है कि जागरण में सपरिवार
पधारकर भजनों एवं कार्यक्रम का आनन्द लें ।

देवासी समाज बंधुओं से नम्र निवेदन है कि 9 मार्च 2024 को अपने प्रतिष्ठान बंद रखें।

निवेदक : देवासी समाज, (गोड़वाड़) हैदराबाद-सिकन्दराबाद

संपर्क सूत्र : 9440444499, 8328260051, 9392485475, 9618227162, 9966652622

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एनडीए में शामिल हो सकती है बीजेडी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले नीतीश कुमार की जेडीयू के बाद अब ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजेडी) भी एनडीए में शामिल हो सकती है। बुधवार (6 मार्च) को भुवनेश्वर में बीजेडी के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के घर नवीन निवास में चुनाव को लेकर लंबी मीटिंग हुई। इस मीटिंग के बाद बीजेडी के वाइस प्रेसिडेंट देबी प्रसाद मिश्रा ने कहा कि हमारी भाजपा के साथ अलायंस पर चर्चा चल रही है। हमारी पार्टी ओडिशा के लोगों के हितों को लेकर जरूरी फैसला लेगी। उधर, बुधवार को ही दिल्ली में भी ओडिशा में लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की लंबी बैठक हुई। इस बैठक के बाद भाजपा सांसद जुआल ओरम ने भी अलायंस को लेकर चर्चा होने की पुष्टि की है।

वर्ष-28 अंक : 350 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन कृ.13 2080 शुक्रवार, 8 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

भाजपा में शामिल होने के बाद अभिजीत गंगोपाध्याय बोले

बंगाल में पूरी ताकत से लड़ेंगे

कोलकाता, 7 मार्च (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पश्चिम बंगाल की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ना है।

अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा, मैं एक राष्ट्रीय पार्टी में शामिल हो गया हूं जिसका नेतृत्व पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसी हस्तियां कर रही हैं। मैं बस उस पार्टी के एक अनुशासित सिपाही के रूप में काम करना चाहता हूं। मेरा एकमात्र उद्देश्य पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से भ्रष्ट राजनीतिक ताकत को सत्ता से बाहर करना है।

मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि 2026 में वह ताकत पश्चिम बंगाल की सत्ता में वापस न आ सके। मैं पूरी तरह से भ्रष्ट वर्तमान राज्य सरकार के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ने के लिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे ईमानदारी से पूरा करने का मैं हरसंभव प्रयास करूंगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक मंगल पांडे ने गुरुवार को पार्टी में उनका स्वागत किया और उन्हें पार्टी का झंडा सौंपा। अधिकारी ने कहा, मैं बस इतना कह सकता हूं कि अभिजीत गंगोपाध्याय जैसे व्यक्ति राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में बेहद जरूरी हैं। जब वह एक न्यायाधीश के रूप में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए ईमानदारी से काम कर रहे थे, उन्हें बार-बार निशाना बनाया गया। आने वाले दिनों में, भाजपा उनका उपयोग चुनाव और अन्य संबंधित क्षेत्रों में करेगी। पश्चिम बंगाल के उद्योग मंत्री डॉ. शशि पांजा ने कहा कि जब अभिजीत गंगोपाध्याय न्यायाधीश थे तब भी राजनेता उनके आवास पर अक्सर जाते थे। पांजा ने कहा, आज यह स्पष्ट हो गया कि जब वह न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठे थे तब वह भाजपा नेतृत्व के संपर्क में थे।

केजरीवाल को कोर्ट का समन

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार (7 मार्च) को समन भेजा है। ईडी ने बुधवार (6 मार्च) को कई समन नजरअंदाज करने के आरोप में केजरीवाल के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाने की मांग की थी। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने केजरीवाल को 16 मार्च को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। ईडी केजरीवाल को अब तक 8 बार समन भेज चुकी है। केजरीवाल को 27 फरवरी, 26 फरवरी, 22 फरवरी, 2 फरवरी, 17 जनवरी, 3 जनवरी, 21 दिसंबर और 2 नवंबर को समन भेज गया था। हालांकि, वे एक बार भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए हैं। दिल्ली सीएम जब 2 फरवरी को 5वें समन के बाद पूछताछ के लिए नहीं आए थे, तब ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में याचिका लगाई थी। केजरीवाल दिल्ली विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और बजट सेशन के कारण 14 फरवरी को कोर्ट में वर्चुअली पेश हुए थे। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च की तारीख तय की है।

सीमा पर किसी भी खतरे से निपटने को तैयार : राजनाथ

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत, सैन्य रूप से एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। भारत अपनी सीमाओं पर किसी भी खतरे का उचित जवाब देने के लिए तैयार है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा, इतिहास गवाह है, भारत ने कभी भी किसी भी देश पर पहले हमला नहीं किया है। लेकिन अगर हमें अपनी सीमाओं पर किसी भी खतरे का सामना करना पड़ता है तो हमारी सेना जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, देश के सशस्त्र बलों का मनोबल बहुत ऊंचा है। हमारे सैनिक जमीन, हवा या समुद्र से युद्ध के लिए हमेशा पूरी तरह तैयार हैं। यदि कोई भारत पर हमला करेगा तो हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब देगी। भारत अब एक प्रमुख विश्व आर्थिक और रणनीतिक शक्ति है। पीएम मोदी के मजबूत नेतृत्व में भारत, विश्व मामलों में बड़ी भूमिका निभा रहा है। अन्य देश अब भारत की बात सुनते हैं। भविष्य में भारत न केवल एक विकसित देश के रूप में उभरेगा, बल्कि एक मजबूत सैन्य शक्ति भी बनेगा। हमारे सशस्त्र बल देश का गौरव हैं। सरकार सैनिकों का मनोबल बढ़ाने और उनके प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए जो भी जरूरी होगी, वह करेगी।

शराब मामले में स्कॉर्पियो जब्त करके बुरे फंसे अधिकारी

हाईकोर्ट का फरमान- गाड़ी मालिक को 1 लाख दें

पटना, 7 मार्च (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने शराबबंदी मामले में सख्त फरमान सुनाया है। हाइकोर्ट ने गैरकानूनी रूप से स्कॉर्पियो गाड़ी को शराबबंदी कानून के तहत जब्त करने के मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के दोषी अधिकारियों पर एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। अब याचिकाकर्ता को दोषी अधिकारी उक्त राशि देंगे। बता दें कि पूर्व में भी शराब मामले में जब्ती को लेकर पटना हाईकोर्ट ने अलग-अलग मामलों में अहम फरमान सुनाए हैं। जिसमें शराब मिलने पर वाहन की जब्ती और परिसर को राजसात करने से जुड़े विवाद का फैसला शामिल था।

पटना हाईकोर्ट ने सुनाया फरमान।।

पटना हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई में साफ किया है कि गैरकानूनी रूप से स्कॉर्पियो को जब्त करने वाले अधिकारी एक लाख का जुर्माना भरेंगे। वो राशि याचिकाकर्ता को मिलेगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोषी अधिकारियों को उक्त राशि आठ सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को देनी होगी । न्यायाधीश पीबी बजनथ्री एवं न्यायाधीश आलोक कुमार पांडेय की खंडपीठ ने हीरा कुमार दास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त आदेश दिया ।

दो सप्ताह के भीतर गाड़ी को उसके मालिक को सौंपने का आदेश

बता दें कि खंडपीठ ने दिनांक 21 फरवरी को यह जानना चाहा था कि क्या गाड़ी को राज्यसात करने की कार्रवाई शुरू की गयी है या नहीं राज्य सरकार द्वारा यह जानकारी दी गयी कि ऐसी कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गयी है। अदालत ने राज्य सरकार की कार्रवाई को त्रुटिपूर्ण पाते हुए दो सप्ताह के भीतर गाड़ी को उसके मालिक की उचित पहचान कर सुपुर्द करने का निर्देश दिया ।

पटना हाईकोर्ट के पूर्व के फैसले

बता दें कि शराब मामले को लेकर पटना हाईकोर्ट ने पूर्व में भी दो अहम फैसले दिए हैं। अदालत ने अपने एक फैसले में कहा है कि अगर किसी परिसर से शराब की जब्ती होती है तो पूरे परिसर को राजसात करने की कार्रवाई नहीं की जा सकती है। वहीं एक अन्य फैसले में अदालत ने कहा है कि अगर कोई दोपहिया वाहन से जा रहा है और उसके पास शराब मिलता है। इस मामले में अगर वाहन पर सवार लोग उस दोपहिया वाहन के मालिक नहीं हैं तो इस स्थिति में बाइक की जब्ती नहीं की जा सकती है।

जाली नोट के धंधे में संलिप्त को जमानत पर रिहा करने का आदेश

इधर, एक अन्य मामले में जाली नोट के अवैध धंधे में संलिप्त और निचली अदालत से सजा पाये सजायाफ्ता व्यक्ति को पटना हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का निर्देश निचली अदालत को दिया है। न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति जी अनुपमा चक्रवर्ती की खंडपीठ ने जेल में करीब साढ़े सात साल से बंद मुन्ना सिंह द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

जानिए क्या है मामला।।

सजायाफ्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत कश्यप ने कोर्ट को बताया कि पटना की एनआइए कोर्ट ने बांग्लादेश से 2015 में अवैध जाली नोट के धंधे में लिप्त अभियुक्त को 10 साल की सजा सुनायी थी। अभियुक्त पर नब्बे हजार रुपया पांच सौ के तीन लाख रुपये के जाली नोट के लिए भुगतान करने का आरोप लगाया गया है। अन्य अभियुक्तों के साथ मुन्ना सिंह को भी सीमा पार से अवैध जाली नोट मांगने के आरोप में सजा दी गयी है । अन्य अभियुक्तों को इसी आरोप में केवल पांच वर्ष की सजा दी गयी,जबकि मुन्ना सिंह को 10 वर्ष की। कोर्ट ने दी गयी सजा को निलंबित करते हुए जेल में बंद सजायफ्ता को जमानत दे दी।

लखनऊ कानपुर हाईवे पर स्कूल वैन पलटी एक छात्र की मौत, सात घायल

उन्नाव, 7 मार्च (एजेंसियां)। उन्नाव उत्तर प्रदेश के उन्नाव में स्कूल बच्चों को लेकर जा रही मारुति वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे वन में बैठे एक पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते परिवारी जनों में अफरातफरी मच गई। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मारुति वैन में 12 बच्चे सवार थे। जिनमें एक की मौत हो गई है। घटना सोहरामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ कानपुर हाईवे की है। मृतक के पिता का रो रो कर बुरा हाल है। घटना थाना क्षेत्र के आशा खेड़ा के पास की है। आज सुबह श्री राम मूर्ति स्कूल की वन बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। जिसमें कुल 12 बच्चे बैठे थे। इसी बीच आशा खेड़ा गांव के निकट वैन आनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे उसमें बैठे 5 वर्षीय रूद्र पुत्र वीरेंद्र निवासी मिश्री गंज अजगैन की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत और बचाव कार्य चलाया। क्षेत्राधिकारी हसनगंज ने बताया कि अनियंत्रित होकर वह आशा खेड़ा गांव के पास पलटी है। जिसमें एक 5 साल के रुद्र की मौत हो गई। अन्य किसी को चोट नहीं आई है।

जौनपुर में भाजपा नेता प्रमोद यादव की गोली मारकर हत्या, दिनदहाड़े हुई वारदात से मचा हड़कंप

जौनपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से बड़ी खबर आ रही है। जिले के बोधापुर गांव निवासी भाजपा के किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद यादव (55) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौजूदा समय में भाजपा संगठन के जिला महामंत्री थे। घटना को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। भाजपा नेता की हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। पुलिस टीम आनन-फानन मौके पर पहुंची और छानबीन कर रही है। प्रमोद यादव को अज्ञात बदमाशों ने गुरुवार की सुबह उनके घर के बाहर ही गोली मार दी। बदमाशों ने उन्हें तीन गोलियां मारीं और घटनास्थल से कुछ दूर आगे बाइक छोड़ फरार हो गए। वहीं, प्रमोद को जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मौके पर बदमाशों की बाइक को कब्जे में लेकर पुलिस जांच में जुटी है। प्रमोद यादव भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष थे। इसके पहले भी वे मल्हनी से भाजपा के टिकट से ही दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं।

हरिद्वार जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस बनी आग का गोला, चालक की सूझबूझ से बची सबकी जान

अमरोहा, 7 मार्च (एजेंसियां)। शिव भक्तों को लेकर हरिद्वार जा रही प्राइवेट बस में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। हालांकि श्रद्धालु बस से बाहर सुरक्षित निकल गए। धनौरा थानाक्षेत्र के गांव शेरपुर से ग्रामीणों ने शिवरात्रि पर हरिद्वार जाने के लिए एक निजी बस किराए पर ली थी। गांव से बुधवार की देर रात सभी श्रद्धालु बस में सवार होकर हरिद्वार निकले थे। डीगरा-फीना मार्ग पर गांव वालीपुर के निकट अचानक शार्ट सर्किट से बस में आग लग गई। चालक ने सूझबूझ से काम लिया और तुरंत बस को सड़क किनारे लगा दिया। सभी सवारियां एक-एक कर नीचे उतर गईं। डींगरा व रसूलपुर चौकी की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा के चलते यहां से गुजर रहे कांवड़ियों व राहगीरों को रोक दिया गया। मौके पर दमकल टीम को बुला लिया गया।

इरफान सोलंकी के घर ईडी का छापा

घर पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद, नूरी और वसी के घर भी रेड

कानपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी पर शिकंजा कसता जा रहा है। उनके कानपुर स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापा मारा है। ईडी की टीम ने आवास पर पहुंच कर छानबीन शुरू की। उनके आवास पर लगे सीसीटीवी कनेक्शन को काट दिया गया। ईडी लखनऊ जोन के अधिकारियों ने सुबह- सुबह इरफान सोलंकी के आवास पर पहुंच कर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। जाजमऊ स्थित सपा विधायक के आवास पर ईडी की टीम पहुंचने की सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इरफान सोलंकी के साथ-साथ अरशद के घर पर भी ईडी की टीम के पहुंचने की बात कही जा रही है। सपा विधायक के भाई पर भी कई मामलों में आरोप लगा हुआ है। अरशद सोलंकी से उनके आवास पर पूछताछ की जा रही है। ईडी की टीम ने सपा विधायक के आवासीय परिसर में स्थित सीसीटीवी कनेक्शन को काटा है। इरफान सोलंकी इस समय महिला की जमीन हड़पने के मामले में उनके प्लॉट में आग लगाने के मामले में जेल में हैं।

एक साल से हैं जेल में बंद

समाजवादी पार्टी विधायक इरफान सोलंकी एक साल से जेल में बंद हैं। दिसंबर 2022 में उन्हें जेल भेजा गया था। बाद में उन्हें महाराजगंज जेल ट्रांसफर कर दिया गया। विधायक पर महिला ने प्लॉट पर कब्जा करने की मंशा से आगजनी करने का आरोप लगा है। विधायक इरफान के खिलाफ अब तक 17 केस दर्ज किया गया है। इस कारण उनके राज्यसभा चुनाव में इरफान सोलंकी को वोट डालने से भी वंचित होना पड़ा। कोर्ट ने इरफान की वोट डालने की अर्जी को खारिज कर दिया था। इरफान सोलंकी के खिलाफ इरफान सोलंकी पर कर्नलगंज थाना के तहत आचार संहिता उल्लंघन का मामला भी दर्ज किया गया। इस केस में पुलिस की ओर से चार्जशीट और गवाह पेश किए जा चुके हैं। इस पर अब फैसला आने की तैयारी है।

नूरी शौकत के घर भी ईडी का छापा

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सपा नेता नूरी शौकत और कानपुर के बड़े बिल्डर हाजी वसी के घर पर भी पहुंची। ईडी की टीम इन दोनों नेताओं के घरों पर भी छापा मार रही है। इरफान सोलंकी के साथ- साथ नूरी शौकत भी फर्जी आधार कार्ड मामले में आरोपी हैं। वहीं, हाजी वसी कानपुर हिंसा का आरोपी और हमराज कंस्ट्रक्शन के निदेशक हैं। हमराज कंस्ट्रक्शन में इरफान की पत्नी नसीम सोलंकी डायरेक्टर थीं। आरोप है कि इस कंपनी के जरिए करोडों का हेरफेर किए जाने का आरोप है।

पक्ष में हर समीकरण, फिर भी लोकसभा चुनाव में मात खा रहीं लालू की बेटी

ईवीएम पर बदल जाती है वोटर्स की नीयत!

पटना, 7 मार्च (एजेंसियां)। एक फिर लोकसभा चुनाव में पाटलिपुत्र सीट पर सबकी नजर रहेगी, क्योंकि बीते दो चुनावों में यहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव विजय रहे हैं। उन्होंने 2019 में राजद सुप्रीमो लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती को 39,000 से ज्यादा वोटों से हराया है। इस बार की लड़ाई भी संभवतः रामकृपाल यादव और मीसा भारती के बीच होगी। रामकृपाल यादव 2014 तक राजद के प्रभावी नेता हुआ करते थे। उन्हें लालू परिवार का करीब माना जाता था। वर्ष 2008 में पाटलिपुत्र लोकसभा सीट बनने के बाद यहां से 2009 का चुनाव खुद लालू यादव ने लड़ा। वह जदयू के रंजन प्रसाद यादव से करीब 23500 वोटों से हार गए। फिर 2014 में भी मीसा को मैदान में उतारा गया। इससे नाराज होकर रामकृपाल ने भाजपा का दामन थाम लिया और 2014 में पाटलिपुत्र के मैदान में कूद गए। रामकृपाल ने मीसा को हरा दिया। उन्हें तीन लाख 83 हजार 262 वोट मिले। यह लगभग 39.16% वोट था। मीसा को 3 लाख 42 हजार 940 वोट मिले, जिसका परसेंटेज लगभग 35.04% था। इस दौरान रंजन प्रसाद यादव जदयू से चुनाव लड़ रहे थे। उनको भी 97,228 वोट मिले। 2014 में भाकपा माले अलग चुनाव लड़ रही थी। उसके उम्मीदवार रामेश्वर प्रसाद को 51,623 वोट मिले थे।

'चाचा' ने 'भतीजी' को दी मात

बात 2019 के चुनाव की जाए तो इस दौरान एनडीए और महागठबंधन में लड़ाई थी। एनडीए के साथ जदयू थी तो राजद के साथ कांग्रेस। इस दफा भी भाजपा ने रामकृपाल को मैदान में उतारा और राजद ने मीसा भारती को। बावजूद इसके राजद को मुंह की खानी पड़ी। 39 हजार से अधिक वोटों से रामकृपाल विजयी हुए। उन्हें 5 लाख 9 हजार 557 मत मिले। महागठबंधन से मीसा को 4 लाख 70 हजार 236 वोट मिले। अब बात 2024 की। इस बार भी महागठबंधन और एनडीए के बीच मुकाबला है। यहां से संभवतः भाजपा के रामकृपाल यादव मैदान में होंगे। महागठबंधन की तरफ से मीसा एक बार फिर मैदान में उतर सकती हैं। दोनों में कांटे की टक्कर होगी। कांटे की टक्कर का कारण यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में पाटलिपुत्र लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की छह विधानसभा सीटों- दानापुर, मनेर, फुलवारी, मसौढ़ी, पालीगंज और विक्रम, सभी में महागठबंधन ने जीत हासिल की थी।

विधानसभा का गणित

दानापुर यादवों का गढ़ है और यहां से राजद के रीतलाल यादव जीते थे। भाजपा प्रत्याशी दूसरे पर नंबर रहे। मनेर भी यादव बाहुल्य क्षेत्र है। यहां से हर बार यादव प्रत्याशी खड़ा कर राजद जीत हासिल करती आई है। फुलवारी शरीफ मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। यहां भाकपा माले के विधायक गोपाल रविदास ने जीत हासिल की थी। मसौढ़ी में कुर्मी और यादव बहुसंख्यक हैं। यहां से राजद प्रत्याशी रेखा देवी ने जीत हासिल की। जेडीयू दूसरे नंबर पर थी। पालीगंज और विक्रम की बात की जाए तो ये भूमिहारों का क्षेत्र हैं। महागठबंधन की तरफ से पालीगंज से भाकपा के संदीप सौरभ ने जीत हासिल की। विक्रम से भी भूमिहार प्रत्याशी खड़े होते हैं और जीतते आते हैं। विधानसभा में यहां से महागठबंधन की तरफ से कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। सिद्धार्थ सौरभ ने जीते थे लेकिन उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया।

घर-घर के नेता रामकृपाल!

बात लोकसभा की हो रही है तो यहां रामकृपाल यादव घर-घर के नेता माने जाते हैं। किसी भी छोटे-बड़े कार्यक्रम में वह बुलाए जाने पर वह जरूर पहुंचते हैं। जहां तक मीसा की बात है तो वह सिर्फ चुनाव के दौरान ही जनता के बीच नजर आती हैं। जानकार उनकी हार के पीछे इसे एक अहम कारण बताते हैं। जनता में मीसा की छवि की बात की जाए तो वह पिछली वाली छवि से मुक्त नहीं हो पाई हैं। हालांकि, इस लोकसभा सीट पर महागठबंधन का दबदबा है। रामकृपाल यादव की जीत के पीछे उनका मिलनसार होना अहम है। वह आसानी से जनता के लिए उपलब्ध हैं। यही कारण है इस बार भी उनके पक्ष में पलड़ा भारी है।

भाजपा की सीट

पाटलिपुत्र लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन 2008 में हुआ था। इसके लिए जहानाबाद से मसौढ़ी विधानसभा को काटा गया, आरा से पालीगंज और मनेर को निकाला गया। पटना लोकसभा से फुलवारी शरीफ, दानापुर और विक्रम विधानसभा को इसमें समाहित किया गया। जब से पाटलिपुत्र लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बना है तब से यह भाजपा की सीट रही है। हर बार राजद के ज्यादा विधायक रहने के बावजूद भाजपा आसानी से जीत हासिल कर लेती है। हालांकि इस बार राजद और भाकपा माले साथ हैं। एनडीए में जेडीयू साथ है तो स्थिति पिछले जैसा ही माना जा रहा है। भाजपा अभी से दमखम लगाने लगी है। इस क्षेत्र में पिछले बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद प्रचार करने आए थे। इस बार भाजपा के चाणक्य अमित शाह क्षेत्र में लोगों को संबोधित करने पहुंच रहे हैं।

यूपी में बंद हो सकते हैं 13000 अवैध मदरसे

हवाला के जरिए रकम लेने का शक

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अवैद्य मदरसों पर बड़े लेवल पर कार्रवाई करने की तैयारी चल रही है। एसआईटी की ओर से यूपी शासन को राज्य में संचालित हो रहे अवैध मदरसों से जुड़ी जांच रिपोर्ट सौप दी गई है। माना जा रहा है कि यूपी सरकार जल्दी ही इन अवैद्य मदरसों पर कार्रवाई कर सकती है। आपको बता दें कि एसआईटी ने ऐसे 13 हजार अवैद्य मदरसों को बंद करने की सिफारिश की है। आइए जानते हैं क्या है ये पूरा मामला। एसआईटी की ओर से की गई जांच में आशंका जताई गई है कि हवाला के जरिए मिली रकम से मदरसों का निर्माण हुआ है। ज्यादातर मदरसे अपने हिसाब-किताब का ब्यौरा नहीं दे पाए। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, संचालकों ने चंदे से मदरसे निर्माण की बात बताई। खाड़ी देशों से भी भारी मात्रा में चंदा मिलने की बात बताई गई है। हालांकि, ज्यादातर मदरसा संचालक चंदा देने वालों का नाम-पता भी नहीं बता पाए। एसआईटी ने जिन 13 हजार अवैद्य मदरसों को बंद करने की सिफारिश की है वे नेपाल सीमा से जुड़े शहरों में संचालित हो रहे हैं। एसआईटी के मुताबिक, ज्यादातर मदरसे अपने हिसाब-किताब का ब्यौरा नहीं दे पाए हैं। ऐसे अवैध मदरसों से शिक्षा प्राप्त करने वालों को नौकरी भी नहीं मिल पाती है। इन्हीं कारणों से इनपर कार्रवाई की बात कही जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बीते 25 सालों में बहराइच, श्रावस्ती ,महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर जैसे जिलों में तेजी से बने हैं ऐसे मदरसे। नेपाल सीमा से लगे शहरों के 80 मदरसों को विदेशों से करीब 100 करोड़ रुपए की फंडिंग की बात भी सामने आई थी। इस जानकारी के बाद ही एसआईटी जांच के आदेश दिए गए थे।

अरशद मदनी ने रामपुर लोकसभा सीट के लिए अखिलेश से कर दी ये बड़ी मांग

मुसलमानों के वोट के बिना सफल नहीं हो सकती सपा

रामपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य के चुनाव में मुस्लिमों की उपेक्षा के आरोप में घिरे सपा नेतृत्व को जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने पत्र लिखकर तीन संसदीय क्षेत्रों से मुस्लिमों को प्रत्याशी बनाने की मांग है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे पत्र में कहा है कि मैं आपसे मिलना चाहता था, लेकिन स्वास्थ्य की खराबी और आपकी व्यस्तता के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। राज्यसभा में तीन सीटों में से एक भी आपने मुसलमान को नहीं दी है, जबकि समाजवादी पार्टी विधानसभा और संसद दोनों में मुसलमानों के वोट के बिना सफल नहीं हो सकती है। इनके बिना सरकार भी नहीं बना सकती। इसलिए

मुसलमानों के मन को साफ करने के लिए मेरा आपसे पुरजोर अनुरोध है कि रामपुर से नसीमुद्दीन, फर्रुखाबाद से सलमान खुर्शीद को टिकट दें। मुरादाबाद से एसटी हसन को न हटाएं, नहीं तो इसका परिणाम बुरा होने का खतरा है। बता दें कि 2019 के चुनाव में सपा और बसपा में गठबंधन था। तब यह सीट सपा के खाते में गई थी।

यहां से पार्टी के महासचिव आजम खां जीते थे। उपचुनाव में सीट भाजपा के पास चली गई। इस बार सपा और कांग्रेस का गठबंधन है। अब यह सीट सपा के खाते में है। मदनी का पत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। कांग्रेस के नगराध्यक्ष नोमान खां का कहना है कि अगर नसीमुद्दीन चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जीत तय है।

चुनाव 2024: कैराना लोकसभा सीट पर दिलचस्प होगा मुकाबला

तीसरी बार आमने-सामने हसन परिवार और प्रदीप चौधरी

शामली, 7 मार्च (एजेंसियां)। कैराना का हसन परिवार और भाजपा के प्रदीप चौधरी तीसरी बार चुनाव में आमने-सामने होंगे। इस बार कैराना लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रदीप चौधरी का सपा प्रत्याशी हसन परिवार की बेटी इकरा हसन से कड़ा मुकाबला होगा। फ्लैश बैक की बात करें तो वर्ष 2012 में गंगोह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में प्रदीप चौधरी चुनाव मैदान में उतरे थे। उस समय हसन परिवार की तबस्सुम हसन, उनके बेटे नाहिद हसन बसपा में थे और गंगोह विधानसभा से बसपा प्रत्याशी के रूप में टिकट मांग रहे थे। टिकट नहीं मिलने के कारण हसन परिवार के नाहिद हसन को निर्दलीय प्रत्याशी के

रूप में गंगोह विधानसभा से चुनाव लड़ना पड़ा। इस विधानसभा चुनाव में प्रदीप चौधरी ने नाहिद को हराकर जीत हासिल की थी। तबस्सुम हसन और उनके बेटे नाहिद हसन सपा में शामिल हो गए थे। वर्ष 2017 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामकर प्रदीप चौधरी ने गंगोह से विधानसभा का चुनाव जीता था। इस चुनाव में प्रदीप चौधरी ने गंगोह विधानसभा में बसपा के नौमान मसूद को हराया था।

गजवा-ए-हिंद के फतवे पर दोबारा रिपोर्ट तलब:प्रियांक कानूनगो ने कहा- यूपी सरकार ने कार्रवाई के बजाए पक्ष में रिपोर्ट क्यों भेजी

सहारनपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। दारुल उलूम के गजवा-ए-हिंद के फतवे पर भेजी गई रिपोर्ट पर एनसीपीसीआर अध्यक्ष ने सहारनपुर डीएम और एसएसपी को दिल्ली तलब किया है। एनसीपीसीआर अध्यक्ष ने कहा, यूपी सरकार को दारुल उलूम के खिलाफ कार्रवाई करने का नोटिस दिया था। लेकिन यूपी सरकार अपनी जांच रिपोर्ट में कहा, फतवा 2009 में जारी किया गया। यह कहकर पीछा छुड़ा लिया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा, दक्षिण एशिया को दारुल उलूम मदरसा शिक्षा प्रणाली नियंत्रित करती है। गजवा-ए-हिंद का अपने फतवे में महिमा मंडन किया है। यूपी सरकार को दारुल उलूम को 21 फरवरी 2024 को कार्रवाई करने का नोटिस दिया था। लेकिन यूपी सरकार ने कार्रवाई की बजाए एक रिपोर्ट बनाकर भेज दी। प्रियांक कानूनगो ने कहा, यूपी सरकार ने अपनी रिपोर्ट में फतवे को 2009 में जारी होना बताया है। फतवे में गजवा-ए-हिंद के दौरान मारा जाने वाला शहीद माना जाएगा। यह फतवा दारुल ने 26/11 हमले के ठीक बाद 1 दिसंबर 2008 को जारी किया गया था। एनसीपीसीआर ने सहारनपुर डीएम और एसएसपी को दिल्ली बुलाया है। एक रिपोर्ट और स्पष्टीकरण के साथ। उन्होंने कहा, दारुल उलूम से जुड़े मौलानाओं को जमीयत उलेमा-ए-हिंद (यूके) से करोड़ों की फंडिंग होती है। यह संगठन पाकिस्तान को भी फंड देता है। क्या वे बच्चों की नजर में अजमल कसाब को शहीद के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं? इसका जवाब यूपी के अधिकारियों को दिल्ली आकर देना होगा। दरअसल, एनसीपीसीआर अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो की ओर से दारुल उलूम के गजवा-ए-हिंद पर पुराने फतवे का संज्ञान लिया। 21 फरवरी 2024 को डीएम और एसएसपी को मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। डीएम डॉ।दिनेश चंद्र ने प्रकरण की जांच एसडीएम देवबंद व सीओ देवबंद के नेतृत्व में टीम गठित की। जांच रिपोर्ट तैयार कर आयोग को भेजी गई। जिसमें मुकदमा दर्ज न करने समेत अन्य पहलुओं का उल्लेख किया गया था। आयोग ने प्रशासन की ओर से मिली रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। एनसीपीसीआर से आई दोबारा चिट्ठी में प्रशासन की रिपोर्ट पर नाराजगी और आपत्ति जताई है। जिसके बाद प्रशासन ने अब नए सिरे से जांच कराकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जबकि दारुल उलूम की मजलिस-ए-शूरा (सुप्रीम पावर कमेटी) ने पिछले दिनों अपनी बैठक में स्पष्ट कहा कि हम वेबसाइट बंद नहीं करेंगे। यदि कोई कानूनी कार्रवाई की गई तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 8 मार्च, 2024 5

सुविचार

अपनी दृष्टि को गुणग्राहक बनाओ, अवगुणों को देखते हुए भी नहीं देखो

विकास केवल कांग्रेस शासन काल में हुआ : रेवंत रेड्डी

सीएम ने पैराडाइज जंक्शन से शमीरपेट तक एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सिकंदराबाद के टीआईएमएस, अलवाल में आयोजित एक समारोह में राजीव राहदारी (स्टेट हाईवे 1) एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी, जो पैराडाइज जंक्शन से शमीरपेट तक 18.1 किमी तक फैला है। 18.1 किलोमीटर लंबे इस गलियारे का कुल क्षेत्रफल 197.2 एकड़ है, जिसमें 113.48 एकड़ रक्षा क्षेत्र की और शेष 83.72 एकड़ निजी भूमि है।

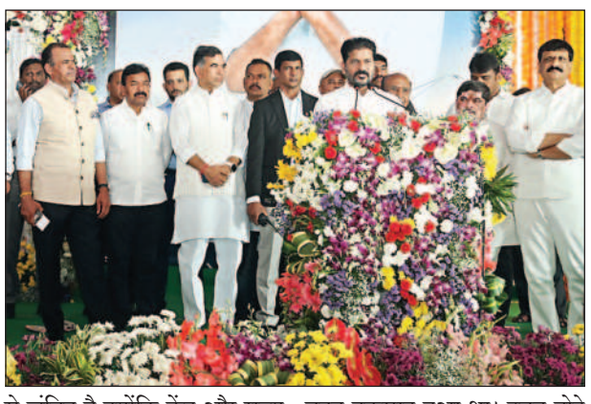

18.1 किलोमीटर में से 11.2 किलोमीटर एलिवेटेड कॉरिडोर है। इसके अतिरिक्त, 0.3 किलोमीटर की भूमिगत सुरंग गलियारे का हिस्सा है। इस परियोजना का निर्माण 2,232 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। प्रस्तावित परियोजना के साथ, राजीव राहदारी पर सिकंदराबाद से करीमनगर की ओर यातायात की समस्याएं कम हो जाएंगी और मोटर चालक कम समय के भीतर बाहरी रिंग रोड तक पहुंच सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव राहदारी एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से मेडचल, कुतबुल्लापुर, करीमनगर और आदिलाबाद खंड पर यातायात की समस्याओं को कम करना है। यह परियोजना कुछ वर्षों से लंबित है क्योंकि केंद्र और राज्य सरकार कुछ मुद्दों पर आमने-सामने हैं। हालांकि, सत्ता में आने के तुरंत बाद, मैंने केंद्र सरकार से बात की और समस्या का समाधान ढूंढ लिया। मैंने प्रधान मंत्री नरेंद्र से मुलाकात की है। सीएम ने कहा कि मोदी और रक्षा मंत्री को लंबित परियोजना मुद्दे से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने भूमि आवंटन और चंद्रायनगुट्टा रक्षा भूमि के पट्टे के नवीनीकरण में देरी की थी, लेकिन उनकी सरकार ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की और रक्षा भूमि सौंप दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार द्वारा अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान अपनाई गई कुटिल नीतियों के कारण लोगों को बहुत नुकसान हुआ था। उन्नत होने के बाद मेडचल क्षेत्र को तेज गति से विकसित किया जाएगा कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है। राज्य ने सहयोग किया है और केंद्र और बदले में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार की मदद की है।

मुख्यमंत्री ने कहा, एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से उत्तरी तेलंगाना का तेजी से विकास होगा। मेरी सरकार लोगों के हित में हर निर्णय लेती है और बिना राजनीति के उस पर अमल करती है। क्या बीआरएस शासन के दस वर्षों के दौरान हैदराबाद में कोई स्थायी विकास हुआ है? हैदराबाद में विकास केवल कांग्रेस शासन के दौरान हुआ था, मुख्यमंत्री ने सवाल किया। यह कहते हुए कि एलिवेटेड कॉरिडोर उत्तरी तेलंगाना के विकास का प्रवेश द्वार है, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र से लगातार मदद मांगेगी और अगर जरूरत पड़ने पर वह केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। केंद्र ने राज्य की इस मांग को ठुकरा दिया, हम हैदराबाद को एक अंतर्राष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम केवल चुनाव के दौरान राजनीति करते हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, सरकार के सामने चुनाव के बाद एकमात्र लक्ष्य तेलंगाना का विकास है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में कंटोनमेंट क्षेत्र को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ टिप्पणी पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार केंद्र से अनुमति लेने में सफल रही है, लेकिन केटीआर ने दावा किया कि ऐसा बीआरएस की लड़ाई के कारण हुआ है। केटीआर को मेरा सुझाव हैदराबाद विकास के लिए इंदिरा पार्क में आमरण अनशन शुरू करना है। केटीआर को तब तक आंदोलन जारी रखना चाहिए जब तक कि राज्य को धन नहीं मिल जाता या वह अपने जीवन का बलिदान नहीं दे देते। इसके अलावा, कांग्रेस कार्यकर्ता केटीआर दीक्षा का समर्थन करने और बीआरएस नेता की रक्षा करने के लिए भी तैयार हैं।

राज्यपाल कोटे के तहत एमएलसी की नियुक्ति खारिज

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य के राज्यपाल कोटे के तहत एमएलसी की नियुक्ति को रद्द कर दिया है, जिसमें कोदंडराम और अमीर अली खान की नियुक्ति भी शामिल है।

कोर्ट ने राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को पिछली सरकार के दौरान दासोजू श्रवण और सत्यनारायण की नियुक्तियों पर पुनर्विचार करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद के निर्णयों का पालन करना चाहिए और एमएलसी की किसी भी नई नियुक्ति की समीक्षा कैबिनेट द्वारा की जानी चाहिए।

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि राज्यपाल अनुच्छेद 171 के तहत कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों को रद्द नहीं कर सकते। अदालत के फैसले ने तेलंगाना में एमएलसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और चयन मानदंडों पर पुनर्विचार करने को कहा है। उच्च न्यायालय के फैसले के परिणामस्वरूप खारिज किए गए एमएलसी, कोदंडराम और अमीर अली खान अपने नियुक्त पदों पर काम नहीं कर पाएंगे।

युवाओं में कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों में वृद्धि चिंताजनक

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोलन कैंसर, जिसे कभी मुख्य रूप से वृद्ध वयस्कों को प्रभावित करने वाला माना जाता था, अब युवाओं में तेजी से फैल रहा है। खराब आहार, मोटापा और व्यायाम की कमी जैसे जीवनशैली इस चिंताजनक रोग में वृद्धि कर रहे हैं। आम धारणा के विपरीत कि पेट का कैंसर केवल वृद्ध लोगों को प्रभावित करता है। हैदराबाद प्रोक्टोलॉजिस्ट डॉ. अश्विनी कुमार माइनेनी ने कहा, 20, 30 और 40 की उम्र के व्यक्तियों में भी कोलोरेक्टल कैंसर बढ़ रहा है। इस स्थिति का इलाज करने वाले प्रोक्टोलॉजिस्ट कॉलेज के छात्रों से भी आग्रह करते हैं कि वे अपने डॉक्टरों से कब्ज, मलाशय से रक्तस्राव या मल त्याग में बदलाव सहित किसी भी संदिग्ध लक्षण पर चर्चा करें। कोलोरेक्टल कैंसर से पीड़ित युवा रोगियों में उल्लेखनीय वृद्धि की रिपोर्ट दी गई है। डॉ. अश्विनी ने कहा, कोलन कैंसर के प्रभावी उपचार के लिए शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है, जो दुनिया भर में कैंसर से संबंधित मौतों का दूसरा प्रमुख कारण है। हालांकि यह 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों में सबसे आम है, इस समूह में घटना घट रही है। हालांकि, युवा व्यक्तियों को अनोखी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें करियर में रुकावटें और वित्तीय तनाव शामिल हैं। यदि लगातार दस्त या कुछ दिनों से अधिक समय तक रहने वाला कब्ज है, तो ये परिवर्तन कोलन कैंसर का संकेत हो सकते हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपको मल त्याग के दौरान खून दिखाई देता है, तो डॉक्टर से परामर्श जरूरी है।

नारी प्रकृति के लिए वरदान : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि हर महिला जो दूसरे प्राणी को जन्म देकर सृजन करने की शक्ति रखती है, वह भगवान का रूप है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना सचिवालय महिला संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) समारोह में गुरुवार को सचिवालय में मंत्री मुख्य अतिथि थीं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मंत्री सुरेखा ने महिलाओं और महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाले सभी लोगों को बधाई दी। इस मौके पर मंत्री ने कार्यक्रम में शामिल सचिवालय की महिला कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नारी सृजन का स्रोत है।

नारी के बिना कोई सृष्टि नहीं है। नारी प्रकृति के लिए वरदान के समान है। नारी की तुलना पृथ्वी देवी से की जाती है। एक बेटी, मां, बहन और पत्नी के रूप में महिलाएं इस समाज को बेहतर तरीके से नेतृत्व करने की शक्ति रखती हैं। आज महिलाओं के प्रति पहले जितना भेदभाव नहीं है। अब परिवार बच्चों को अपनी जिंदगी को अपनी इच्छानुसार आकार देने की आजादी देता है। बच्चे हमारे साथ तभी अच्छा व्यवहार करते हैं जब हम स्नेह से भरे होते हैं। यदि उनमें आत्मविश्वास का स्तर बढ़ा दिया जाए तो वे जीवन में किसी भी कठिनाई का सामना करेंगे और महान बनेंगे। बच्चों को दुर्व्यवहार से दूर रखना परिवार की ज़िम्मेदारी है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि अगर इस समाज में महिलाओं को उचित सम्मान और पहचान मिलती तो दुनिया की दिशा कुछ और होती। कहा जाता है कि सदियों से अपमानित, तिरस्कृत और उत्पीड़ित होने के बावजूद जिस तरह महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और आत्म-सशक्तीकरण हासिल कर रही हैं, वह महिलाओं की शक्ति को दर्शाता है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद एक मंत्री के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें बहुत खुशी हुई।

आरटीसी कर्मचारियों के लंबित मुद्दों को सुलझाने का प्रयास : पोन्नम

टीएसआरटीसी के विकास में कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण : सज्जनार

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार टीएसआरटीसी कर्मचारियों के लंबित मुद्दों को हल करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सीसीएस, पीएफ और अन्य लंबित मुद्दों को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाया जाएगा और उन्हें शीघ्र हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। गुरुवार को हैदराबाद के टीएसआरटीसी कला भवन में ग्रैंड फेस्टिवल चैलेंज के साथ मेडारम जतारा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के साथ मंत्री थे। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन से टीएसआरटीसी को अच्छे परिणाम मिल रहे हैं और जो कंपनी पहले घाटे में थी वह इस योजना के कारण लाभ में आ रही है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने सुझाव दिया कि महालक्ष्मी योजना के नाम पर सर्वश्रेष्ठ कर्तव्य निभाने वाली महिला कर्मचारियों को पुरस्कार दिया जाना चाहिए। वे संगठन में महिला ड्राइवरों को नियुक्त करने के मुद्दे पर गौर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के साथ बढ़े हुए यातायात को पूरा करने के लिए संगठन नई बसें खरीद रहा है और सरकार भी इसके लिए सहायता प्रदान कर रही है। नई बसों के अनुसार यह बात सामने आई है कि कंपनी नियुक्तियां भी कर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन को टीएसआरटीसी की बेहतरी के लिए कर्मचारियों से सुझाव और सुझाव मिल रहे हैं। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने कहा कि टीएसआरटीसी के विकास में कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों द्वारा ईमानदारी के साथ प्रदान की गई सर्वोत्तम सेवा के कारण संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

टेन्डर नोटिस नं. सीआरएस-इ. 13-23-24 PUB10238

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निर्वहणकर्ता **पीइ/सीआरएस/टीपीटीवाय** द्वारा निम्न विवरित निविदा संख्या के प्रति एवं निम्न बंद तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिडर्स, तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही अपने अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के मामले में मैन्युएल आफर्स अस्वीकार होंगे एवं इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स प्राप्त होने पर उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रम सं.-01, कार्य विवरण : टेन्डर नं. -सीआरएस-इ-13-23-24, 12 महिनों की अवधि के लिए ट्रेन लाइटिन्ग शाप के अंडर फ्रेम सेक्शन से संबंधित गतिविधियों की आउटसोर्सिन्ग। अनुमानित मूल्यःरु. 61,79,746/-, बोली सुरक्षा राशिः रु.1,23,600/-, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथि व समयः 27.03.2024, 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in निविदा की पूरी जानकारी को, निम्न नोटिस बोर्ड स्थान पर विवरित-सहायक मंडल बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज रिपेअर शाप, तिरुपति पर देखा जा सकता है।

उत्पादन अभियन्ता, सीआरएस, तिरुपति

टेन्डर नोटिस नं. -सीआरएस-इ 14-23-24 PUB10239

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निर्वहणकर्ता **पीइ/सीआरएस/टीपीटीवाय** द्वारा निम्न विवरित निविदा संख्या के प्रति एवं निम्न बंद तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिडर्स, तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही अपने अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के मामले में मैन्युएल आफर्स अस्वीकार होंगे एवं इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स प्राप्त होने पर उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रम सं.-01, कार्य विवरणः टेन्डर नं. -सीआरएस-इ-14-23-24, 24 महिनों की अवधि के लिए ट्रेन लाईटिन्ग शाप के एसी सेक्शन से संबंधित गतिविधियों की आउटसोर्सिन्ग । अनुमानित मूल्यःरु. 17,73,714/-, बोली सुरक्षा राशिः रु.35,500/-, पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथि व समयः 27.03.2024, 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in निविदा की पूरी जानकारी को निम्न नोटिस बोर्ड स्थान पर विवरित-सहायक मंडल बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज रिपेअर शाप, तिरुपति पर देखा जा सकता है।

उत्पादन अभियन्ता सीआरएस, तिरुपति

A0296

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

IN THE COURT OF THE HON' BLE I SENIOR CIVIL JUDGE: CITY CIVIL COURTS: AT: HYDERABAD
E.P No. 249 of 2023
IN
O.S No. 238 of 2022
BETWEEN:-
Anil Kumar Sanghi HUF and others
...Decree Holders/Plaintiffs
AND
Society For Education Encouragement And Development (SEED)
...Judgement Debtor/Defendant
To,
Society For Education Encouragement And Development (SEED)
At M. No. 5-1-931, Puthilibouli, Jambagh, Koti, Hyderabad, Telangana, Presently at Municipal No. 5-1-1068/1/SF, on 2nd Floor, M. No. 5-1-1066 to 1069, 1068/1, 1068/2, Gowliguda, Hyderabad, Telangana rep. by its president **Smt. Sowmya Reddy Bora W/o. Sri Subhash Bora,** aged about: 39 years, Occ: Social Worker, R/o. 2-2-233, 2nd floor, Kummariwadi, Amberpet, Hyderabad, Telangana,

Whereas the above named Decree Holders/Plaintiffs has filed the above E.P for attachment of immovable property and subsequent sale of Petition schedule property

Therefore, you the above named Judgment Debtor/Defendant, is hereby wanted to appear before the Hon'ble Court in person or by pleader duly instructed on 22-03-2024 at 10:30 O' Clock in the forenoon to Show Cause of against the Petition, failing which the present petition will be heard and determined ex-party.

SCHEDULE OF IMMOVABLE PROPERTY TO BE ATTACHED

All that the flat No. 202 bearing separate Municipal No. 2-2-231, 232/202 in first floor, having built up area of 870.00. square feet including common areas, together with undivided share of land of 31.00 Square yards out of 536.00 square yards, in the complex known as "Srisaileshwara Residency" constructed in premises No. 2-2-231 @ 232, situated at Amberpet, Hyderabad, Telangana

BOUNDRIES OF ENTIRE PREMISES

NORTH: H. No. 2-2-233, SOUTH: H.No. 2-2-230, EAST: H.No. 2-2-215, 216, 217 & 218, WEST: 30' wide Road

BOUNDARIES OF FLAT No. 202 IN FIRST FLOOR:

NORTH:Corridor SOUTH : Open to sky EAST: Flat No. F-201, WEST: staircase

-By the order of the Court-
M/s. PURUSHOTAMLAAL, Advocates & Associates
Office: #104, L.B.K. Nivas, H. No. 3-4-758, Barkatpura, Hyderabad. (M) 92463 49717

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME & DOB

I, 15439304N NK Ghodke balu prabhakar want to change my mother name & DOB Ghodke babita prabhakar 01Jan 1973 instead of Babita 16 March 1970 mentioned in my army service record

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 8 मार्च- 2024

रणनीति में पिछडती कांग्रेस

एक ओर जहां भाजपा ने अपने 195 उम्मीदवारों की घोषणा कर आधी बाजी मार ली है वहीं लगता है कांग्रेस के पास उम्मीदवारों का टोटा पड गया है। ऐसे में अगर कांग्रेस इसी तरह चादर तान कर सोती रही तो फिर उसका बेडा पार होना भी मुश्किल ही है। बहरहाल, भाजपा की सक्रियता को देखते हुए देर से ही सही लेकिन कांग्रेस ने भी करवट बदला है। नतीजतन, लोकसभा चुनावों के लिए प्रत्याशियों पर मंथन होने लगा है। कुछ सीटों पर तो प्रत्याशियों के पहचान का दावा भी किया जाने लगा है। ऐसे में कांग्रेस का जागना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बहरहाल, धीरे-धीरे ही सही लेकिन कांग्रेस को भी चुनाव तो लडना ही है, लेकिन अभी तक वह विजेता की तरह आक्रामक नजर नहीं आ रही है। बस चुनाव लडना है इस नजरिए से वह काम करती नजर आ रही है। हर राज्य में उसे ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी भी चाहिए लेकिन साथी कौन होगा या क़िससे गठबंधन होने वाला है, अभी तय नहीं है। देखा जाए तो एक जमाना था जब कांग्रेस आलाकमान के पास अकूत ताक़त हुआ करती थी। धीरे-धीरे उसके साथी एक-एक कर बिछुडते चले गए और वह यक़ीनन कमजोर होती चली गई। वर्ना क्या कोई सोच भी सकता है कि कभी कांग्रेस की मोहताज रही ममता बनर्जी आज यह कहने की हिम्मत करती कि कांग्रेस पूरे देश में चालीस सीट भी नहीं जीत पाएगी! बीते दिनों राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब बंगाल पहुंची तो ममता बनर्जी इसमें शामिल नहीं हुईं। अब तक बंगाल में कांग्रेस-टीएमसी के बीच सीट शेयरिंग का मामला भी अटका पडा है। श्रीमती इंदिरा गांधी या राजीव गांधी के रहते कोई विपक्षी नेता ममता जैसी बात कहने की हिम्मत कर सकता था! लेकिन अब अगर कोई यह कह रहा है तो इसका सीधा सा मतलब यह है कि पार्टी की कमान कमजोर पड गई है, धीरे-धीरे इसकी डोर और भी ढीली होती जा रही है। यह तो सभी जानते हैं कि अब तक लोकसभा की सर्वाधिक सीटें जीतने का रिकॉर्ड राजीव गांधी के नाम दर्ज है। अगले लोकसभा चुनावों में अगर भाजपा यह रिकॉर्ड तोड़ देती है तो यह भाजपा की कामयाबी से ज़्यादा कांग्रेस की नाकामयाबी ही मानी जाएगी, क्योंकि कांग्रेस ने अपने ही हाथों से यह कामयाबी भाजपा को परोसी है। बार-बार ग़लतियाँ करना, देरी से निर्णय करना और फिर भी कमोबेश ग़लत निर्णय करना कांग्रेस की आदत बन चुकी है। अब तक जितने नेता कांग्रेस से टूटकर दूसरी पार्टियों में गए हैं, उतने नेता कभी किसी पार्टी से अलग नहीं हुए। हो सकता है इन नेताओं ने अपना हित या स्वार्थ देखा हो, लेकिन वह हित कांग्रेस खुद उन्हें उपलब्ध कराती तो कोई दूसरी पार्टी का दामन क्यों थामता भला! वे दिन भी क्या दिन थे जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर खेत की मिट्टी में कांग्रेस रची- बसी थी, लेकिन आज की हालत देखकर कांग्रेस में एक बेचारगी झलकती है। सच्चे मन से कांग्रेस को अपने ऊपर पुनर्विचार करने की ज़रूरत है। देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी के तमगे वाली पार्टी की ये हालत देखकर किसी को भी दया आ सकती है। आख़िर इस सबसे बड़ी पार्टी के इस हाल का ज़िम्मेदार कौन है? निश्चित रूप से नेतृत्व ही इसका ज़िम्मेदार माना जाएगा, क्योंकि बाक़ी नेता तो सही समय पर सही निर्णय के लिए नेतृत्व का ही मुँह ताक़तें हैं और यह स्वाभाविक भी है। जब कैप्टन ही कमजोर हो तो फौज कितनी देर लड सकती है भला! समय की ज़रूरत है कि कांग्रेस फिर से अपने पैरों पर खड़ी हो, अच्छे व वफादार लोगों की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाए न कि चापलूसों को, ताकि देश पर वो एक बार फिर अपना राज कायम कर सके। राज न सही कम से कम एक मज़बूत विपक्ष की भूमिका तो निभाने के काबित तो बन सके।

भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं शिव

योगेश कुमार गोयल

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। 'महाशिवरात्रि' पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 8 मार्च को संध्याकाल 9 बजकर 57 मिनट पर होगी, जिसका समापन 9 मार्च को शाम 6 बजकर 17 मिनट पर होगा। भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है, इसलिए महाशिवरात्रि 8 मार्च को मनाई जा रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 8 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव जी की पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से 9 बजकर 28 मिनट तक है। इसके अलावा महाशिवरात्रि के चार प्रहर मुहूर्त हैं। रात्रि प्रथम प्रहर पूजा का समय शाम 6 बजकर 25 मिनट से रात 9 बजकर 28 मिनट तक है, रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा का समय रात 9 बजकर 28 मिनट से 9 मार्च की सुबह 12 बजकर 31 मिनट तक, रात्रि तृतीय प्रहर पूजा का समय 12 बजकर 31 मिनट से प्रातः 3 बजकर 34 मिनट तक और रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा का समय 9 मार्च प्रातः 03.34 से 06.37 बजे तक है जबकि व्रत पारण समय 9 मार्च की सुबह 6 बजकर 37 मिनट से दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है ।

महिला दिवस सार्थक तब होगा जब महिलाओं को मिलेंगे समान अवसर

अशोक भाटिया

पूरी दुनिया में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. यह दिवस शिक्षा-प्रशिक्षण, रोजगार, वेतन-मानदेय, राजनीति, विज्ञान सहित अन्य सेक्टरों में महिलाओं की बराबरी के लिए आवाज बुलंद करने का दिन है. महिलाओं के विकास और बराबरी के रास्ते में आने वाली चुनौतियों को अवसरों में बदलकर सभी के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए एकजुट होने का समय है. आज के दिन हर साल 8 मार्च को पड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, आमतौर पर दुनिया भर में महिलाओं को बहु-कार्य करने की क्षमता या अपने घर को संभालने के बाद कमाई के साथ-साथ सामाजिक जीवन में पुरुषों के साथ समानांतर खड़े होने के प्रयास के लिए सम्मानित किया जाता है। बहुत कुशलता से और धैर्य से काम करें लेकिन यहां उजागर करने वाला दुखद हिस्सा वही है, समानता के लिए उनकी लड़ाई और समानता के लिए उनकी मांग !जैसा कि हम आज विभिन्न क्षेत्रों में सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक महिलाओं द्वारा की गई उपलब्धियों को देखते हैं, यह दिन एक ऐसे समाज के लिए एक स्पष्ट आह्वान के रूप में भी कार्य करता है जो लिंग पूर्वाग्रह, रूढ़िवादिता और भेदभाव से मुक्त होना चाहिए और विविधता, समानता और समावेशन को महत्व देगा। महिलाएं कई दशकों से समानता की मांग कर रही हैं और इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की कैंपेन थीम इंस्पायर इंक्लुजन है. इंस्पायर इंक्लुजन का अर्थ है महिलाओं के महत्व को समझने के लिए लोगों को जागरूक करना. इस थीम का अर्थ महिलाओं के लिए एक ऐसे समाज के निर्माण को बढ़ावा देना भी है जहां महिलाएं खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर सकें, सशक्त महसूस कर सकें. अगर किसी क्षेत्र विशेष में, जैसे किसी कंपनी में महिलाएं नहीं हैं, तो इंस्पायर इंक्लुजन कैंपेन के तहत मकसद यह है कि पूछा जाए कि अगर महिलाएं नहीं हैं तो क्यों नहीं हैं. अगर महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव हो रहा है तो उस भेदभाव को खत्म करना जरूरी है. अगर महिलाओं के साथ अच्छा बर्ताव नहीं होता है तो उसके खिलाफ कदम उठाना जरूरी है और यह हर बार करना जरूरी है. यही इंस्पायर इंक्लुजन है. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम ' इंस्पायर इंक्लुजन' एक कदम आगे बढ़कर परिणामों की अधिक निष्पक्षता प्राप्त करने की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न स्तरों के समर्थन की पेशकश करने को संदर्भित करता है। "इक्विटी सिर्फ एक अच्छा साधन नहीं है, बल्कि इसका होना जरूरी है। समानता का अर्थ है प्रत्येक व्यक्ति या लोगों के समूह को समान संसाधन या अवसर दिए जाएं। समानता मानती है कि प्रत्येक व्यक्ति की परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं और समान परिणाम तक पहुँचने के लिए आवश्यक सटीक संसाधनों और अवसरों का आवंटन करती है, " अंतर्राष्ट्रीय महिला वेबसाइट नोट करती है । जबकि महिलाएं वर्षों से दुनिया भर में समानता और समानता की मांग कर रही हैं, भारत में चीजें अलग नहीं हैं जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों में अंतर्निहित संबंधों, विश्वासों और मूल्यों की प्रणाली पितृसत्तात्मक है। यह लैंगिक असमानता की संरचना करता है। यह पुरुषों को सत्ता और प्रतिष्ठा वाले पदों पर रहने की इजाजत देता है, भले ही महिलाएं कितनी ही सफल क्यों न हों। कहने को तो इन दिनों भारत में पुरुषों और महिलाओं को समान नौकरी के अवसर दिए जाते हैं, लेकिन पुरुषों को महत्व दिया जाता है और उन्हें महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जाते हैं, उन्हें अधिक भुगतान किया जाता है, उनकी राय को अधिक महत्व दिया जाता है, और वे अपने लिंग के कारण अधिक विशेषाधिकारों का आनंद लेते हैं। दूसरी ओर महिलाओं को अक्सर ऊपर बताए गए हर मायने में कम महत्व दिया जाता है और अगर उन्हें काम पर पदोन्नति मिलती भी है तो उन्हें 'चरित्रहीन' माना जाता है। जहां नौकरी पर रखते समय महिलाओं से अक्सर उनकी शादी और बच्चों की योजना के बारे में पूछा जाता है, वहीं पुरुषों से कभी ऐसा नहीं पूछा जाता। इसके अलावा यह भेदभावपूर्ण और निजता का घोर हनन है, यह अंतर्निहित पितृसत्तात्मक मानसिकता को भी दर्शाता है कि विवाह योग्य या बच्चे पैदा करने की उम्र वाली महिलाएं बच्चा पैदा करने के लिए कुछ महीनों, वर्षों तक नहीं रह पाती हैं और इसलिए परियोजनाओं से वंचित रह जाती हैं। कहीं तो शादी शुदा लड़कियों को नौकरी मिलना मुश्किल हो जाता है यां मिल भी गई तो प्रमोशन में कठिनाई आती है . ऐसी नौकरी मिलना कठिन हो जाता है जहाँ उनका करियर संवर सकता हो । घर पर भी उनकी कहानी अलग नहीं है. वास्तव में, जो लोग कार्यालयों में काम नहीं करना चुनते हैं, उन्हें बड़े संप्रदायों में असमानता का सामना करना पड़ता है। उन्हें महत्व नहीं दिया जाता, उनके विचारों और राय पर विचार नहीं किया जाता और उन्हें केवल काम के बोझ के चश्मे से देखा जाता है। हां, भारत में अब भी ऐसा होता है और एक भारतीय होने के नाते मुझे आसपास महिलाओं के साथ हो रहे इस अन्याय पर शर्म आती है। हमने प्रगति की है लेकिन समाज अभी भी पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नैतिकता और मूल्य रखता है। वर्तमान में जिस तरह से लिंग की संरचना की गई है वह एक गंभीर अन्याय है। जब हम एक बेहतर समाज की कल्पना करते हैं जहां पुरुषों और महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाता है, तो हमें अपनी लड़कियों और बेटों का समान रूप से पालन-पोषण करना चाहिए।हम अपने बेटों के मन में असुरक्षा और भय का भय पैदा करके उनके साथ अन्याय करते हैं। हम उन्हें अपने वास्तविक स्वरूप को छिपाने का निर्देश देते हैं क्योंकि उन्हें 'एक आदमी होना' चाहिए। कि उन्हें रोना नहीं चाहिए या असुरक्षित नहीं दिखना चाहिए या भावनाएं नहीं दिखानी चाहिए - जैसा कि वे 'लड़कियों' के लिए हैं। इसके अलावा, हम पुरुषों के नाजुक अहंकार को पूरा करने के लिए महिलाओं को बड़ा करके उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय करते हैं। हम लड़कियों को सिखाते हैं कि कैसे खुद को सीमित रखें और सम्मान में छोटे बने रहें। हम उन्हें सलाह देते हैं कि वे अत्यधिक बड़ी महत्वाकांक्षाएं न रखें। "आपमें महत्वाकांक्षा हो सकती है लेकिन बहुत ज़्यादा नहीं। आपको सफल होने का लक्ष्य रखना चाहिए लेकिन बहुत अधिक सफल नहीं होना चाहिए। अन्यथा, आप उस आदमी को धमकी देंगेर, हम अभी भी सिखाते हैं। ये सबक कैसे बदलाव लाएंगे और आज महिलाओं द्वारा रखी गई समानता की मांगों को कैसे पूरा करेंगे? समाज अभी भी पुरुष को हेय दृष्टि से देखता है यदि उसकी पत्नी मुख्य कमाने वाली हो। हमारी स्थिति ऐसी बना दी गई है कि पुरुष प्रदाता हैं और महिलाएं पालन-पोषण करने वाली हैं। महिलाओं की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं, करियर संबंधी आकांक्षाएं रखने को 'स्वार्थी होने' के रूप में देखा जाता है । जब तक हम महिलाओं के महत्वाकांक्षी होने को सामान्य नहीं बनाते और 'परिवार को एक साथ रखने' को उसकी एकमात्र जिम्मेदारी बनाकर उसे नीचे नहीं खींचते, तब तक हमें समानता हासिल करने में बहुत अधिक समय लगेगा। बड़े शहरों में चीज़ें शायद बदल गई हैं और हम इस प्रगति से पूरी तरह इनकार नहीं कर सकते । लेकिन जब छोटे क्षेत्रों की बात आती है तो चीजें वास्तव में नहीं बदली हैं। यदि यहां कोई महिला परिवार की आजीविका चलाने वाली है तो उसे अन्यथा व्यवहार करने के लिए कहा जाता है, खासकर सार्वजनिक रूप से। उसे अपने पति की 'गरिमा' की रक्षा करने और अपनी शादी की रक्षा करने का नाटक करने की सलाह दी जाती है।

संघर्ष और सृजन के तीर्थ- स्वामी सहजानंद सरस्वती

देवकुमार पुखराज

आज एक ऐसे दंडी संन्यासी की जयंती है, जिसे पूरी दुनिया किसानों के भगवान के रुप में जानती है। हम बात कर रहे हैं स्वामी सहजानंद सरस्वती की। स्वामीजी का जन्म उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले के देवा ग्राम में सन 1889 में महाशिवरात्रि के दिन हुआ था। घर वालों ने नाम रखा था नौरंग राय। पिता बेनी राय सामान्य किसान थे। बचपन में ही मां का छाया सर से उठ गया। लालन-पालन चाची ने किया। आरंभिक शिक्षा जलालाबाद में हुई। मेधावी नौरंग राय ने मिडिल परीक्षा में पूरे यूपी, जो तब युक्तप्रांत कहलाता था, में सातवां स्थान प्राप्त किया। सरकार से छात्रवृति मिली तो आगे की पढ़ाई सुगम हुई। पढ़ाई के दौरान ही मन आध्यात्म की ओर रमने लगा। घर वालों को बच्चे की प्रवृति देख डर हुआ तो जल्दी ही शादी करा दी। लेकिन साल भर के भीतर ही पत्नी भी चल बसी। दूसरी शादी की बात चली तो वे घर से भाग गये और काशी चले गये। ठौर मिला अपारनाथ मठ में।

काशी में संन्यास दीक्षा –

काशी प्रवास ने उनके जीवन की राह बदल दी। शंकराचार्य की परंपरा के एक संन्यासी अच्युतानंद से दीक्षा लेकर वे संन्यासी बन गये। बाद के दो वर्ष उन्होंने तीर्थो के भ्रमण, देवदर्शन और सदगुरु की खोज में बिताये। 1909 में फिर से काशी आए और स्वामी अद्वैतानंद से दीक्षा ग्रहणकर दंड धारण किया। अब उनका नाम हो गया दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती। कहते हैं बहुत समय तक स्वामी जी का ठिकाना रहा शिवाला घाट का राजगुरु मठ, जहां अभी युवा संन्यासी दंडी स्वामी अनंतानंद सरस्वती जी पीठाधीश्वर हैं। वे राजगुरु मठ के गौरवशाली इतिहास को ध्यान में रख इसकी पुरानी गरिमा और वैभव को दोबारा वापस लौटाने में दिन रात लगे हैं।

आजादी का संघर्ष और जेल यात्रा–

स्वामी सहजानंद की आजादी की लड़ाई में कूदने, गांधीजी के अनन्य सहयोगी के तौर पर काम करने, कई बार जेल जाने और गांधीजी से विवाद होने पर अलग होने की भी ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महात्मा गांधी से उनकी पहली मुलाकात 5 दिसम्बर, 1920 को पटना में हुई थी। स्थान था मौलाना मजहरुल हक का आवास, जो अब पटना का सदाकत आश्रम है। साल भर के भीतर ही वे गाजीपुर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बन गये और अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में शामिल हुए।अगले साल उनकी गिरफ्तारी और साल भर की कैद हुई। आजादी के संघर्ष के दौरान उनको गाजीपुर, वाराणसी, आजमगढ़, फैजाबाद, लखनऊ आदि जेल में रहना पड़ा। पहली बार जब जेल से छूटे तो बक्सर के सिमरी और आसपास के गांवों में चरखे से खादी का उत्पादन कराया और आजादी की लौ को गांवों-किसानों तक पहुंचाया। सिमरी में रहते हुए स्वामीजी का सृजन कार्य भी चलता रहा।

असहयोग आंदोलन में भागीदारी –

गांधीजी का असहयोग आंदोलन जब बिहार में जोर पकड़ा तो स्वामीजी उसके केन्द्र में थे। उन्होंने गांव-गांव घूमकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ लोगों को खड़ा किया। ग्रामीण समस्याओं को नजदीक से जाना। लोग यह देख अचरज में पड़ जाते थे कि यह कैसा संन्यासी है, जो मठ में जप, तप, साधना करने की बजाए दलितों-वंचितों की बस्तियों में घूम रहा है, उनके दुख-दर्द को समझने में अपनी ऊर्जा को खपा रहा है। वो भी चिलचिलाती धूम में नंगे पांव। इस कारण उनके पांवों में लंबी दरार जैसी बिवाई फटी और चलना भी असंभव हो गया। स्वामी जी अपने जीवन संघर्ष में लिखते हैं- कभी-कभी उसमें मोम डालकर आग से सेंकता। इससे जरा दर्द कम होने से आराम मिलता, फिर गांव-गांव का प्रवास शुरू कर देते। यह वो समय था जब स्वामीजी भारत को समझ रहे थे। वे बिहटा के पास सीताराम आश्रम से आजादी की लड़ाई और किसान आंदोलन की गतिविधियों को संचालित करते रहे। पास के गांव अमहारा के पास नमक बनाकर सत्याग्रह किया। उनको गिरफ्तार कर पटना के बांकीपुर जेल भेज दिया गया। अंतिम बार वे अप्रैल 1940 में हजारीबाग जेल गये, जहां दो साल तक सश्रम सजा काटने के बाद 8 मार्च, 1942 को रिहा हुए। तब उस जेल में जयप्रकाश नारायण समेत संयुक्त प्रांत के सभी शीर्ष नेता बंद थे।

किसान सभा की नींव –

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस में काम करते हुए उनको एक अजूबा अनुभव हुआ। उन्होंने पाया कि अंग्रेजी शासन की आड़ में जमींदार और उनके कारिंदे गरीब खेतिहर किसानों पर जुल्म ढा रहे हैं। गरीब लोग तो अंग्रेजों से ज्यादा उनकी सत्ता के दलालों से आतंकित है। किसानों की हालत तो गुलामों से भी बदतर है। युवा संन्यासी का मन एक नये संघर्ष की ओर उन्मुख हुआ। उन्होंने किसानों को गोलबंद करना शुरू किया।सोनपुर में बिहार प्रांतीय किसान सभा का उनको अध्यक्ष चुना गया। यह नवंबर, 1928 की बात है। इसी मंच से उन्होंने किसानों की कारुणिक स्थिति को उठाया। उन्होंने कांग्रेस के मंच से जमींदारों के शोषण से मुक्ति दिलाने और जमीन पर रैयतों का मालिकाना हक दिलाने की मुहिम शुरू की। करीब आठ साल बाद अप्रैल 1936 में कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन में उनके ही सभापतित्व में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना हुई।

गांधीजी से मोहभंग –

1934 के जनवरी में बिहार में प्रलयंकारी भूकंप आया। भूकंप का केन्द्र था मुंगेर। उसमें जान-माल की भारी क्षति हुई थी। किसानों की तो कमर टूट गयी थी। स्वामी सहजानंद राहत कार्य में जी- जान से लगे थे। लेकिन इस दौरान उनको जमींदारों द्वारा किसानों पर लगान वसूलने और जुल्म ढाने की खबरें लगातार मिल रही थीं। राजेन्द्र प्रसाद से लेकर तमाम चोटी के नेता भूकंप राहत के काम में लगे थे। किसानों की मदद के सवाल पर जब गांधीजी ने दरभंगा महाराज के पास जाने और उनसे सहायता मांगने की बात कही, तो स्वामीजी आग बबूला हो गये और गांधीजी को खरी-खोटी सुनाते हुए चले गये। जेल में गांधीजी के चेलों की कथनी-करनी में अंतर और खिलाफत आंदोलन के दौरान उनके रुख को स्वामीजी पहले ही देख चुके थे। पटना की घटना के बाद उन्होंने गांधीजी के साथ 14 साल पुराना अपना संबंध तोड़ लिया।

किसान संगठन को बनाया जीवन का ध्येय–

गांधीजी से अलग होने के बाद स्वामी सहजानंद सरस्वती के जीवन का नया अभियान शुरू हुआ। उन्होंने देशभर में घूम-घूमकर किसानों की रैलियां की। स्वामीजी के नेतृत्व में सन् 1936 से लेकर 1939 तक बिहार में कई लड़ाईयां किसानों ने लड़ीं। इस दौरान जमींदारों और सरकार के साथ उनकी छोटी-मोटी सैकड़ों भिड़न्तें भी हुई। उनमें बड़हिया, रेवड़ा और मझियावां के बकाश्त सत्याग्रह ऐतिहासिक हैं। इन आंदोलनों के चलते बिहार के किसान सभा की पूरे देश में प्रसिद्धि हुई।

बाबू बेचाऊ हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पिता जी नौकरी से थक हारकर घर पहुँचे। घर पहुँचते ही भैया ने उनका लंच बॉक्स और बैग थाम लिया। ''पा ! ओ मॉय डियर पा !''— भैया पिता जी को मक्खन लगाने लगे। पिता जी को आश्चर्य हुआ। बोले —''हर समय मोबाइल में घुसे रहने वाला बेटा मुझ पर कैसे मेहरबान हो गया? लगता है बरखूरदार को मुझसे काम पड़ गया है।''''काम? कैसा काम? क्या मैं आपका लंच बॉक्स और बैग भी नहीं थाम सकता?''

''थाम तो सकते हो लेकिन तुम्हें मोबाइल और टीवी से फुर्सत मिले तो न। चौबीस घंटे उसी में घुसे रहते हो। तुम्हें पता भी है, मैं नौकरी कब जाता और आता हूँ?'' पिता जी ने भैया को चिढ़ाते हुए पूछा। ''हाँ, क्यों नहीं। मेरे उठने से पहले आप जाते हैं और रात को कभी भी आ जाते हैं। यह सब छोड़िए न। कभी आपको लगा नहीं कि मेरे बेटे की कुछ जरूरतें होती हैं। उन्हें पूरा भी करना चाहिए?''''अच्छा! इसका मतलब मैं तुम्हारी परवरिश नहीं कर रहा हूँ। तुम पेड़-पौधों की तरह हवा, पानी और सूरज की किरणों से बड़े होते जा रहे हो न?''''फिर नहीं तो और क्या! क्या भिखारियों के बच्चे बड़े नहीं हो रहे हैं? बच्चों का पालन-पोषण तो हर माता-पिता की जिम्मेदारी होती है। है कि नहीं?'' ''जुबान तो तुम्हारी कैंची की तरह चलती है। यही दिमाग कुछ पढ़ाई-लिखाई में लगाया होता तो चार-चार सब्जेक्टों के बैकलॉग लिये घर में बैठे नहीं रहते। यह सब छोड़ो। बताओ क्या काम है?''

''क्या पा! मुझे आपको यह भी बताना पड़ेगा कि मुझे आपसे क्या काम है? एक ही छत के नीचे रहते हैं। कम से कम इतना तो मालूम करना चाहिए कि किसकी क्या जरूरतें हैं? आपसे तो विक्की के डैडी अच्छे हैं, जो उसके बिना पूछे उसकी हर ज़रूरत पूरा कर देते हैं।''

''हाँ बेटा! कहने को तो हम एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन एक ही छत के नीचे चूहों की तरह अपने-अपने बिल बना रखे हैं। ज़रूरत पड़ने पर ही बाहर निकलते हैं। मैंने घर में कमरे इसलिए बनाए कि सभी को अपनी स्वतंत्रता रहे। मुझे क्या पता था कि तुम कमरे को ही अपना एक अलग घर बना लोगे। हमेशा दरवाजा बंद रखते हो। अंदर क्या करते हो किसे पता। जहाँ तक विक्की के डैडी की बात है तो यह मत भूलो कि न तुम विक्की हो और न मैं विक्की का डैडी। इस दुनिया की भलाई मैं को मैं और तुम को तुम बने रहने में है। अब बताओ तुम्हें क्या चाहिए?'' ''आजकल के डैडियों से यही परेशानी है। कुछ माँगने जाओ तो लंबा-चौड़ा भाषण देना शुरु कर देते हैं। मुझे आई फोन का लेटेस्ट मॉडल चाहिए। क्या आप मेरी इत्ती छोटी सी ज़रूरत भी पूरा नहीं कर सकते?''

'अरे! दो महीने पहले ही तो लेटेस्ट मॉडल कहकर डेढ़ लाख का नया आई फोन लिया था। अब फिर से शुरु हो गए।'' ''पा! आप जैसी पुरानी पीढ़ियों से यही परेशानी है।

सवाल गुणवत्ता का !

रजनीश कपूर

पिछले सप्ताह दिल्ली एनसीआर के दो शॉपिंग मॉल की छत गिरने से देश भर में एक ख़ौफ़ का संदेश गया। जिस तरह एक नामी शॉपिंग मॉल की छत ताश के पत्तों की तरह भरभरा कर नीचे आ गिरी इससे इसके निर्माण और गुणवत्ता पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। शहर के नामी बिल्डर द्वारा निर्मित इस करोड़ों रुपये के मॉल में कई महँगे ब्रांड की दुकानें हैं। यह मॉल ग्राहकों और सैलानियों से भरा रहता है। ऐसे में विभिन्न मॉल में जाने वालों को अब वहाँ जाने से पहले यह सोचना पड़ेगा कि क्या बड़े-बड़े मॉल में जाना सुरक्षित है या वे वापिस अपने स्थानीय बाज़ारों में ही ख़रीदारी करने जाएँ? दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज इलाक़े में स्थित एम्बिएंस मॉल की छत रविवार की देर रात अचानक गिरी। ग़नीमत है कि यह हादसा मध्यरात्रि के बाद हुआ जब वहाँ पर लोग नहीं थे। यदि ऐसा हादसा सुबह या दोपहर के समय हुआ होता तो जान- माल का नुक़सान कई गुना होता, क्योंकि वहाँ पर काफ़ी भीड़ रहती है। कहा यह जा रहा है कि मॉल में कुछ मरम्मत कार्य चल रहा था जिसके चलते यह हादसा हुआ। हादसे का असली कारण तो जाँच के बाद ही सामने आएगा, परंतु यहाँ सवाल उठता है कि क्या मरम्मत के समय भी उपयुक्त सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था? क्या वहाँ पर मरम्मत का काम कर रहे कर्मचारियों को उपयुक्त सुरक्षा साधन, जैसे सेफ्टी जैकेट, हेलमेट आदि प्रदान किए गए थे? जब भी कभी किसी शहर में कोई बड़ा शॉपिंग मॉल, ऑफिस काम्प्लेक्स या बड़ा होटल बनता है तो इसे तरक़्क़ी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे वहाँ रहने वाले बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार के अवसर तो मिलते ही हैं इसके साथ ही आस-पास के इलाक़े का भी विकास होता है। उस शहर में रहने वालों ऐसी जगहों पर कभी न कभी जाने का भी मौक़ा मिलता है। ऐसे में यदि इनमें से किसी भी भवन में यदि कोई अप्रिय घटना या हादसा हो जाता है तो उस मॉल या होटल को उस घटना के साथ जोड़ कर कई वर्षों तक देखा जाता है। ऐसे में जिस उद्देश्य के लिए किसी बिल्डर ने इनका निर्माण किया था वो सिद्ध नहीं होता। इससे उस नामी बिल्डर की साख पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। आम जनता यह समझने लग जाती है कि यह बिल्डर समूह सुरक्षा के साथ समझौता करता है और उसके मन में केवल मुनाफ़ा कमाने का ही मक़सद है। परंतु वहीं दूसरी ओर देखें तो यदि किसी बिल्डर ने गुणवत्ता को ध्यान में रख कर ऐसे किसी भवन का निर्माण किया हो तो वहाँ पर आपको ऐसी कोई भी अप्रिय घटना कभी भी देखने को नहीं मिलेगी। ऐसे श्रेष्ठ बिल्डर हमेशा गुणवत्ता को सर्वोपरि रखते हैं मुनाफ़े को नहीं। इसके साथ ही प्रशासन की भी कुछ ज़िम्मेदारियों होनी चाहिएँ। जैसे, निर्माण के समय में ही निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जाँच होती रहनी चाहिए। निर्माण चाहे किसी निजी बिल्डर द्वारा निर्मित किसी मॉल का हो, किसी ऑफिस काम्प्लेक्स का हो या किसी बड़े होटल का हो। सरकारी एजेंसियों

द्वारा नियमित निरीक्षण होते रहने चाहिए। लेकिन अक्सर देखा गया है कि ऐसे निरीक्षण केवल काग़ज़ों पर ही होते हैं। इन निरीक्षणों की पोल तब खुलती है जब कोई बड़ा हादसा होता है। कुछ वर्षों पहले जब 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा में ऐसी ही लापरवाही के चलते आग लगी थी तो उसमें 59 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इस दर्दनाक हादसे के बाद कोर्ट की फटकार लगने पर सरकारों को सार्वजनिक स्थानों पर आगज़नी से बचाव के सभी नियमों को सख़्ती से लागू करने को कहा गया। नतीजा यह हुआ कि सभी बिल्डर काफ़ी चौकन्ना भी हो गये और किसी भी तरह की लापरवाही करने से बचने लगे। देखना यह है कि दिल्ली के एम्बिएंस मॉल के हादसे के बाद क्या प्रशासन कुछ कड़े नियम लागू करेगा? ऐसे बड़े शॉपिंग मॉल्स में जब भी मरम्मत के काम हों पूरी हिफ़ाज़त के साथ ही हों। किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित ज़िला प्रशासन, अग्निशमन, पुलिस आपदा प्रबंधन और एंबुलेंस सेवा को इस कार्य की पहले से ही सूचना दी जाए जिससे की हादसे के समय इनकी गाड़ियाँ बिना विलंब वहाँ सहायता के लिए पहुँच सकें। आजकल के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में ऐसे हर स्थल पर सीसीटीवी केमरे भी चालू रहें जो पूरे समय ऐसे कार्य पर निगरानी रखें। दिल्ली एनसीआर में हुई यह घटनाएँ सीधे-सीधे इन शॉपिंग मॉल्स के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाती हैं। गुणवत्ता में हुई लापरवाही ही इस हादसे का कारण बनी। परंतु यदि बिल्डर द्वारा सही सामग्री का इस्तेमाल किया गया होता या मरम्मत करने वाले ठेकेदार या मज़दूरों द्वारा पूरी सावधानी बरती गई होती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास है इस बार की महाशिवरात्रि

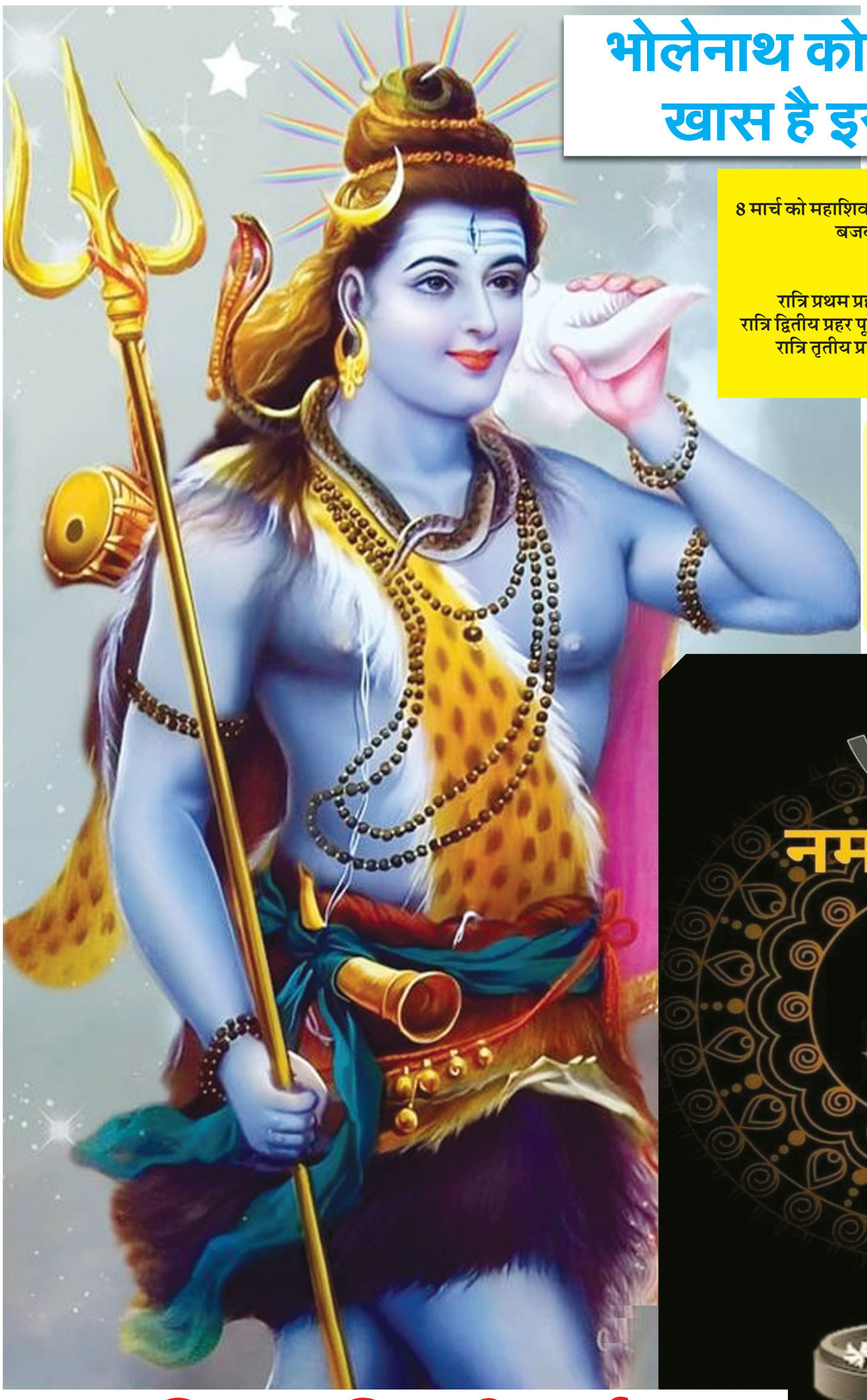

महाशिवरात्रि 2024 पूजा मुहूर्त

8 मार्च को महाशिवरात्रि के दिन शिव जी की पूजा का समय शाम के समय 06 बजकर 25 मिनट से 09 बजकर 28 मिनट तक है। इसके अलावा चार प्रहर का मुहूर्त इस प्रकार है-

महाशिवरात्रि 2024 चार प्रहर मुहूर्त

रात्रि प्रथम प्रहर पूजा समय - शाम 06 बजकर 25 मिनट से रात 09 बजकर 28 मिनट तक
रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा समय - रात 09 बजकर 28 मिनट से 9 मार्च को रात 12 बजकर 31 मिनट तक
रात्रि तृतीय प्रहर पूजा समय - रात 12 बजकर 31 मिनट से प्रातः 03 बजकर 34 मिनट तक
रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा समय - प्रात: 03.34 से प्रात: 06:37

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 8 मार्च को रात्रि 09 बजकर 57 से शुरू होगी। अगले दिन इस तिथि का समापन 09 मार्च को शाम 06 बजकर 17 मिनट पर होगा।

महाशिवरात्रि 4 शुभ योग

महाशिवरात्रि पर पूजा का मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 07 मिनट से 12 बजकर 56 मिनट तक
सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 06 बजकर 38 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट तक
शिव योग - 9 मार्च को सूर्योदय रात्रि 12 बजकर 46 मिनट तक
सिद्ध योग - 9 मार्च को रात्रि 12 बजकर 46 मिनट से 08 बजकर 32 मिनट तक
श्रवण नक्षत्र- सुबह 10 बजकर 41 मिनट तक।

-पंडित महेशचंद्र शर्मा

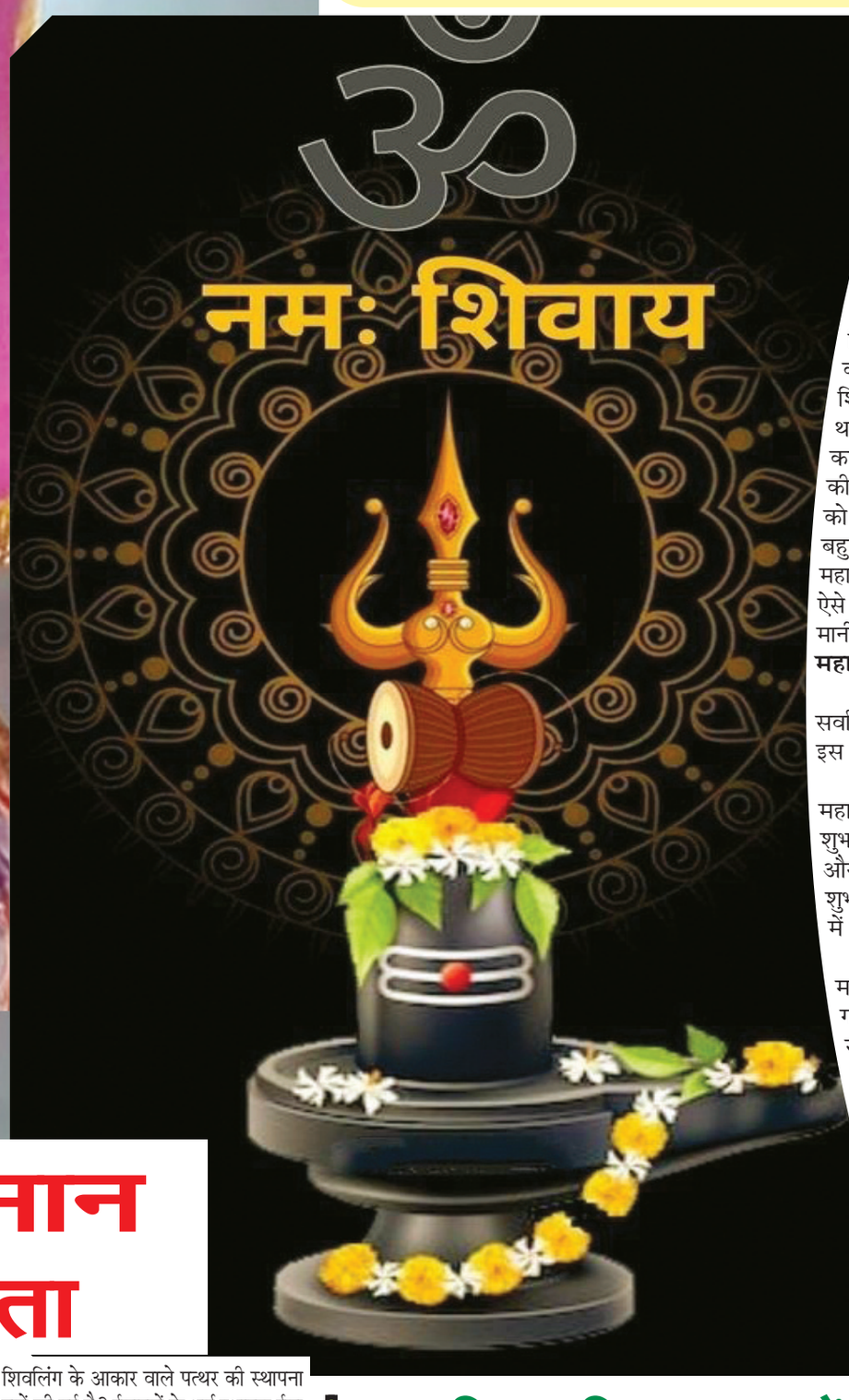

महाशिवरात्रि का पर्व शिव भक्तों के लिए सबसे बड़ा और खास त्योहार माना जाता है। इस दिन शिव जी को प्रसन्न करना सबसे आसान होता है, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ धरती पर मौजूद सभी शिवलिंगों में विराजमान होते हैं। साथ ही कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन शिव जी और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस पवित्र दिन पर भक्त व्रत-उपवास करते हैं और शिव शंभू के साथ देवी पार्वती की पूजा अर्चना करते हैं। इस साल 08 मार्च को महाशिवरात्रि है। इस बार की महाशिवरात्रि बहुत ही खास मानी जा रही है, क्योंकि इस बार महाशिवरात्रि के दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में इस बार शिव जी की पूजा अधिक फलदाई मानी जा रही है।

महाशिवरात्रि पर बन रहे दुर्लभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग

सर्वार्थ सिद्धि योग को बहुत शुभ माना जाता है। इस योग में किए गए सभी कार्य सफल होते हैं।

शिव योग

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव योग बनना शुभ माना जा रहा है। इस योग में ध्यान करना और मंत्र जाप करना अच्छा माना जाता है। इस शुभ समय भोलेनाथ की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

सिद्ध योग

मान्यताओं के अनुसार सिद्ध योग भगवान गणेश से जुड़ा हुआ है। यह योग आपके सभी कार्यों में सफलता प्रदान करता है।

श्रवण नक्षत्र

श्रवण नक्षत्र के स्वामी शनि देव को माना जाता है। साथ ही यह नक्षत्र अपनी शुभता के लिए जाना जाता है। श्रवण नक्षत्र में किए गए कार्य का फल शुभ ही होता है। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातक धनवान, प्रसिद्ध और सुखी होते हैं।

महाशिवरात्रि की वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिकता

शिव के साथ जुडी हुई ' रात्रि ' आध्यात्मिक रहस्य की ओर संकेत है। हमारे यहां बच्चे का जन्म अगर रात को होता है तब भी हम उसका जन्मदिन मनाते हैं। यदि किसी भी महापुरुष का जन्म होता है तो कहते हैं आज उनका जयन्ती है या किसी देवी-देवताओं का जन्मोत्सव मनाते हैं तो कहते हैं कि अष्टमी, नवमी है।

परन्तु शिव के साथ ही रात्रि का त्योहार उस समय से मनाया जाता है जब यह सृष्टि विकारों के वशीभूत होकर अज्ञान-अंधकार में होती है और मनुष्य पतित एवं दुःखी हुए अज्ञान निद्रा में होते हैं तब पतित पावन परमपिता शिव इस सृष्टि में जन्म लेते हैं। इस प्रकार अवतरित होकर ज्ञान सूर्य परमात्मा शिव ज्ञान प्रकाश देते हैं। जो कुछ ही समय में ज्ञान का प्रभाव सारे विश्व में फैल जाता है। कलियुग और तमोगुण के स्थान पर सतोगुण की स्थापना हो जाती है और अज्ञान-अंधकार तथा विकारों का समूल विनाश हो जाता है।

शिव का अर्थ है 'कल्याणकारी '। परमात्मा का यह नाम इसलिए है कि वह धर्मग्लानि के समय, जब सभी मनुष्यात्माएं माया अर्थात काम,क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार नामक पांच विकार के कारण दुःखी,अशांत, पतित व भ्रष्टाचारी बन जाती है तब उनको पुनः पावन तथा संपूर्ण बनाने का कल्याणकारी कर्तव्य करते हैं। शिव ब्रह्मलोक में निवास करते हैं और वे कर्मभ्रष्ट तथा धर्मभ्रष्ट संसार का उद्धार करने ब्रह्मलोक से नीचे उतरकर एक मनुष्य के शरीर का आधार लेते हैं। परमात्मा शिव के इस अवतरण अथवा दिव्य अलौकिक जन्म की स्मृति में ही 'शिवरात्रि 'का त्योहार मनाया जाता है। परमात्मा शिव किसी माता के गर्भ से जन्म नहीं लेते क्योंकि वे तो स्वयं ही सबके माता-पिता हैं, मनुष्य मनुष्य सृष्टि के चैतन्य बीज रूप हैं और जन्म-मरण तथा कर्म –बंधन रहित हैं। वे एक साधारण मनुष्य के वृद्धावस्था वाले तन में प्रवेश करते हैं। इसे ही परमात्मा शिव का ' दिव्य जन्म 'अथवा 'अवतरण ' कहा जाता है क्योंकि वे जिस तन में प्रवेश करते हैं वह एक जन्म-मरण तथा कर्म-बन्धन के चक्कर में आने वाली मनुष्यात्मा ही का शरीर होता है।

प्रायः सभी धर्मों के लोग कहते हैं कि परमात्मा एक है और सभी का पिता है तथा सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। परन्तु प्रश्न उठता है कि वह एक पारलौकिक परमपिता कौन है जिसे सभी मानते हैं? आप देखेंगे कि भले ही हरेक धर्म के संस्थापक अलग-अलग हैं परन्तु हरेक धर्म के अनुयायी निराकार, ज्योतिस्वरूप परमेश्वर शिव की प्रतिमा(शिवलिन्ग) को किसी न किसी रूप में मान्यता देते हैं। भारत में परमपिता परमात्मा शिव के ज्योतिस्वरूप शिवलिंग की व्यापक स्तर पर मान्यता तो देते ही हैं परन्तु भारत से बाहर भी दूसरे धर्मों के लोग भी इसको मान्यता देते हैं। मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का मे भी इसी आकार का पत्थर है जिसे वे बडे प्यार व सन्मान से चूमते हैं। उसे वे 'संगे-अवसद् कहते हैं। परन्तु वे भी इस रहस्य को नहीं जानते हैं कि उनके धर्म में मूर्ति पूजा की मान्यता न होते हुए भी शिवलिंग के आकार वाले पत्थर की स्थापना क्यों की गई है? ईसाइयों के धर्म स्थापक ईसा मसीह तथा सिक्खों के धर्म स्थापक गुरुनानक जी ने भी परमात्मा को एक निराकार ज्योतिस्वरूप ही माना है। जापान में बोद्ध धर्म के अनुयायी भी इसी आकार की एक प्रतिमा अपने सामने रखकर उसपर अपना ध्यान एकाग्र करते हैं।

यह शिवरात्रि का पर्व सभी मनुष्यात्माओं को सम्मिलित पर्व के रूप में मनाना चाहिए क्योंकि परमात्मा शिव हम सब आत्माओं के पिता हैं। वह जो है, जैसा है, उसे वैसा ही जानकर उनकी याद में रहकर अपने मूल आत्मा स्वरूप को पहचानना और मूल गुण को धारण करना चाहिए। यही इस महापर्व का संदेश सारे मानव समाज के लिए है जिसे आज की प्रभावी रीति से स्वीकार करना व व्यवहार में लाना हमारे अपने हित में है। अतः इस शिवरात्रि पर्व पर हम सभी यह दृढ संकल्प लें कि हम देहाभिमान त्यागकर, आत्म-स्थिति में स्थित होकर व आत्मा के मूल गुणों को धारण कर जीवन के व्यवहार में लायेंगे।

महाशिवरात्रि पर कर लें धतूरे के ये उपाय

व्यापार में तरक्की के लिए धतूरे का उपाय

कारोबार में काफी समय से मंदी चल रही है तो इस बार शिवरात्रि पर धतूरा का यह उपाय आजमाकर देखें। एक धतूरे को सफेद चंदन में डुबोकर शिवलिंग पर चढ़ाएं और उसे कुछ घंटे के लिए ऐसे ही चढ़ा रहने दें। उसके बाद इस धतूरे को उठा लें और इसे लाल कपड़े में लपेटकर अपनी दुकान, शोरूम या फिर ऑफिस में धन के स्थान में रख दें। ऐसा करने से आपका व्यापार आगे बढ़ता चला जाएगा।

धन में वृद्धि के लिए धतूरे का उपाय

महाशिवरात्रि पर पूजा करते समय ऊं नमः शिवाय का मंत्र पढ़ते हुए 5 धतूरे हल्दी के जल में डुबोकर शिवलिंग पर अर्पित करें। इस उपाय को करते वक्त मन ही मन भगवान शिव का स्मरण करें और अपनी आंखें बंद रखें। पांचों धतूरे अर्पित करने के बाद दोनों हाथों को जोड़कर अपनी आंखें खोलकर शिवलिंग को स्पर्श करके भगवान से सुख समृद्धि की कामना करें।

रोग से मुक्ति के लिए धतूरे का उपाय

रोग से मुक्ति के लिए महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव को एक धतूरा अर्पित करें और 11 बार महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें। उसके बाद इस धतूरे को अपने पास रख लें। या फिर परिवार के उस सदस्य के पास रख दें जो काफी समय से बीमार चल रहा हो या फिर बार-बार बीमार पड़ जाता हो। यह उपाय बहुत ही कारगर माना जाता है।

रात में लगता है डर तो करें धतूरे का यह उपाय

यदि आपको किसी प्रकार का अनजाना भय सताता है या फिर डर के मारे रात में नींद नहीं आती है तो महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर काले धतूरे की जड़ को शिवलिंग पर चढ़ाकर अपने तकिए के नीचे रख लें।

रोजाना सोने से पहले एक बार इस जड़ को स्पर्श करने के बाद ही सोएं। ऐसा करने से आपको रात में डर नहीं लगेगा और शिव कृपा आप पर बनी रहेगी।

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र पोती की शादी में हुए घायल, पैर और पीठ में आई चोट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र घायल हो गए हैं। बुधवार शाम को धर्मेंद्र के घायल होने की खबरें आईं और अब देओल परिवार के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि 88 साल के धर्मेंद्र कुछ दिन पहले राजस्थान के उदयपुर में एक पारिवारिक समारोह में घायल हो गए थे और अब रिकवर हो रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि धर्मेंद्र जल्द ही काम पर वापस लौट आएंगे।

सूत्र ने कहा, 'कुछ दिन पहले धर्मेंद्र सर के पैर में चोट लग गई थी। चिंता की कोई बात नहीं है, अब उनमें सुधार हो रहा है। उम्र की वजह से रिकवरी स्लो है लेकिन अब वह ठीक हैं। धर्मेंद्र उदयपुर में एक पारिवारिक समारोह में थे जहां उन्हें चोट लग गई। वह आराम कर रहे हैं और जल्द ही काम पर भी लौटेंगे। उनके सभी फैंस से अनुरोध है कि वे उनके लिए प्रार्थना करें।"

धर्मेंद्र अपनी पोती की शादी में अपने बेटों, अभिनेता सनी देओल और बॉबी देओल के साथ शामिल होने के लिए उदयपुर में थे। कथित तौर पर डांस करते समय धर्मेंद्र की पीठ और पैर में चोट लग गई। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने फैन्स से खुलकर बातचीत करते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी चोट के बारे में कुछ भी शेयर नहीं किया। हालाँकि, धर्मेंद्र ने शादी से जो वीडियो साझा किया, उनमें से एक में उन्हें ड्रिंक पीते और खुशी से पैर हिलाते हुए देखा गया। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया था, "मेरी प्यारी पोती की शादी के प्यार भरे मौके पर?।"

वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी (2023) और शाहिद कपूर और कृति सेनन की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) और वेब-सीरीज़ ताजः डिवाइडेड बाई ब्लड (2023) में देखा गया था। वह जल्द ही इक्कीस और जट परदेसी में नजर आएंगे।

80 से 90 के दशक की सक्सेसफुल एक्ट्रेस रहीं जया प्रदा का कॉन्ट्रोवर्सी से रहा पुराना नाता!

80 से 90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस रहीं जया प्रदा पिछले कुछ दिनों से अपने पुराने मामले को लेकर चर्चा में हैं। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान जया प्रदा पर अचार संहिता उलंघन के दो मामले दर्ज कराए गए थे। उनके दोनों मामले रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे थे। इस केस में सुनवाई के लिए कोर्ट की ओर से एक्ट्रेस को बार-बार बुलाया गया था। लेकिन, वो हाजिर नहीं हुईं तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया था। करीब 7 बार वारंट जारी होने के बाद भी पेश नहीं हुईं तो उन्हें अदालत की ओर से फरार घोषित कर दिया गया। ऐसे में अब वो खुद ही कोर्ट में पेश हुई हैं। लेकिन, क्या आपको पता है एक्ट्रेस का विवादों से पुराना नाता रहा है। चलिए बताते हैं इन विवादों के बारे में

जया प्रदा का असली नाम 'ललिता रानी' था। फिल्मों में आने के बाद एक्ट्रेस ने अपना नाम बदल लिया था और वो ललिता रानी से जया प्रदा बन गईं। उन्होंने तेलुगु समेत 5 अलग-अलग भाषाओं में 150 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन दिनों वो थोड़े समय में ही इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली अभिनेत्री बन गई थीं। इसी दौरान वो इनकम टैक्स विभाग की रडार पर भी आ गई थीं। ये उनकी जिंदगी में किसी बड़े तूफान से कम नहीं था। इस मुश्किल घड़ी में उनकी प्रोड्यूसर श्रीकांत नाहटा ने उनकी सबसे ज्यादा मदद की थी।

जब 3 बच्चों के पिता पर आया एक्ट्रेस का दिल

इनकम टैक्स विवाद में श्रीकांत नाहटा ने उनकी सबसे ज्यादा मदद की थी। उन्होंने एक्ट्रेस को इमोशनली काफी सपोर्ट किया था। इस दौरान धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। श्रीकांत पर जया प्रदा दिल हार चुकी थीं। जब दोनों ने शादी का फैसला किया तो काफी बवाल मचा था। क्योंकि प्रोड्यूसर पहले से ही शादीशुदा और 3 बच्चों के पिता थे। 1986 में दोनों ने शादी की थी। बताया जाता है कि श्रीकांत ने जया से शादी कर तो ली थी मगर पहली पत्नी को तलाक नहीं दिया था। इसकी वजह से एक्ट्रेस को 'दूसरी महिला' का टैग मिल गया था।

नहीं मिला खुद की संतान का सुख

इतना ही नहीं जया प्रदा ने भले ही श्रीकांत से शादी की थी। मगर, वो सारी जिंदगी अकेली रही हैं। उन्हें अपने बच्चे का सुख नहीं मिला है। ऐसे में जया प्रदा ने बच्चे की कमी को दूर करने के लिए बहन के बेटे सिद्धार्थ को गोद ले लिया था।

वहीं, अगर एक्ट्रेस के राजनीतिक करियर की बात की जाए तो फिल्मों से दूरियां बनाने के बाद जया प्रदा ने राजनीति में कदम रखा था। उन्होंने साल 1994 में 'तेलुगू देशम पार्टी' ज्वॉइन की थी। साल 1996 में वो राज्यसभा सांसद बनी थीं। इसके बाद जब उन्हें फिर से राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया गया तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए पार्टी छोड़ दी थी।

इसके बाद 2004 में एक्ट्रेस ने समाजवादी पार्टी ज्वॉइन की। फिर 2004 से 2014 तक रामपुर की सांसद बनी रहीं। इसके बाद उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया और 2019 में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं लेकिन इस बार हार मिली।

'मेरी बीवी अब बोर हो चुकी है': इमरान हाशमी

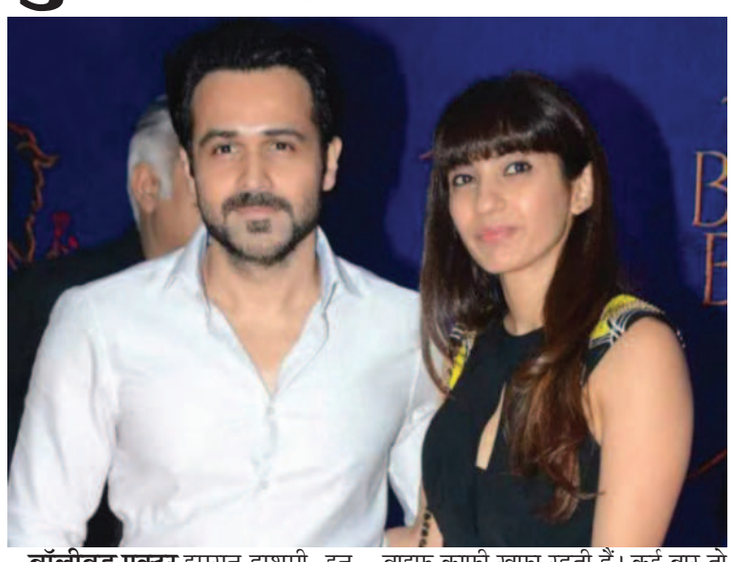

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'शो टाइम' को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए एक्टर पहली बार टीवी की 'नागिन' और एक्ट्रेस मौनी रॉय के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। इसका प्रोमो और ट्रेलर भी सामने आ चुका है। इसी बीच एक्टर का एक इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें इमरान हाशमी ने खुलासा किया कि उनकी वाइफ उन्हें पिछले कुछ समय से धमकी दे रही हैं कि वो छोड़कर चली जाएंगी। चलिए बताते हैं उन्हें क्या कुछ कहा है

दरअसल, इमरान हाशमी ने हाल ही में यूट्यूबर जेनीस सीकेरा से खास बातचीत की है। उन्होंने इस दौरान पर्सनल लाइफ को लेकर बात की और वाइफ परवीन साहनी को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने इंटरव्यू में बताया कि उनकी प्रोफेशनल लाइफ की वजह से उन्हें हमेशा अपने आप को फिट रखना होता है। इसक चलते वो हर रोज अपनी सेम डाइट को फॉलो करते हैं। ऐसे में एक्टर बताते हैं कि उनके बोरिंग रिपीटेड खाने से उनकी पत्नी अब बोर हो चुकी हैं। इसकी वजह से वो पिछले कई सालों से उन्हें छोड़कर चले जाने की धमकी दे रही हैं।

इमरान आगे इंटरव्यू में बताते हैं कि उनकी इस बोरिंग डाइट प्लान से उनकी वाइफ काफी खफा रहती हैं। कई बार तो वो मजाक-मजाक में उन्हें छोड़ने की धमकी भी दे देती हैं। इमरान हाशमी कहते हैं कि अभी तक उनकी पत्नी ने ऐसा कुछ किया नहीं है। बस वो हर बार कहती हैं। एक्टर बताते हैं कि उनकी फैमिली उनकी डाइट वाला खाना नहीं पसंद करती है। इसकी वजह से उनकी पत्नी मजाक-मजाक में ऐसी धमकी दे देती हैं। इतना ही नहीं, इंटरव्यू में इमरान हाशमी ने अपने डाइट प्लान को लेकर भी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वो पिछले 13 सालों से क्विनोआ खाते थे। अब इसे उन्होंने रिप्लेस कर दिया है। अब वो हर दिन दो स्पेशल मील लेते हैं और हर साल एक ही डाइट प्लान फॉलो करते हैं। 'शो टाइम' एक्टर बताते हैं कि वो रोज बॉइल्ड चिकन कीमा खाते हैं। इसके बाद सलाद और शकरकंद लेते हैं। उनका मानना है कि इससे मील आसानी से पच जाता है।

बहरहाल, अगर इमरान हाशमी के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो जल्द ही वेब सीरीज 'शो टाइम' में नजर आने वाले हैं। इसे जल्द ही रिलीज किया जाना है। फिल्म में उनके अलावा राजीव खंडेलवाल, मौनी रॉय, नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इससे पहले एक्टर को आखिरी बार फिल्म 'टाइगर 3' में देखा गया था। इसमें वो नेगेटिव भूमिका में नजर आए थे।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ तिरुमाला पहुंचीं जान्हवी कपूर : बर्थडे पर किए दर्शन

जान्हवी कपूर ने कल यानी 6 मार्च को अपना 27वां जन्मदिन मनाया। जान्हवी हर साल जन्मदिन पर तिरुपति मंदिर के दर्शन करने जाती हैं। इस बार भी वो अपने जन्मदिन पर भगवान का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। जान्हवी के साथ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी तिरुमाला गए थे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं जान्हवी के बेस्टफ्रेंड ओरी (ओरहान अवत्रामणि) भी उनके साथ दर्शन करने गए थे।

जान्हवी साउथ इंडियन लुक में मंदिर के बाहर नजर आईं। उन्होंने लाल साड़ी पहनी थी। इस साड़ी लुक को जान्हवी ने गोल्डन झुमकी और नेकपीस से कंप्लीट किया था। अपने बर्थडे पर लगभग हर बार ही जान्हवी कपूर तिरुमाला तिरुपति दर्शन करने पहुंचती हैं। जान्हवी ने अपने एक इंटरव्यू में बताया भी था कि वो वहां क्यों जाया करती हैं। जान्हवी के लिए ये मंदिर बहुत खास है।

दरअसल, श्रीदेवी भी अक्सर इस मंदिर में दर्शन के लिए जाती थीं और बताया जाता है कि जान्हवी भी अपनी मां की इस ट्रेडिशन को बनाए रखना चाहती हैं। भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक ये मंदिर सबसे ज्यादा विजिट किए जाने वाले धर्मस्थलों में से एक माना जाता है। जान्हवी कपूर बहन खुशी और पिता बोनी कपूर के अलावा रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में पहुंची थीं। वहीं कल एक बार फिर उन्हें जामनगर के लिए इनवाइट किया गया। दरअसल, मुकेश अंबानी ने एक खास इवेंट उन वर्कर्स के लिए रखा था जिन्होंने प्री-वेडिंग इवेंट को ऑर्गनाइज किया था। उस टीम के मेंबर्स और उनके फैमिली मेंबर्स को पार्टी दी थी। इसी के चलते जान्हवी कपूर समेत कई सेलेब्स दोबारा जामनगर पहुंचे थे। जान्हवी कपूर जल्द ही फिल्म 'उलझ' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वो IFS ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म 'देवरा' से अपना साउथ डेब्यू भी करती नजर आएंगी। जान्हवी, राजकुमार राव के साथ फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में भी दिखेंगी।

सुपरहिट पापा की बेटी ने ब्लॉकबस्टर फिल्म से मारी एंट्री, फिर हो गईं फ्लॉप

बॉलीवुड के कई स्टार्सकिड्स एक नहीं अनेक हैं. कई स्टार्स ने खुद को साबित किया और कुछ गायब हो गए. ये सिलसिला सालों से चल रहा है. राज कपूर से लेकर अमिताभ बच्चन और श्रीदेवी से शाहरुख खान तक कई नाम शामिल हैं. इसमें से कई स्टार अपनी पहली फिल्म से चमक गए और फिर गुमनाम हो गए. इस लिस्ट में सुपरस्टार शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा का नाम है. सलमान खान की हीरोइन बन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन फिर अपने दम पर कुछ कमाल नहीं कर सकीं.

शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने करियर में एक से एक बेहतरीन फिल्मों में काम किया. कभी विलेन बन उन्होंने बॉलीवुड स्टार्स से पंगा लिया तो फिर कभी उन्होंने हीरो बनकर दिग्गज सितारों के पसीने छुड़ा दिए. शत्रुघ्न की बेटी ने सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2010 में बॉलीवुड में चुलबुल पांडे के साथ एंट्री ली, फिल्म ब्लॉकबस्टर साहित हुई. लेकिन फिर कुछ कमाल एक्ट्रेस नहीं कर सकी. ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद फ्लॉप होने के बाद एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कह दिया, जो चौंकाने वाला है.

सोनाक्षी सिन्हा हीरामंडीः द डायमंड बाजार' को लेकर सुर्खियों में हैं. संजय लीला भंसाली की इस वेब सीरीज में सोनाक्षी नजर आने वाली हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मी जर्नी को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी होने के बावजूद उन्होंने कभी फिल्मी सेट को नहीं देखा था. उन्होंने कहा कि जीरो से उन्होंने अपनी इस जर्नी को शुरू किया.

फिक्की फ्रेम्स के 24वें संस्करण में सोनाक्षी ने कहा कि मुझे कुछ विरासत में हासिल नहीं हुआ हैं. उन्होंने कहा, 'मैंने अनुभव से सीखा है. मैंने बिल्कुल जीरो से शुरुआत की. मुझे फिल्म सेट पर रहने का कोई अनुभव नहीं था. जब मैं छोटी थी तो मैं अपने पापा के सेट पर नहीं जाती थी. मैंने कोई एक्टिंग, डांस या किसी और चीज के लिए कोई ट्रेनिंग नहीं. मुझे इसके लिए तैयार नहीं किया गया था. मुझे तो एक गहरे तालाब में फेंक दिया गया और कहा गया था कि ठीक है अब तैरना सीखो और इस तरह मैंने सीखा.'

सोनाक्षी ने आगे कहा कि वह अपने हर एक्सपीरियंस को संजोकर रखती हैं. उन्होंने कहा कि जिस भी व्यक्ति के साथ उन्होंने काम किया, उन्होंने उनके विकास में योगदान दिया, जिससे वह उस मुकाम पर पहुंचीं.

उन्होंने कहा कि संजय लीला भंसाली जैसे सिनेमा के दिग्गज ने हीरामंडी में 'फरीदा' जैसी जटिल भूमिका की पेशकश की और ये विश्वास दिखाया कि मैं कर सकती हूं. सोनाक्षी ने बताया कि जब उन्होंने इस रोल के लिए मेरे से बात की तो मैंने उनसे कहा, 'मुझे इस तरह भूमिका के लिए चुनने के लिए तहदिल से धन्यवाद.'

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मैं पिछले 14 सालों से काम कर रही हूं और मैंने हर तरह की भूमिकाएं निभाई हैं. मैंने वास्तव में कॉमर्सशियल मसाला फिल्मों से शुरुआत की. जहां सिर्फ और सिर्फ हीरो और हीरो की बात होती है. उन्होंने कहा कि मैं कोई शिकायत नहीं कर रही हूं, लेकिन ऐसी फिल्मों से मुझे आत्मविश्वास मिला. जब मैं अपने दम पर फिल्में बनाने में सक्षम हो गई, तब मैंने वास्तव में मजबूत महिला किरदार निभाना शुरू किया, जो दूसरों से अलग थे. आपको बता दें कि सोनाक्षी ने 2010 में सलमान खान के साथ 'दबंग' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की. उन्होंने 'अकीरा' और 'नूर' जैसी अन्य फिल्मों में भी काम किया.

22 फरवरी को रिलीज हुई साउथ मूवी 'मंजुम्मेल बॉयज' को देख बोले अनुराग कश्यप, पीछे रह गया हिंदी सिनेमा

अनुराग कश्यप भारतीय सिनेमा के जाने- माने निर्देशक हैं और उन्होंने दर्जनों फिल्मों का निर्माण किया है लेकिन अब वे भी साउथ सिनेमा के मुरीद हो गए हैं. उन्होंने हाल ही में साउथ की एक फिल्म को देखने के बाद दक्षिण सिनेमा को गहराई से समझा और वहां के मेकर्स की दिल खोलकर तारीफ की है. अनुराग कश्यप साउथ सिनेमा को तब सराहा, जब उन्होंने वहां की एक फिल्म देखी जिससे वे काफी प्रभावित हुए. बॉलीवुड निर्देशक ने पिछले माह रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'मंजुम्मेल बॉयज' की समीक्षा की है जो उन्हें काफी पसंद आई.

सर्वाइवल थ्रिलर 'मंजुम्मेल बॉयज' शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है और इसे आलोचकों और दर्शकों ने समान रूप से सराहा है. अनुराग के पास भी चिदंबरन-निर्देशन की प्रशंसा के अलावा कुछ नहीं था. अनुराग कश्यप ने लेटरबॉक्स पर 'मंजुम्मेल बॉयज' का रिव्यू किया और इसे 'असाधारण कृति' बताया. उन्होंने फिल्म निर्माण की प्रशंसा की और कहा कि यह 'भारत में सभी बड़े बजट की फिल्म निर्माण से कहीं बेहतर है.' अनुराग कश्यप ने आगे कहा, 'इतना आत्मविश्वास, ऐसी असंभव कहानी . इसे लेकर मैं सोच रहा था कि कोई इस विचार को एक निर्माता को कैसे बेच सकता है. हिंदी में वे केवल ऐसे विचारों के रीमेक ही बना सकते हैं. हिंदी सिनेमा वास्तव में अब तक लगातार तीन मलयालम शानदार फिल्मों से पीछे रह गया है.'

बॉक्स ऑफिस पर 'मंजुम्मेल बॉयज' ने लगाई सेंचुरी

इस बीच, निर्माताओं ने हाल ही में घोषणा की कि 'मंजुम्मेल बॉयज' सबसे जल्दी 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है. 'मंजुम्मेल बॉयज' को लेकर किए एक रिव्यू सेक्शन में लिखा, 'साल 2006 में घटित एक वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित, यह फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में एक रियल लाइफ स्टोरी है जो कभी न खत्म होने वाली गुना गुफाओं में फंस गया है. यह एक फिल्म नहीं है यह हैवी म्यूजिक और मेलोड्रामा पर निर्भर करता है. इसके बजाय, यह रियलिज्म यानी यथार्थवाद से जुड़ी है और मानवीय भावनाओं पर बहुत अधिक निर्भर करता है.'

असली कहानी पर आधारित है 'मंजुम्मेल बॉयज'

'मंजुम्मेल बॉयज' में सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, बालू वर्गीस, गणपति और जीन पॉल लाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. 2006 में कोडाइकनाल में घटी एक सच्ची कहानी पर आधारित, यह 22 फरवरी को रिलीज हुई थी. इसे हर तरफ से सराहना मिल रही है और फिल्म फिलहाल सिनेमाघरों में चल रही है. इसे महज 20 करोड़ रुपए में बनाया गया था और इसने अब तक 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है।

5 साल बाद टीवी पर दीपिका सिंह की वापसी : कमबैक को लेकर उत्साहित

एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने हाल ही में सीरियल 'मंगल लक्ष्मी' से टेलीविजन पर अपना कमबैक किया। शो में दीपिका एक मजबूत लेकिन रिजर्व्ड होममेकर के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री की मानें तो ये किरदार उनके द्वारा निभाए गए अब तक के किरदारों से काफी अलग है।

ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है

दीपिका कहती हैं, 'मैं चैनल को धन्यवाद करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझ पर इस शो के लिए विश्वास किया। मैंने अब तक जो भी काम किया, उससे ये बहुत ही अलग है। अब तक मैंने स्क्रीन पर एक स्ट्रॉन्ग वीमेन के रोल निभाए हैं। इस शो में भी मेरा किरदार अपने तरीके से स्ट्रॉन्ग है। वह अपनी फैमिली की बैकबोन है। लेकिन, वह कभी अपने किए काम के क्रेडिट की डिमांड नहीं करती।

मेरा ये किरदार पूरी तरह से सेल्फलेस है। वैसे, इस किरदार के लिए मैंने अपने ऊपर भी काम किया है। रियल लाइफ में मैं सेल्फलेस बनने की राह पर हूं। मुझे लगता है कि ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है।'

एक्टर के अलावा मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं

5 साल बाद टीवी पर वापसी के सवाल पर, अभिनेत्री ने कहा कि इस दौरान वे अपने डांस के पैशन को एक्स्प्लोर कर रही थीं। उन्होंने कहा, 'दरअसल, एक्टर के अलावा मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं। इस ब्रेक के दौरान, मैंने अपनी क्लासिकल डांस की पढ़ाई पूरी की। मैंने क्लासिकल डांस की विद्या ली। इसकी भी बोर्ड एग्जाम की तरह परीक्षा होती है।

एग्जामिनेशन सेंटर में बैठकर पेपर लिखना, प्रैक्टिकल एग्जाम देना, वाइवा अटेंड करना होता है। मैंने अपना वो कोर्स खत्म किया और फिर इस शो के लिए हामी भरी।'

बता दें, साल 2022 में दीपिका ने फिल्म 'टीटू अंबानी' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। दोनों प्लेटफार्म पर काम करने के अनुभव को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने आगे कहा, 'हर प्लेटफार्म का काम करने का तरीका अलग हो सकता है। मैंने टीवी के अलावा, फिल्म में भी काम किया है। टीवी में आपको अपना हर सीन रिपीट करना पड़ता है। एक शॉट के लिए अपनी लाइन रिपीट करनी होती है। जो पहले शॉट में नेचुरल शॉट लगता है वो धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। एक अनुभवी एक्ट्रेस होने के नाते, मेरी कोशिश यही रहती है कि मैं अपना बेस्ट दूं।'

फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म में आपको कम दिन के लिए शूटिंग करनी होती है। लेकिन, उसकी तैयारी कई महीने पहले से शुरू हो जाती है। बैकएंड पर बहुत काम होता है। कई बार तो ६-७ महीने वर्कशॉप, रीडिंग में लग जाते हैं। फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया।

फाइनली 'मंगल लक्ष्मी' जैसा शो आया। सोचा ये तो जरूर करना चाहिए क्योंकि ये बहुत सुंदर स्टोरी है। मेरी ऑडियंस मुझे इसमें बहुत पसंद करेगी।' बता दें, दीपिका टीवी शो 'दीया और बाती हम' में आईपीएस अफसर संध्या के रोल से मशहूर हुई थीं। वो साल 2019 में सीरियल 'कवच' में नजर आई थीं।

काजल अग्रवाल के साथ बदतमीजी पर उतरा शख्स, फोटो खिंचवाने के बहाने पकड़ी कमर तो एक्ट्रेस ने झटक दिया हाथ

साउथ एक्ट्रेस काजल अग्रवाल हाल ही में एक इवेंट में पहुंचीं, जहां उनके साथ कुछ ऐसा हुआ जिससे वो बहुत परेशान हो गईं। काजल के साथ एक आदमी ने फोटो खिंचवाने के बहाने उन्हें छूने की कोशिश की। वो पास जाकर उनकी कमर पर हाथ रखने लगा। फिर एक्ट्रेस ने उसे झटक दिया।

एक्टर्स अक्सर अपनी फिल्मों के अलावा भी कई तरह की चीजें करते हैं, खासकर वो अक्सर इवेंट्स में जाते रहते हैं। एक्टिंग के अलावा भी प्रमोशन और इनॉग्रेशन के लिए स्टार्स को यहां-वहां जाना पड़ता है। एक ऐसे ही इवेंट में पहुंची थीं साउथ एक्ट्रेस काजल अग्रवाल लेकिन उनके साथ वहां कुछ ऐसा हुआ, जिसकी वजह से वो परेशान हो गईं। काजल अग्रवाल हाल ही में अपने पापा विनय के साथ हैदराबाद में एक स्टोर के लॉन्च में पहुंचीं। अगर ट्विटर पर चल रहे वीडियो को देखा जाए तो वो वहां अनकंफर्टेबल हो गईं। सेल्फी लेने के दौरान जब एक आदमी ने उन्हें गलत तरीके से छुआ तो काजल परेशान दिखीं।

हाल ही में हैदराबाद में एक स्टोर के लॉन्च में गई थीं। स्टोर

के लॉन्च के दौरान, उनके पास सेल्फी लेने एक आदमी आया। हालांकि, ट्विटर पर फैंस के शेयर किए गए वीडियो में, वह उन्हें छूते हुए फोटो क्लिक करने जा रहा है और उसे उनकी कमर पकड़ते हुए देखा जा सकता है। काजल काफी डरी हुई दिख रही थीं और उस आदमी को अपने से दूर जाने का इशारा कर रही थीं। घटना का वीडियो ट्विटर पर शेयर किया गया है, जिसमें फैंस उस आदमी के व्यवहार की आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, काजल ने इवेंट में बाधा नहीं आने दी और उसके बाद लोगों के सवालों का जवाब दिया।

सारा अली खान के साथ भी हुआ ऐसा

दुर्भाग्य से, काजल पहली ऐसी एक्ट्रेस नहीं हैं जिनके साथ ऐसा हुआ है। सारा अली खान, अपर्णा बालमुरली, अहाना कुमरा ऐसे कुछ कलाकार हैं, जिन्हें पिछले साल इवेंट्स में अनुचित तरीके से छुआ गया था। काजल ने 2022 में अपने पति गौतम के साथ एक बच्चे नील का स्वागत करने के बाद सिनेमा से ब्रेक ले लिया। वह काम पर वापस आ गई हैं और जल्द ही तेलुगू फिल्म 'सत्यभामा' और तमिल फिल्म 'इंडियन 2' में दिखाई देंगी।

काजल अग्रवाल की आने वाली फिल्में

इवेंट में एनटीवी से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से सिनेमा की बहुत बड़ी फैन रही हूं जहां मुझे पावरफुल किरदार निभाने को मिलते हैं। मेरी दो बड़ी रिलीज़ आ रही हैं। सत्यभामा, साथ ही इंडियन 2। दोनों में मेरा रोल काफी अच्छा है और मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मैं हमेशा से मजबूत सिनेमा में आगे बढ़ना चाहती थी। मैं अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही हूं। मैं अब खुश हूं।'

बड़े पर्दे पर नजर आएगी धनुष-रश्मिका की जोड़ी

साउथ सुपरस्टार धनुष और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों सितारे टॉलीवुड निर्देशक शेखर कम्मुला की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। फिलहाल फिल्म का अस्थायी नाम डीएनएस (डी 51) रखा गया है।

निर्देशक शेखर कम्मुला तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्देशकों में से एक है। अपनी अगली फिल्म में वे धनुष और रश्मिका मंदाना को एक साथ लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। पोस्ट में बताया गया फिल्म का टाइटल और फर्स्ट लुक महाशिवरात्रि के मौके पर शाम 4 बजकर 5 मिनट पर रिलीज किया जाएगा।

फिल्म को एमिगोस क्रिएशन्स और श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज एलएलपी के बैनर तले बनाया जा रहा है। वहीं, इसका संगीत देवी श्री प्रसाद तैयार कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से दर्शकों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। फैंस दोनों की जोड़ी को एक साथ देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इससे पहले धनुष फिल्म 'रायन' में नजर आएंगे। यह धनुष की 50वीं फिल्म होगी। हाल ही फिल्म का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया। गौरतलब है कि 'रायन' को धनुष ने ही लिखा और निर्देशित किया है। रायन के पोस्टर में धनुष का एंग्री यंग लुक देखने को मिला था, जिसके बाद फैंस धनुष की इस फिल्म को लेकर भी काफी उत्साहित हैं।

अमीषा के चेक बाउंस केस में नया अपडेट, अभिनेत्री को देने होंगे 2.75 करोड़ रुपये

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल चेक बाउंस के एक मामले में बकाया राशि देने को तैयार हो गई हैं। चेक बाउंस केस में न्यायिक दंडाधिकारी डीएन शुक्ला की अदालत में सुनवाई की गई। इस दौरान अमीषा पटेल बकाया राशि की रकम देने के लिए राजी हो गई हैं। आपसी समझौते के आधार पर पांच किस्तों में 2.75 करोड़ रुपये शिकायतकर्ता को देने होंगे।

पांच किस्तों में देंगी बकाया राशि

अमीषा आपसी समझौते पर यह राशि देने को तैयार हो गई हैं। यह राशि शिकायतकर्ता अजय सिंह को दी जाएगी। अमीषा ने जो समझौता किया है, उसके मुताबिक वह पांच किस्तों में इस रकम

को चुकाएंगी। पांच किस्तों में 2.75 करोड़ रुपये देने होंगे। अदालत में अमीषा पटेल के अधिवक्ता जय प्रकाश ने यह जानकारी दी। कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए अदालत ने अगले दिन गुरुवार को अभिनेत्री अमीषा पटेल को अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया। यह निर्देश इसलिए दिया गया, ताकि अमीषा खुद समझौता पत्र पर अपने दस्तखत कर सकें।

सुनवाई के दौरान हुआ विरोध

वहीं, अमीषा के अधिवक्ता द्वारा इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख देने की मांग की गई। उन्होंने अदालत से 13 मार्च को अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित करने की मांग की। हालांकि, दूसरी तरफ से इसका विरोध किया गया। शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के अधिवक्ता विजयालक्ष्मी श्रीवास्तव ने इसका विरोध किया। वह आगे समय मांगे जाने के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं थे।

एक था टाइगर में सलमान-कटरीना की ब्रेक-अप के बाद हुई थी कास्टिंग : डायरेक्टर कबीर खान

साल 2012 में रिलीज हुई सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'एक था टाइगर' सुपरहिट साबित हुई थी। अब इस फिल्म के डायरेक्टर कबीर खान ने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान सलमान और कटरीना दोनों ही अनकम्फर्टेबल थे।

हाल ही में डायरेक्टर कबीर खान कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के अपकमिंग पॉडकास्ट में इंटरव्यू देने पहुंचे। यहां उन्होंने फिल्म 'एक था टाइगर' का जिक्र करते हुए कहा, 'कटरीना को हम पहले ही जोया के लिए साइन कर चुके थे। फिर हम सलमान के पास गए। ये वो स्टेज थी जब दोनों का ब्रेक अप हो चुका था।

दोनों एक दूसरे के साथ कम्फर्टेबल नहीं थे।'

प्रोमो में नजर आए और भी कई डायरेक्टर्स

मुकेश के पॉडकास्ट के इस प्रोमो में कबीर के अलावा फराह खान, हंसल मेहता, इम्तियाज अली और राज एंड डीके समेत कई डायरेक्टर्स नजर आ रहे हैं। ये सभी अपनी फिल्मों की कास्टिंग के पीछे के मजेदार किस्से सुना रहे हैं। प्रोमों में राज और डीके अपने फेमस वेब शो 'फैमिली मैन' में मनोज बाजपेयी की कास्टिंग पर बात कर रहे हैं तो वहीं हंसल मेहता कहते हैं कि उनके वेब शो 'स्कूप' में करिश्मा तन्ना को कास्ट करना सबसे बड़ा रिस्का था। इसके अलावा

इम्तियाज अली फिल्म 'तमाशा' और 'रॉकस्टार' में रणबीर कपूर की कास्टिंग, तो वहीं फराह खान 'मैं हूं ना' में सुनील शेट्टी की कास्टिंग पर चर्चा करती नजर आईं।

देओल्स के लिए ऐतिहासिक रहा पिछला साल बॉबी देओल : बोले- खुद से भरोसा उठ चुका था

बॉबी देओल ने 'एनिमल' के जरिए जबरदस्त कमबैक किया है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान बॉबी ने बताया कि वो इंडस्ट्री में पिछले 28 साल से हैं। उन्हें शुरुआत से खुद पर बहुत भरोसा रहा है। लेकिन एक ऐसा समय भी आया जब उनका विश्वास खुद पर से उठ गया था। एनिमल के बाद जो प्यार लोगों से मिला वो आज भी उन्हें सपने जैसा लगता है।

बॉबी ने बताया कि साल 2023 उनके परिवार के लिए ऐतिहासिक साल रहा। एक ही साल में हमारी तीनों जेनरेशन की फिल्में आईं। दरअसल, पिछले साल रिलीज हुई सनी देओल की फिल्म 'गदर-2' भी सक्सेसफुल रही। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की। वहीं पिता धर्मेंद्र ने भी 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से कमबैक किया। सनी देओल के बड़े बेटे राजवीर देओल ने भी फिल्म 'दोनों' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। इस वजह से बॉबी के अनुसार पिछला साल उनके पूरे परिवार के लिए बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा- हमारे परिवार ने पिछले साल जो कामयाबी हासिल की है, वो हमारे लिए बहुत मायने रखती है।

इंटरव्यू के दौरान बॉबी देओल ने बताया कि इस बार का

जी सिने अवॉर्ड उनके लिए बेहद खास होने वाला है। इसके कई कारण हैं। दरअसल, इस बार होने वाले जी सिने अवॉर्ड में बॉबी देओल पहली बार परफॉर्म करेंगे। इसके लिए वो बेहद एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा- मैं शायद बहुत अच्छा डांसर नहीं हूं। लेकिन मुझे डांस करना बहुत पसंद है।

हाल ही में बॉबी देओल को बेस्ट निगेटिव रोल के लिए दादा साहब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया था। बॉबी ने कहा- अवॉर्ड हर किसी के लिए मायने रखता है। मुझे भी पसंद हैं। लेकिन मेरे लिए अवॉर्ड से बढ़कर मेरे फैंस का प्यार है। बॉबी की मानें तो अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट होना भी बड़ी बात है। बॉबी ने अपने पिता धर्मेंद्र का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए 37 साल तक इंतजार किया। भले ही उन्हें कई सालों तक अवॉर्ड नहीं मिला था। लेकिन उन्हें लोगों का अटूट प्यार मिला। उन्होंने कहा- जब हमें अवॉर्ड मिलता है, तो सबसे ज्यादा खुशी हमारे चाहनेवालों को ही होती है।

साल 1997 के फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में धर्मेंद्र को फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया था। अवॉर्ड मिलने के दौरान स्टेज पर वो काफी इमोशनल हो गए थे। क्योंकि सालों के लंबे इंतजार के बाद उन्हें ब्लैक लेडी मिली थी। इस दौरान एक्टर ने स्टेज पर विनिंग स्पीच दी थी। अपनी स्पीच में उन्होंने ये भी बताया था कि उन्हें काफी अफसोस है कि उन्हें अच्छी फिल्मों के लिए ये अवॉर्ड नहीं मिला।

धर्मेंद्र को फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड उनके फेवरेट एक्टर दिलीप कुमार के हाथों मिला था। विनिंग स्पीच देते हुए एक्टर ने बताया कि 'मैं हर साल सूट सिलाता था, मैचिंग टाई पहनता था, कि शायद इस साल मुझे ये अवॉर्ड मिल जाए। लेकिन नहीं मिला। उन्होंने कहा- आज 37 साल के बाद मुझे ये अवॉर्ड मिला है और इसी में मुझे अपनी पिछली 15 ट्रॉफियां दिखाई दे रही हैं, जो मुझे मिलनी चाहिए थीं। आने वाले 15 साल भी मैं नहीं छोड़ूंगा। अगर नहीं मिलेगा तो इसे ही देख लूंगा।

बॉबी ने कहा- मैं अपने फैंस के लिए अब वही कैरेक्टर्स करना चाहता हूं, जो उन्हें सरप्राइज करे। वहीं अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात करते हुए बॉबी ने बताया कि वो हमेशा से साउथ स्टार सूर्या के साथ काम करना चाहते थे। अब जल्द ही दोनों एक साथ नजर आने वाले हैं। बता दें, 'कंगुवा' के जरिए बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी तमिल इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। बॉबी की ये फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

अभिनय के लिए सामंथा रुथ प्रभु किससे लेती हैं प्रेरणा?

सामंथा रुथ प्रभु देश की उम्दा अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपनी फिल्मों से उन्होंने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। मायोसिटिस बीमारी के बारे में पता चलने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया से ब्रेक ले लिया था। हालांकि, अब एक साल के बाद वे काम पर वापस लौट चुकी हैं।

अल्लू अर्जुन से ली एक्टिंग की प्रेरणा

हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री ने अभिनय जगत की चुनौतियों और अपनी प्रेरणा को लेकर बात की। जब उनसे उनके एक्टिंग के रोल मॉडल के बारे में पूछा गया, तो सामंथा ने अल्लू अर्जुन का नाम लिया।

दो फिल्मों में किया साथ काम

अल्लू अर्जुन के समर्पण और उनकी बहुमुखी प्रतिभा की तारीफ करते हुए उन्होंने अभिनेता को एक्टिंग बीस्ट बताया। अपने फिल्मी करियर में सामंथा ने अल्लू के साथ अब तक दो बार फिल्मों में काम किया है। उनकी पहली फिल्म सन ऑफ सत्यमूर्ति थी। वहीं, ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा में वे उनके साथ आइम सॉन्ग पर डांस करती नजर आई थीं।

सिटाडेल में जल्द आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो सामंथा जल्द ही सिटाडेट के भारतीय संस्करण में नजर आने वाली हैं। इसे राज और डीके बना रहे हैं। उनके अलावा इसमें वरुण धवन भी अहम किरदार में दिखेंगे। वहीं, उनके खाते में चेन्नई स्टोरीज नाम की भी फिल्म है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है।

चुनावी बॉन्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खिलाफ अवमानना याचिका, सुप्रीम कोर्ट 11 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की उस अर्जी को चुनौती दी जिसमें राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने की मांग की गई है। एडीआर ने चुनावी बॉन्ड मामले में भारतीय स्टेट बैंक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अवमानना याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने एनजीओ का

प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण से ई-मेल भेजने को कहा और 11 मार्च को अवमानना याचिका सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से अदालत में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की इस दलील पर गौर किया कि वह मामले में अवमानना की कार्यवाही शुरू करना चाहते हैं। भूषण ने कहा कि एसबीआई की याचिका को 11 मार्च को सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है और अवमानना आवेदन पर भी एक साथ सुनवाई की जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा, कृपया एक ईमेल भेजें। मैं आदेश पारित करूंगा। एसबीआई ने 4 मार्च को शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक का विस्तार करने की मांग की गई। शीर्ष अदालत ने पिछले महीने अपने फैसले में एसबीआई को छह मार्च तक चुनाव आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। एडीआर के अधिवक्ता ने कहा, एसबीआई ने जानबूझकर इस माननीय न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा पारित फैसले की अवज्ञा की है, और यह न केवल नागरिकों के सूचना के अधिकार को नकारता है, बल्कि इस माननीय न्यायालय के अधिकार को भी कमजोर करता है।

मुश्किलों में घिरी स्पाइसजेट को मिली राहत, खत्म हुआ 413 करोड़ का विवाद

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारत की बजट एयरलाइंस स्पाइसजेट अपनी मुश्किलों को कम करने की कोशिश कर रही है। इस कोशिश में कंपनी को गुरुवार को सफलता मिली है। मुश्किलों से उबरने की कोशिश में लगी स्पाइसजेट ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने विमान पर किराए पर देने वाली कंपनी एशलॉन आयरलैंड मैडिसन वन लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपये का विवाद सुलझा लिया है।यह पिछले दो हफ्ते में इस तरह का तीसरा विवाद है जिसका स्पाइसजेट ने निपटारा किया है। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि एशलॉन के साथ कानूनी विवाद का निपटान होने से 4.8 करोड़ डॉलर (करीब 398 करोड़ रुपये) की बचत होगी।

685 करोड़ की बचत

इस विवाद निपटान के तहत स्पाइसजेट दो एयरफ्रेम का अधिग्रहण करेगी।आम तौर पर एयरफ्रेम बिना इंजन वाला विमान होता है।कई बाधाओं का सामना कर रही और धन जुटाने की प्रक्रिया में लगी एयरलाइन तीन विवादों का निपटान कर कुल तीन एयरफ्रेम हासिल कर रही है। ये एयरफ्रेम बोइंग 737 एनजी विमानों के हैं। स्पाइसजेट ने कहा कि इन सफल निपटानों से एयरलाइन को कुल 685 करोड़ रुपये की बचत हुई है।इसके पहले स्पाइसजेट ने पांच मार्च को लगभग 1.12 करोड़ डॉलर (93 करोड़ रुपये) के विवाद के संबंध में क्रॉस ओशन पार्टनर्स के साथ समझौता किया था। उससे पहले 28 फरवरी को स्पाइसजेट ने सेलेस्टियल एविएशन के साथ 2.99 करोड़ डॉलर (250 करोड़ रुपए का विवाद सुलझाया था।

5 फीसदी तक उछले शेयर

इस खबर के बाद स्पाइसजेट के शेयर में 5 फीसदी की जोरदार उछाल देखने मिली। गुरुवार के कारोबार में स्पाइजेट का शेयर 62 रुपए पर खुला। शुरुआती कारोबार में स्पाइजेट इंट्रा डे हाई पर कारोबार करता हुआ 65.40 पर पहुंच गया, कुछ ही घंटो में 5.50 परसेंट तक चढ़ गया। हालांकि बाद में इस शेयर में करेक्शन देखने को मिला। ट्रेडिंग खत्म होने के बाद स्पाइजेट का शेयर 64.10 रुपए पर बंद हुआ। बीते कुछ समय में स्पाइसजेच लगातार विवादों में रहा है। अभी हाल भी कंपनी ने 1400 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था। उम्मीद की जा रही है कि इस फैसले के बाद स्पाइसजेट के अच्छे दिन आ सकते हैं।

घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, 67 जगहों पर मारी रेड

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। पब्लिक सेक्टर के यूको बैंक में हुए एक घोटाले की जांच के सिलसिले में सीबीआई ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई ने महाराष्ट्र और राजस्थान में एक साथ 67 जगहों पर छापा मारा है। ये मामला यूको बैंक में 820 करोड़ रुपए के संदिग्ध आईएमपीएस ट्रांजेक्शन से जुड़ा है। आईएमपीएस, भारतीय रिजर्व बैंक की एक इंस्टैंट ऑनलाइन पेमेंट सर्विस है। दरअसल यूको बैंक के अलग-अलग अकाउंट से करीब 820 करोड़ रुपए के संदिग्ध आईएमपीएस ट्रांजेक्शन हुए हैं। इस घटनाक्रम को लेकर यूको बैंक ने सीबीआई में 21 नवंबर 2023 को शिकायत की थी, जिसके बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू कर दी और आज इस मामले में छापामार कार्रवाई की है।

ऐसे दिया गया घोटाले को अंजाम

यूको बैंक में ये संदिग्ध आईएमपीएस लेनदेन 10 नवंबर 2023 से 13 नवंबर 2023 के बीच हुए। शिकायत के मुताबिक 7 प्राइवेट बैंक्स के 14,600 एकाउंट होल्डर्स ने गलत तरीके से यूको बैंक के 41,000 एकाउंट होल्डर्स के अकाउंट्स में आईएमपी ट्रांजेक्शन किए। इस मामले में मूल खातों से कोई पैसा डेबिट नहीं हुआ लेकिन यूको बैंक के 41,000 अकाउंट्स में कुल 820 करोड़ रुपए क्रेडिट हुए। इसमें से अधिकतर अकाउंट होल्डर्स ने अलग-अलग बैंकिंग चैनल्स के जरिए बैंक से पैसे निकालकर बहुत फायदा उठाया।

दिसंबर में भी सीबीआई ने की थी छापेमारी

इससे पहले मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने दिसंबर 2023 में भी कई जगहों पर छापे मारे थे। तब प्राइवेट बैंक होल्डर्स और यूको बैंक के अधिकारियों के कोलकाता और मंगलुरू में 13 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इसी क्रम में 6 मार्च 2024 को सीबीआई ने राजस्थान और महाराष्ट्र के जोधपुर, जयपुर, जालौर, नागपुर, बाड़मेर, पलौदी और पुणे में छापे मारे हैं।इन छापों में यूको बैंक और आईडीएफसी बैंक से जुड़े 130 संदिग्ध डॉक्यूमेंट्स और 43 डिजिटल डिवाइस को जब्त करके फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इसमें 40 मोबाइल फोन, 2 हार्ड डिस्क, एक इंटरनेट डोंगल शामिल है। सीबीआई ने 30 और संदिग्ध लोगों को स्पॉट पर एग्जामिन किया गया है।छापे के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब न हो, इसके लिए राजस्थान पुलिस के 120 पुलिसकर्मी इस कार्रवाई के दौरान सीबीआई की टीम के साथ रहे।

तेजस की स्पीड से दौड़ रही है इकॉनमी, जीडीपी ग्रोथ रेट 8% रहने की संभावना: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख इकॉनमी है और देश की ग्रोथ रेट आठ फीसदी के करीब पहुंच सकती है। दास ने ईटी नाउ के साथ खास इंटरव्यू में कहा कि चौथी तिमाही में ग्रोथ रेट 5.9 फीसदी रह सकता है। अगर ऐसा हुआ तो फाइनेंशियल ईयर 2024 में ग्रोथ रेट 7.6 फीसदी से ज्यादा होगी। जीडीपी ग्रोथ रेट के आठ फीसदी के करीब रहने की संभावना है। तीसरी तिमाही में देश की इकॉनमी 8.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी थी। दास ने भारत के ग्रोथ मोमेंटम की तुलना स्वदेश में विकसित फाइटर तेजस से करते हुए कहा कि इंडिया की तीसरी तिमाही में 8.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी जो

अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर है। उन्होंने कहा कि ओवरऑल रूरल डिमांड में सुधार के संकेत दिख रहे हैं जबकि शहरी क्षेत्रों में यह मजबूत बनी हुई है।

साथ ही दूसरे इकॉनमिक मेट्रिक्स जैसे निजी निवेश, कैपेसिटी यूटिलाइजेशन और बैंक क्रेडिट ग्रोथ में भी तेजी दिख रही है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर हाल में लगाई गई पाबंदियों के बारे में पूछे जाने पर आरबीआई गवर्नर ने कहा कि यह केवल एक पेमेंट बैंक के खिलाफ कार्रवाई की गई है, न कि व्यापक फिनटेक इंडस्ट्री के खिलाफ। 80 से 85 फीसदी पेटीएम वॉलेट यूजर्स को रेगुलेटरी एक्शन के कारण किसी भी प्रकार दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। बाकी 15 फीसदी यूजर्स को अन्य बैंकों से लिंक करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि आरबीआई पूरी तरह फिनटेक इंडस्ट्री को सपोर्ट करता है। लेकिन उन्होंने एक बार फिर क्रिप्टोकरेंसीज पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि वे पूरी तरह स्पेकूलेटिव हैं। हाल में क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में काफी तेजी आई है। बिटकॉइन अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई हैं।

ना एलन मस्क, ना जेफ बेजोस, टूट गया अमेरिका का दबदबा

फ्रांस का ये कारोबारी बना दुनिया का सबसे रईस

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति बनने की जंग इन दिनों बड़ी दिलचस्प हो गई है। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा दौलत किसके पास है, इस सवाल का जवाब बीते तीन दिनों में तीसरी बार बदल चुका है। तीन दिन पहले तक इसका जवाब एलन मस्क थे, लेकिन एक दिन पहले जेफ बेजोस उन्हें पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। अब मस्क और बेजोस दोनों को पीछे छोड़कर कोई तीसरा ही व्यक्ति पहले पायदान पर जा पहुंचा है।

पहले स्थान पर फ्रांस का ये अरबपति

अब जिस व्यक्ति के नाम दुनिया में सबसे अमीर होने का कीर्तिमान दर्ज है, वह हैं फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट। लुई विटॉन (एलएमवीएच) जैसे लग्जरी ब्रांड के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ अभी दुनिया में सबसे ज्यादा हो चुकी है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स पर अब बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ 197 बिलियन डॉलर है, जो पूरी दुनिया में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में सबसे ज्यादा है।

ये हैं दुनिया के तीन सबसे बड़े अमीर

एक दिन पहले ही सबसे अमीर व्यक्ति बने जेफ बेजोस कुछ ही देर पहले पायदान पर रह पाए। अब जेफ बेजोस 196 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वहीं लबे समय से पहले स्थान पर काबिज एलन मस्क अब तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। एलन मस्क की टोटल नेटवर्थ अभी ब्लूमबर्ग के इंडेक्स के हिसाब से 189 बिलियन डॉलर है। इस इंडेक्स की मानें तो सालों बाद ऐसा हुआ है, जब दुनिया के किसी अमीर की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर नहीं है।

फोर्ब्स की लिस्ट में कुछ अलग तस्वीर

हालांकि फोर्ब्स के रियलटाइम इंडेक्स पर तस्वीर थोड़ी अलग है। बर्नार्ड अरनॉल्ट इस लिस्ट में भी पहले पायदान पर हैं, लेकिन उनकी नेटवर्थ 227.6 बिलियन डॉलर बताई गई है। एलन मस्क 195.8 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जेफ बेजोस की नेटवर्थ फोर्ब्स की लिस्ट के हिसाब से 194.6 बिलियन डॉलर है और वह दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

सबसे अमीर लोगों में अमेरिका का वर्चस्व

दुनिया के शीर्ष अमीरों की सूची में अमेरिका का दबदबा अभी भी बना हुआ है। फोर्ब्स और ब्लूमबर्ग दोनों की अमीरों की सूची में टॉप-5 में अमेरिका से बाहर से सिर्फ एक नाम है। बर्नार्ड अरनॉल्ट को छोड़कर बाकी चारों सबसे अमीर लोग अमेरिका से ही हैं। भारत समेत एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी फोर्ब्स की लिस्ट में 117.1 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 9वें स्थान पर हैं। वहीं ब्लूमबर्ग की लिस्ट में 114 बिलियन डॉलर के साथ उन्हें 11वें स्थान पर रखा गया है।

अनिल अंबानी की ये कंपनी नहीं बेच पाएगी संपत्ति, कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की ज्यादातर कंपनियां इस समय दिवालियापन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। अब अनिल अंबानी की एक और कंपनी को झटका लगा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को 1100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति बेचने, अलग करने, स्थानांतरित करने या उस पर कब्जा करने से रोक दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला अनिल अंबानी की फर्म के खिलाफ चीनी कंपनी शंघाई इलेक्ट्रिक ग्रुप कंपनी लिमिटेड को दिए गए मध्यस्थता के संबंध में है। अदालत ने पिछले फैसले को पलट दिया था, जिसमें शंघाई इलेक्ट्रिक की याचिका खारिज कर दी गई थी और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनी संपत्ति पर किसी भी तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि, किसी बैंक या वित्तीय संस्थान को पहले से गिरवी रखी गई संपत्तियां इस प्रतिबंध से मुक्त हैं। यह फैसला शंघाई इलेक्ट्रिक की आदेश के खिलाफ अपील के जवाब में आया है, जिसमें मध्यस्थता को सुरक्षित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया था जिसकी राशि करीब 146 मिलियन डॉलर थी। दिसंबर

2022 में, मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने शंघाई इलेक्ट्रिक को आर इंफ्रा के खिलाफ 122.23 मिलियन डॉलर का पुरस्कार दिया, जिसमें ब्याज, कानूनी लागत और खर्च शामिल हैं। सिंगापुर इंटरनेशनल कमर्शियल कोर्ट ने जनवरी 2023 में उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें अंबानी की फर्म को पूरी राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था।यह विवाद शंघाई इलेक्ट्रिक और रिलायन्स इंफ्रा प्रोजेक्ट्स (यूके) के बीच उपकरण आपूर्ति और सेवाओं के लिए 2008 के अनुबंध से उत्पन्न हुआ है, जो रिलायंस इंफ्रा की एक सहायक कंपनी है। शंघाई इलेक्ट्रिक के मुताबिक, रिलायन्स यूके को अनुबंध के तहत 9,461 करोड़ रुपये का भुगतान करना था, जिसमें 2019 तक 995 करोड़ रुपये देय थे।

सेंसेक्स - निफ्टी मामूली तेजी के साथ हुआ क्लोज पर मिडकैप - स्मॉलकैप स्टॉक्स में रही रौनक, 1.38 लाख करोड़ बढ़ा मार्केट कैप

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. सेंसेक्स - निफ्टी में मामूली तेजी रही हालांकि एफएमसीजी स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. आज के ट्रेड में मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 33 अंकों के मामूली उछाल के साथ 74,119 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19 अंकों के उछाल के साथ 22,493 अंकों पर क्लोज हुआ है. सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने ऐतिहासिक हाई पर बंद हुआ है.

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में एफएमसीजी, आईटी, पीएलयू बैंक, फार्मा, मेटल, मीडिया, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स में उछाल देखने को मिला है. जबकि बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, एनर्जी, रियल एस्टेट और इंफ्रा स्टॉक्स गिरकर क्लोज हुए. बुधवार की गिरावट के बाद आज के सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 स्टॉक्स तेजी के साथ और 10 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरावट के साथ क्लोज हुए.

मार्केट वैल्यू में उछाल

शेयर बाजार में तेजी के चलते बाजार के मार्केट कैपिटलाईजेशन में इजाफा देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट वैल्यू 392.75 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो कि पिछले सत्र 391.37 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के बाजार के मार्केट वैल्यू में 1.38 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में टाटा स्टील 3.90 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.14 फीसदी, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.09 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.71 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.50 फीसदी और आईटीसी 1.39 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.68 फीसदी, रिलायंस 1.59 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.23 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.82 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे सोने के भाव, चांदी की कीमतें भी छू रहीं आसमान

आज इतना महंगा हुआ 10 ग्राम गोल्ड

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने की कीमतों में आने वाले समय में और तेजी देखने को मिल रही है। एक समय सोने के भाव 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब चल रहे थे। अब सोना 65 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा महंगा हो चुका है। अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें।

क्या हैं सोने के भाव

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी गुरुवार को 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना बढ़त के साथ 65,434 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। सोना आज सुबह 65,205 रुपये के भाव पर खुला था। वहीं 5 जून 2024 को डिलीवरी वाला सोना आज उछलकर 65,852 रुपये के भाव पर ट्रेड कर रहा है।

क्या है चांदी की कीमत

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी गुरुवार को 5 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 74,085 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 5 जुलाई

2024 को डिलीवरी वाली चांदी 75,362 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही है।

सोने के वैश्विक भाव

गुरुवार को सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.25 फीसदी या 5.40 डॉलर की बढ़त के साथ 2,163.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 2,155.96 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है।

चांदी की वैश्विक कीमत

चांदी के वैश्विक भाव में गुरुवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.58 फीसदी या 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 24.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव गिरावट के साथ 24.16 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-15 बजे
चंद्र-	मकर में	मीन...	06-52 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	07-28 बजे
बुध-	मीन में	वृष...	10-12 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-14 बजे
शुक्र-	कुंभ में	कर्क...	14-26 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	16-38 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	18-45 बजे
केतु-	कन्या में	तुला.....	20-50 बजे
		वृश्चिक..	23-00 बजे
		धनु.....	01-13 बजे
		मकर...	03-20 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-32 सूर्यास्त. -18-21
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 21:58 - तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शुक्रवार 08 March
नक्षत्र - श्रवण - 10 - 40 - तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शिव - 00 - 45 - तक उप सिद्ध
करण- गर - 11 - 41 - तक उप- वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - प्रदोष व्रत, महाशिवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:58 से 12:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:32 - 07:59 शुभ	रोग	18:21 - 19:54 अशुभ
लाभ	07:59 - 09:29 शुभ	काल	19:54 - 21:25 अशुभ
अमृत	09:29 - 10:58 शुभ	लाभ	21:25 - 22:56 शुभ
काल.	10:58 - 12:27 अशुभ	उत्पात	22:56 - 24:26 अशुभ
शुभ.	12:27 - 13:56 शुभ	शुभ.	24:26 - 01:57 शुभ
रोग	13:56 - 15:25 अशुभ	अमृत	01:57 - 03:28 शुभ
उत्पात	15:25 - 16:54 अशुभ	चंचल	03:28 - 04:59 शुभ
चंचल	16:54 - 18:21 शुभ	रोग	04:59 - 06:32 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी । यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होंगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा । आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे जो की आपके कार्यालय में सराहा जायेगा ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

19 साल से जेल में मुख्तार, ट्रक बचे न कारखाने

अफजाल बोले- सबकुछ तबाह हो गया, भाई के बिना ईद की सेवई फीकी

गाजीपुर, 7 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'हमारा सब कुछ छीन लिया। कुछ बची हुई खेती-बाड़ी और दुकानों के किराए से घर चल रहा है। अब न हमारे ट्रक चलते हैं, न बसें। कोई फैक्ट्री, कोई कारखाना तक नहीं बचा। हमसे जुड़ी हर चीज तबाह कर दी।'

ये बेबसी यूपी के गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी की है। जिस जगह बैठकर अफजाल अंसारी ने ये बात कही, कभी वहीं से गाजीपुर ही नहीं, पूरे पूर्वांचल की राजनीति तय होती थी।

5 बार के विधायक और गाजीपुर से 2 बार सांसद रहे अफजाल अंसारी इस बार सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सबसे बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी गाजीपुर की मोहम्मदाबाद सीट से विधायक रह चुके हैं। सबसे छोटे भाई और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी अभी जेल में हैं।

एक वक्त था, जब अंसारी परिवार के 'बड़े फाटक' पर यूपी के बड़े नेताओं से लेकर सरकारी अधिकारी तक मुख्तार के आगे सिर झुकाए खड़े रहते थे। अब हवा उल्टी दिशा में बह रही है। बीते 3 साल में अंसारी परिवार से जुड़ी 500 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चल चुका है।

अफजाल कहते हैं, 'इसी फाटक पर ईडी 13 घंटे बिता चुकी है। पूरे मकान की तलाशी ली, लेकिन सुई की नोंक तक नहीं मिली। 9 साल से अंसारी परिवार पर लगातार जुल्म होता रहा। ऊपर वाले की रहमत है कि हमारे पुरखों की जमीनें अब भी मौजूद हैं। इन्हें बेचकर मैं लोकसभा चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा।

गाजीपुर के मुहम्मदाबाद इलाके में यूसुफपुर रेलवे स्टेशन है। यहां से सिर्फ 2 किमी दूर 'बड़ा फाटक' है। ये अंसारी परिवार का पता है। रेलवे स्टेशन से बड़ा फाटक तक जाने वाले रास्ते में जगह-जगह टूटी बिल्डिंग और प्लॉट हैं, जिन पर जब्ती के सरकारी नोटिस चिपके हैं। ये सभी प्रॉपर्टी मुख्तार अंसारी और उनके करीबियों की हैं।

संकरी गलियों से होते हुए हम 'बड़ा फाटक' बाजार पहुंचे। यहां दूर से ही मुख्तार अंसारी की कोठी दिखने लगती है। कोठी में सिबगतुल्लाह अंसारी मिले। वे हमें गेस्ट रूम में ले गए। गेस्ट रूम की दीवारों पर लाइन से अंसारी परिवार के सदस्यों की फोटो लगी हैं। सबसे बड़ी फोटो मुख्तार के दादा डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी की है। वे 1926-27 में इंडियन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरी फोटो मुख्तार के नाना और महावीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की है। ब्रिगेडियर उस्मान 1947 में नौशेरा की लड़ाई में शहीद हुए थे।

एक फोटो मुख्तार के पिता सुभानउल्ला अंसारी की है। सुभानउल्ला गाजीपुर के बड़े कम्युनिस्ट नेता थे। साफ-सुथरी छवि की वजह से उन्हें 1971 में नगर पालिका चुनाव में निर्विरोध चुना गया था। एक फोटो पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की भी है। हामिद रिश्ते में मुख्तार के चाचा लगते हैं।

अफजाल अंसारी कहते हैं, 'गाजीपुर का बड़ा फाटक हमेशा से सरकार को चुभता रहा है। केंद्र और यूपी सरकार ने साजिश कर अंसारी परिवार को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मीडिया के जरिए हमें ऐसे बदनाम किया गया, मानो हम देशद्रोही हैं।'

'सबने देखा है कि कैसे हमारी प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चल रहा है। हमारे लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है। इस बार तो हद ही हो गई। मुझे गैंगस्टर एक्ट में 4 साल की सजा करवा दी। मेरी सांसदी रद्द कर दी गई। हम हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गए। आखिरकार मुझे इंसाफ मिला और अब मैं फिर से सांसद हूं।'

अफजाल आगे कहते हैं, 'हमारे घर की महिलाओं और बच्चों को जेल में डाल दिया। बहू निखत अंसारी पर झूठा केस लगाया कि वो जेल में पति अब्बास से मिलती थी। उसे अपने एक साल के बच्चे से नहीं मिलने दिया। अंसारी परिवार के घर और जमीनें कुर्क कर लीं। हमारा सब कुछ खत्म कर दिया। कोई कारोबार या कमाई का जरिया नहीं बचा है।

अफजाल अंसारी जवाब देते

हैं, 'मुख्तार को जेल गए 20 साल होने वाले हैं। बस जान लीजिए कि हर तीज-त्योहार पर उनकी कमी खलती है। ईद की सेवई में उनके बिना मिठास नहीं रहती।' 'अजीब बात है कि जो शख्स इतने साल से जेल में है, उसके खिलाफ एक के बाद एक 50 से ज्यादा झूठे मुकदमे लिख दिए। ये अंसारी परिवार को बदनाम करने की साजिश नहीं है तो क्या है।'

'आज अगर सरकार के किसी बड़े नेता के खिलाफ मुकदमा होता है, तो कुछ महीनों में सब रफा-दफा कर दिया जाता है। मामला बढ़ने पर पता चलता है कि जज साहब ही बैकुंठ चले गए। और जो सत्ता के खिलाफ हैं, उसके साथ हमेशा गलत होता है। ये सरकार एक परीक्षा ढंग से नहीं करवा सकती। इन्हें बस विरोधियों पर झूठे मुकदमे लिखवाना, बुलडोजर चलवाना आता है।'

अफजाल अंसारी भले पुश्तैनी जमीन बेचकर चुनाव लड़ने की बात कह रहे हों, लेकिन चुनावी हलफनामे बताते हैं कि अंसारी ब्रदर्स अब भी करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी के मालिक हैं।

2017 के विधानसभा चुनाव में दिए शपथ पत्र में मुख्तार अंसारी ने 21.88 करोड़ रुपए की संपत्ति बताई थी। इसमें 3.23 करोड़ रुपए की एग्रीकल्चर लैंड, 4.90 करोड़ की नॉन एग्रीकल्चर लैंड, 12.45 करोड़ की कॉमर्शियल बिल्डिंग और 1.70 करोड़ की रेसिडेंशियल बिल्डिंग शामिल थीं।

वहीं, अफजाल अंसारी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में इलेक्शन कमीशन को दिए शपथ पत्र में 13.79 करोड़ रुपए की संपत्ति बताई थी। इसमें 3.36 करोड़ रुपए की एग्रीकल्चर लैंड, 14 लाख की नॉन-एग्रीकल्चर लैंड, 1.53 करोड़ की कॉमर्शियल प्रॉपर्टी शामिल थी। अफजाल ने प्रॉपर्टी में 1.08 लाख की चल संपत्ति और 12.70 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति का दावा किया था।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच कर रही ईडी ने अंदेशा जताया था कि मुख्तार अंसारी और उसके करीबियों के पास 10 हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति हो सकती है। पुलिस के मुताबिक, 2020 से लेकर मई, 2023 तक मुख्तार की 576 करोड़ की प्रॉपर्टी पर सरकार कार्रवाई कर चुकी है। इसमें 291 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई। 284 करोड़ की संपत्ति पर बुलडोजर चलाया गया है। सिर्फ मऊ में ही 200 करोड़ की संपत्ति पर बुलडोजर चला है। 'इनकी प्रॉपर्टी का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि योगी सरकार 2017 से अब तक इनकी अवैध बिल्डिंगों और जमीनों पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन ये सिलसिला थम नहीं रहा।' 'मुख्तार ने 2012 और 2017 का विधानसभा चुनाव जेल से ही लड़ा था। योगी सरकार की सख्ती के बाद उसने खुद को लाइमलाइट से दूर कर लिया। 2022 में मुख्तार ने बड़े बेटे अब्बास अंसारी को उतारा। अब्बास ने चुनाव जीता, लेकिन बाद में उसे हेट स्पीच के मामले में जेल जाना पड़ा। अब्बास फिलहाल कासगंज जेल में बंद है।

अंसारी ब्रदर्स के खिलाफ हालिया कार्रवाई 29 अप्रैल, 2023 को हुई थी। गाजीपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट केस में मुख्तार को 10 साल और अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, बाद में अफजाल को कोर्ट ने बरी कर दिया था, लेकिन मुख्तार को 9 साल और जेल में रहना होगा। फिलहाल, अंसारी परिवार पर कुल 95 केस दर्ज हैं। मुख्तार के साथ-साथ उसका बड़ा बेटा जेल में हैं। बहू अभी जमानत पर है। मुख्तार की पत्नी और छोटा बेटा फरार हैं।

'2019 में अफजाल अंसारी बसपा की टिकट पर चुनाव लड़े थे। तब पार्टी का सपा से गठबंधन था। अफजाल करीब 1.2 लाख वोट से चुनाव जीत गए थे। हालांकि, केंद्र में मोदी सरकार बनने से और कुछ हद तक अपने ऊपर लगे मुकदमों की वजह से वे बहुत काम नहीं करवा पाए।' 'सांसद रहते हुए उन्हें 4 साल की सजा भी हो गई। इसके बाद वे खुद को बेगुनाह साबित करने में लगे रहे। इससे लोगों के बीच ज्यादा नहीं जा पाए। ऐसे में पीजेपी कोई मजबूत कैंडिडेट गाजीपुर से उतारती है, तो इस बार बाजी पलट सकती है।' बीजेपी से गठबंधन के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओपी राजभर ने घोसी, चंदौली और गाजीपुर लोकसभा सीट मांगी थी। वे गाजीपुर सीट से पूर्वांचल के बाहुबली बृजेश सिंह को चुनाव लड़वाना चाहते हैं। पिछले साल नवंबर में भी राजभर ने बृजेश सिंह को चुनाव लड़वाने की बात कही थी। बृजेश और मुख्तार गुट के बीच 23 साल पुरानी अदावत है। 15 जुलाई 2001 को गाजीपुर में मुख्तार अंसारी पर हमला हुआ था। तब मुख्तार का काफिला रेलवे फाटक पर रुका था। तभी सामने से आए हमलावरों ने उस पर 40 से ज्यादा गोलियां बरसाई थीं। फायरिंग में मुख्तार को तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन उसके 2 बॉडीगार्ड मारे गए। हमले के बाद मुख्तार अंसारी ने बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह समेत 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। तभी से बृजेश सिंह और मुख्तार के बीच ठनी हुई है। इस मामले में बृजेश सिंह जमानत पर है। 'सब जानते हैं कि बृजेश सिंह के लिए बीजेपी में सॉफ्ट कॉर्नर रहा है। दागदार छवि की वजह से पार्टी उसे टिकट नहीं दे सकती है। इसलिए जानबूझकर राजभर की पार्टी के सिंबल पर बृजेश को गाजीपुर से टिकट दिलवाया जा रहा है।'

'हालांकि ये दांव उल्टा भी पड़ सकता है। अंसारी परिवार की गाजीपुर की जनता के बीच अच्छी पहुंच है। वहीं, बृजेश सिंह वाराणसी से आकर चुनाव लड़ेंगे। वे अफजाल के सामने चुनाव जीत पाएं, इसकी संभावना कम है।'

अब गरीब परिवारों को मिलेगी मुफ्त दाल और नमक

चंपई सोरेन कैबिनेट ने 40 प्रस्तावों को दी मंजूरी

रांची, 7 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने गरीब परिवारों को मुफ्त में एक किलोग्राम दाल और आयोडीन युक्त नमक उपलब्ध कराने का फैसला किया है। बुधवार को सीएम चंपई सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में महिला अधिकारियों और एकल पुरुष सरकारी कर्मचारियों को 18 वर्ष की आयु तक के दो बच्चों के लिए अधिकतम दो वर्ष की बाल देखभाल छुट्टी की मंजूरी दी गई। नई पहल के तहत, झारखंड सरकार केंद्रीय और राज्य खाद्य सुरक्षा योजनाओं के तहत आने वाले उपभोक्ताओं को एक किलोग्राम दाल और आयोडीन युक्त नमक मुफ्त में देगी। पहले उपभोक्ताओं को एक किलोग्राम चने की दाल और आयोडीन युक्त नमक के लिए एक रुपया

का भुगतान करना पड़ता था।

कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि दाल वितरण योजना को अब मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की खाद्य सुरक्षा योजनाओं के तहत आने वाले सभी परिवारों को प्रति माह एक किलो चना दाल मुफ्त मिलेगी। कैबिनेट ने इसके लिए मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 3.30 करोड़ रुपये और अगले वित्तीय वर्ष के लिए 7.92 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

झारखंड खाद्य एवं चारा प्रसंस्करण औद्योगिक नीति 2024 पर मुहर

इसके अलावा, कैबिनेट ने 25,000 से अधिक उचित मूल्य डीलरों की मांगों को संबोधित करते हुए उनके कमीशन में 100 रुपये से 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दे है। कैबिनेट ने झारखंड खाद्य एवं चारा प्रसंस्करण औद्योगिक नीति 2024 पर मुहर समेत 40 प्रस्तावों को मंजूरी दी।

चंपई सरकार ने राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में 10-बेड वाले आईसीयू वार्ड और टेली-आईसीयू सक्षम देखभाल इकाइयों की स्थापना के लिए ई-गवर्नमेंट्स फाउंडेशन, बेंगलुरु के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने को भी मंजूरी दे।

आवासीय विद्यालयों का संचालन एनजीओ को सौंपा जाएगा

इसके अलावा कल्याण विभाग के अधीन 44 आवासीय विद्यालयों को संचालन के लिए एनजीओ को सौंपा जायेगा। कैबिनेट ने रांची के मुख्य राजधानी क्षेत्र में यूनिटी मॉल की स्थापना को भी हरी झंडी दे दी है, जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मुफ्त जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इस मॉल में विभिन्न जिलों के हस्तशिल्प उपलब्ध होंगे।

झारखंड में कई जिलों का बढ़ा तापमान, बढ़ेगी गर्मी

रांची, 7 मार्च (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि झारखंड के कई जिलों में अगले दो दिन तक सुबह में बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि, दिन चढ़ने पर तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। दोपहर में तेज धूप की वजह से गर्मी का एहसास भी होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, 12 मार्च के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगा। शाम के समय में हवा चलने से ठंड का एहसास अभी होता रहेगा। बुधवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि राजधानी रांची सहित राज्य के करीब सभी जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

आवासीय गर्ल्स पोटकिबिन में लगी आग

स्टाफ समेत 305 बच्चियों का रेस्क्यू, एक बच्ची की मौत

बीजापुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। बीजापुर में देर रात सरकारी आवासीय गर्ल्स पोर्टा केबिन में भीषण आग लग गई। वहां मौजूद 305 बच्चियों को रेस्क्यू किया गया। इस दौरान आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही घंटों में पूरा पोर्टाकेबिन जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई है।

मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी बच्चियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए पोर्टाकेबिन का निर्माण किया गया था। जिसमें पहली से लेकर आठवीं तक कि बच्चियों को पढ़ाया जाता है। बीती रात को बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के चिंताकोन्टा केबिन में करीब 305 बच्चियां सो रही थीं। अचानक से वहां आग लग गई। आग लगने से

वहां हड़कंप मच गई, ग्रामीणों के साथ ही वहां की स्थानीय टीम ने बच्चियों को बचाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने का काम शुरू किया गया और बच्चियों को बचाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। इसी कैंपस में एक चार साल की बच्ची लिप्सा भी चार दिनों से अपनी बुआ मंजुला के साथ वहां रुकी हुई थी, इस आगजनी में लिप्सा की मौत हो गई। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वहीं, मामले की जानकारी लगने के बाद से आला अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची है। बीआरसी ने बताया कि आगजनी से पोर्टा केबिन में रखा एक महीने का बच्चों का राशन और ओढ़ने-बिछाने के कपड़े पूरी तरह से जलकर राख हो गए हैं। करीब 2 लाख रुपये का राशन वहां रखा हुआ था।

धारदार हथियार से हमलाकर दो लोगों की हत्या

दुर्ग, 7 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र के गनियारी गांव में देर रात अज्ञात आरोपियों ने दो लोगों की धारदार हथियार से हमलाकर हत्या कर दी। घर के अंदर दोनों के शव खून से लथपथ मिले हैं। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों के शवों को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, गनियारी गांव के रहने वाली राजबती साहू 62 वर्ष और पोती सविता साहू 17 वर्ष की घर के अंदर खून से लथपथ शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। घर के अन्य सदस्य जब सुबह उठे तो दोनों के शव जमीन पर पड़े हुए थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात आरोपियों ने घर में सो रहे दादी और पोती की कुल्हाड़ी से वारकर निर्मम हत्या की है।

स्पेनिश महिला से गैंगरेप केस में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई

कोर्ट ने सरकार से पूछा- राज्य में विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा-सहायता के लिए क्या एसओपी है

रांची, 7 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट में स्पेन की महिला के साथ गैंगरेप मामले में गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। कोर्ट ने पूछा है कि विदेशी पर्यटकों के राज्य की सीमा में प्रवेश की जांच के साथ उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए राज्य सरकार ने किस प्रकार की एसओपी जारी की है। अगर एसओपी नहीं है तो भविष्य में इसकी क्या योजना है? 13 मार्च को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की थी। 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को मुआवजे के तौर पर 10 लाख का भुगतान भी कर दिया गया है। सरकार की ओर से अधिवक्ता धीरज कुमार ने यह जानकारी दी है। इस मामले पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस

मामले में रिपोर्ट मांगी थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की कोर्ट ने घटना को गंभीर बताते हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और दुमका के एसपी से रिपोर्ट तलब की थी। सभी को 7 मार्च तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने पूछा था कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई है। अपने पति के साथ बाइक से टूर पर निकली स्पेनिश महिला के साथ दुमका के हंसडीहा में 1 मार्च की रात गैंगरेप हुआ था। गैंगरेप पीड़ित विदेशी महिला ने झारखंड छोड़ दिया है। पुलिस स्पेनिश कपल को सुरक्षा के साथ दुमका से 70 किमी दूर झारखंड-बिहार के बॉर्डर पर छोड़ने गई थी। उन्हें देवघर के रास्ते बॉर्डर पर छोड़ा गया है। दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिला ने अपने बयान में बताया था कि वह दोपहर में इन आरोपियों से मिली थी। गांव में टेंट लगाने से पहले वो इन लोगों से मिली थी, जिससे पता चलता है कि यह सुनियोजित घटना है। फॉरेंसिंक टीम की रिपोर्ट के आधार पर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कोशिश करेंगे।

सोशल मीडिया पर भी पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए कई ट्वीट और इंस्टाग्राम पर स्टोरी डाली गई। इस घटना के बाद भारत की छवि पर भी सवाल उठे तो पीड़ित महिला ने कहा कि ये एक घटना थी, जो कहीं भी हो सकती है। मैं आज भी मानती हूं कि इंडिया एक अच्छा देश है और यहां के लोग बहुत अच्छे हैं।

दंपती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा- ''बात यह है कि रेप या डकैती आपके साथ, आपके भाई के साथ, आपकी मां के साथ, आपकी बेटी के साथ, किसी के भी साथ हो सकती है। विश्व के किसी भी देश में कोई भी इससे मुक्त नहीं है। स्पेन में ऐसा कई बार हुआ है। यह पूरी दुनिया में हुआ है।

भाजपा नेता की अगवा कर हत्या

बीजापुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने बुधवार को फिर एक भाजपा नेता की हत्या कर दी। नक्सलियों ने भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के मंडल उपाध्यक्ष कैलाश नाग को अगवा कर लिया। इसके बाद कुल्हाड़ी से वार कर उनकी जान ले ली। मामला जांगला थाना क्षेत्र के कोटामेट्टा का है। पुलिस की ओर से बताया गया है कि, थाने से करीब 12 किमी दूर भुर्रीपानी में वन विभाग की ओर से तालाब निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। इस दौरान शाम करीब 4.30 से 5 बजे के बीच कुछ लोग पहुंचे और निर्माण कार्य में लगी जेसीबी में आग लगा और मालिक कैलाश नाग (40) की हत्या कर दी। नक्सलियों ने हत्या के बाद लाश को भूरीपानी और कोकमेंटा के बीच फेंका और वहां से भाग निकले। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कैदियों से उगाही, जेल अधिकारी-प्रहरी पर एफआईआर

बिलासपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ के उप जेल में बंदियों की पिटाई करने वाले जेल अधिकारी और प्रहरियों पर केस दर्ज किया है। हाईकोर्ट में मीडिया रिपोर्ट को जनहित याचिका मानकर बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान पीड़ित पक्ष ने बताया कि जेल में अवैध उगाही भी की जाती है। उन्होंने बतौर सबूत पेटीएम के जरिए ऑनलाइन वसूली की जानकारी दी, जिस पर हाईकोर्ट ने डीजीपी से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा है।

आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच भी कराई जा रही है। पीड़ित पक्ष की तरफ से एडवोकेट प्रियंका शुक्ला ने आवेदन पेश कर बताया कि जेल के भीतर अवैध वसूली के लिए जेल प्रहरी दबाव बनाते हैं और बंदियों और उनके परिजन को प्रताड़ित भी करते हैं। पैसे नहीं देने पर उन्हें परेशान किया जाता है।

सुनवाई के दौरान पहले डिवीजन बेंच ने कहा कि मारपीट करने और पैसे लेने वाले जेल अधिकारी और प्रहरियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, लेकिन ऐसे गलत काम के लिए पैसे देना अपराध है और इसे बढ़ावा देना है। इस स्थिति में उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। इस पर एडवोकेट शुक्ला ने कहा कि दबाव डालकर पैसे की उगाही की जाती है, तब कोर्ट ने कहा कि इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करनी चाहिए, आपकी तरफ से कभी शिकायत की गई है क्या?

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने पूछा कि किसके खाते में पैसे ट्रांसफर किए गए हैं, तब बताया गया कि अलग-अलग खातों में किस्तों में पैसे लिए गए हैं।

संविदा कर्मचारियों को अब 30 दिन अवकाश

मीसाबंदियों को पेंशन, एनआईए की तर्ज पर एसआईए का गठन, साय कैबिनेट का फैसला

रायपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। साय कैबिनेट की हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। किसानों के लिए राज्य सरकार कृषक उन्नति योजना शुरू कर रही है। इसके तहत किसानों को 19,257 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से आदान सहायता राशि दी जाएगी। वहीं मीसाबंदियों और उनके आश्रितों को सम्मान निधि और बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा। बैठक में राज्य सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद, वामपंथी उग्रवाद जैसे मामलों की जांच और कार्रवाई के लिए प्रदेश में राज्य इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के गठन का निर्णय लिया है। इसमें एसपी सहित 74 नए पद होंगे। ये एनआईए के साथ समन्वय के लिए राज्य की नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी। संविदा पर नियुक्त कर्मचारी को 18 दिनों के आकस्मिक अवकाश के स्थान पर 30 दिनों के आकस्मिक अवकाश की पात्रता होगी। राजीव नगर आवास योजना का नाम एक बार फिर बदलकर 'अटल विहार योजना' करने का निर्णय लिया गया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इस योजना का नाम 2021 में बदलकर राजीव नगर आवास योजना कर दिया था। अनुकंपा नियुक्ति के तहत कार्यालय में अग्रेषित आवेदन प्राप्त होने पर जिला कलेक्टर रिक्त पदों पर नियुक्ति करेंगे। जिले में पद रिक्त नहीं होने की स्थिति में आवेदन संभाग आयुक्त कार्यालय में भेज दिए जाएंगे।

गोड्डा सांसद ने सीबीआई से की सोरेन परिवार की शिकायत

9 पन्ने का लेटर लिखा, बताया- रांची, धनबाद, दुमका में गलत तरीके से संपत्ति अर्जित की

रांची, 7 मार्च (एजेंसियां)। जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन और उनके परिवार वालों की शिकायत एक बार फिर सीबीआई से की गई है। बेनामी संपत्ति अर्जित करने को लेकर यह शिकायत गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने की है। उन्होंने सीबीआई निदेशक को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने सांसद शिबू सोरेन और उनके पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। पत्र के माध्यम से अनुरोध किया है कि सीबीआई बेनामी संपत्ति की जांच करे और उचित कार्रवाई करे। पत्र में सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि सोरेन परिवार ने न केवल रांची बल्कि दुमका और धनबाद के अतिरिक्त राज्य के कई जिलों में गलत तरीके से संपत्ति अर्जित की है। दरअसल, सांसद निशिकांत दुबे ने लोकपाल से इससे पहले शिकायत की थी। तब भी लोकपाल ने सीबीआई से जांच करने को कहा गया था। मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंचा। इसके बाद हाल में कोर्ट ने शिबू सोरेन की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए फिर से सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। यह फैसला आने के बाद सांसद निशिकांत दुबे ने दोबारा सीबीआई से लिखित शिकायत कर जांच करने और कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। पूर्व में जब लोकपाल को शिबू सोरेन और उनके पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ शिकायत मिली थी।

देसी घी का मामला पहुंच गया एससी

दलीलें सुनकर जज भी हैरान, क्या हुआ फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के कानून के तहत 'घी' को पशुधन उत्पाद करार देते हुए राज्य सरकार की 1994 की उस अधिसूचना को बरकरार रखा है, जिसमें बाजार समितियों को इसकी बिक्री व खरीद पर शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है।

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में वैसे तो अक्सर ही बड़े-बड़े मामलों की सुनवाई होती है, लेकिन कुछ मामले ऐसे भी आते हैं, जिसे सुनकर जज तो क्या आम लोग भी हैरान हो जाएं। ऐसा ही एक मामला सुनवाई के लिए आया, जिसमें घी को लेकर सवाल उठाया गया था। इसमें याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि घी पशुधन उत्पाद नहीं है, क्योंकि यह सीधे तौर पर गाय और भैंस से नहीं मिलता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि घी को उसी पशु का उत्पाद माना जाएगा, जिसकी दूध से वह बना है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के कानून के तहत 'घी' को पशुधन उत्पाद करार देते हुए राज्य सरकार की 1994 की उस अधिसूचना को बरकरार रखा है, जिसमें बाजार समितियों को इसकी बिक्री व खरीद पर शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है। घी की खरीद-बिक्री पर मार्केटिंग चार्ज लगाने से जुड़े सवाल के अलावा सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना था कि क्या यह आंध्र प्रदेश (कृषि उपज और पशुधन) बाजार अधिनियम 1966 के प्रावधानों के तहत पशुधन उत्पाद है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा, 'यह तर्क निराधार है कि घी पशुधन उत्पाद नहीं है।

इसके उलट यह तर्क कि घी वास्तव में पशुधन उत्पाद है, तार्किक रूप से सही है। अधिनियम की धारा 2(वी) के तहत पशुधन को परिभाषित किया गया है, जहां गाय और भैंस निर्विवाद रूप से पशुधन हैं। घी एक दुग्ध उत्पाद है, जो पशुधन से बना होता है।' सुप्रीम कोर्ट अदालत ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ संगम मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी, जिसके साथ ही राज्य में बाजार समितियों के माध्यम से इसकी बिक्री व खरीद पर शुल्क लगाने का रास्ता साफ हो गया।

राम लाल कॉलेज में व्हाट्सएप पर आई बम की धमकी वाली कॉल, छात्रों को निकाला गया बाहर

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। राम लाल कॉलेज के स्टाफ को सुबह करीब 9:34 बजे व्हाट्सएप के जरिए बम की धमकी वाली कॉल मिली। तुरंत पुलिस एंबुलेंस, बीडीएस, बीडीटी के साथ कॉलेज पहुंची और छात्रों को बाहर निकाला गया। तलाश और जांच की जा रही है। अभी तक चेकिंग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। आगे के उपाय चल रहे हैं। डीसीपी साउथ वेस्ट रोहित मीना ने कहा कि कॉलेज प्रशासन ने तुरंत हमें सूचित किया। हमारी टीमें कॉलेज पहुंचीं और हमने कैंपस को खाली कराने के बाद पूरे कॉलेज कैंपस की गहनता से तलाशी ली।" बम का कोई निशान नहीं था।

'न बताऊंगा और न ही दिखाऊंगा'

चुनावी बॉन्ड मुद्दे पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर निशाना

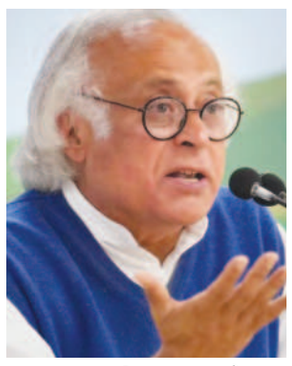

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अधिक समय मांगने पर कांग्रेस ने गुरुवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा लोगों के सामने अपने कॉर्पोरेट देनदारों का खुलासा करने से डर रही है। एसबीआई ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और राजनीतिक पार्टियों के चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक की मोहलत मांगी। पिछले महीने शीर्ष अदालत ने बैंक को छह मार्च तक चुनाव आयोग को विवरण देने का निर्देश दिया था।

भाजपा पर जयराम रमेश ने साधा निशाना

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा नए भारत में लुका-छिपी। देश जानना चाहती है, मोदी छिपा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, एसबीआई द्वारा बनाई गई प्रधानमंत्री चंदा छिपाओ योजना झूठ पर बनी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से तीन सप्ताह के भीतर विवरण उपलब्ध कराने को कहा था। एसबीआई ने शीर्ष अदालत से 30 जून तक का समय मांगा है, जो कि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद सुविधाजनक समय है। जयराम रमेश ने बताया कि एसबीआई ने यह बहाना दिया कि उन्हें 2019 के बाद से जारी किए गए 22,217 चुनावी बांड के खरीदारों का लाभार्थी दलों से मिलान करने में कई महीने लगेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमें मालूम है कि प्रत्येक चुनावी बॉन्ड को दो शर्तों के साथ बेचा जाता है। 1. विस्तृत केवाईसी, जिससे कि एसबीआई खरीदार को जान सकें। और दूसरा बॉन्ड का हिडेन सीरियल नंबर।

पीएम मोदी पर लगाया आरोप

कांग्रेस नेता ने बताया कि एसबीआई के पास देनदारों और प्राप्तकर्ताओं दोनों का डेटा है। उन्होंने कहा, वित्त मंत्रालय ने 2017 में रिकॉर्ड में कहा था कि खरीदार के रिकॉर्ड हमेशा बैंक के पास उपलब्ध होते हैं। प्रवर्तन एजेंसियों द्वार आवश्यकता पड़ने पर इसे निकाला जा सकता है। तो अब क्या बदल गया है? जयराम रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि सच तो यह है कि प्रधानमंत्री जनता के सामने अपने कॉर्पोरेट देनदारों का खुलासा करने से डरते हैं। उन्होंने आगे कहा, जो व्यक्ति पहले कहता था, न खाऊंगा, ना खाने दूंगा। अब वह कह रहा है, न बताऊंगा, न दिखाऊंगा। कांग्रेस ने एसबीआई द्वारा अदालत में याचिका दायर करने को लेकर भाजपा ने नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि वह बैंक को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं।

किसान आंदोलन पर हाईकोर्ट सख्त

किसान नेताओं से कहा-तलवारें लेकर कौन शांतिपूर्ण प्रदर्शन करता है

चंडीगढ़, 7 मार्च (एजेंसियां)। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन पर गुरुवार को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने किसान प्रदर्शनकारियों के आंदोलन करने के तरीके को लेकर उन्हें फटकार लगाई। वहीं खनौरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान किसान शुभकरण की मौत के मामले की जांच हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी। हरियाणा और पंजाब के दो दो अफसर कमेटी का हिस्सा होंगे। आंदोलन में बच्चों और महिलाओं को ढाल बनाने पर हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने कहा कि हाथों में तलवारें लेकर कैसा शांतिपूर्ण प्रदर्शन होता है। हाईकोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को गिरफ्तार कर चेन्नई भेज देना चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि क्या आप वहां जंग करने जा रहे हैं। हाईकोर्ट ने ये टिप्पणियां हरियाणा सरकार की तरफ से पेश तस्वीरों के आधार पर की। वहीं पंजाब और हरियाणा को शुभकरण की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज करने में देरी को लेकर कोर्ट की तरफ से फटकार लगाई गई। कोर्ट ने कहा कि पंजाब और हरियाणा सरकारें अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहीं।

योगी सरकार पर बरसीं प्रियंका: कहा- यूपी में जंगलराज

कानून नाम की कोई चीज नहीं, यहां महिला होना अपराध

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के मुद्दे पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि 'इस जंगल राज में महिला होना अपराध बन गया है।' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कानपुर में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार दो नाबालिग लड़कियों ने आत्महत्या कर ली थी और अब उनके पिता ने भी आत्महत्या कर ली है।

प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, 'कानपुर में सामूहिक दुष्कर्म से पीड़ित दो नाबालिग बच्चियों ने आत्महत्या कर ली। अब उन बच्चियों के पिता ने भी आत्महत्या कर ली है। आरोप है कि पीड़ित परिवार पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था। उत्तर प्रदेश में पीड़ित बच्चियां-महिलाएं अगर न्याय मांगती हैं तो उनके परिवारों को बर्बाद कर देना नियम बन चुका है। उन्नाव, हाथरस से लेकर कानपुर तक, जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ, उनके परिवार बर्बाद कर दिए गए।

इस जंगल राज में महिला होना भर अपराध हो गया है जहां कानून नाम की कोई चीज नहीं बची है। आखिर प्रदेश की करोड़ों महिलाएं क्या करें, कहां जाएं? पिछले महीने घाटमपुर इलाके के एक गांव में दो लड़कियों को ईंट भट्ठे के पास एक खेत में एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया था, जहां वे काम कर रही थीं। कथित तौर पर दुष्कर्म के कुछ दिनों बाद ये घटना हुई थी। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि कुछ दिन पहले ईंट भट्ठा के ठेकेदार रामरूप निषाद (48), उसके बेटे राजू (18) और भतीजे संजय (19) ने नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया था।

अतिरिक्त सीपी (कानून व्यवस्था) हरीश चंद्रा ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिवारों के अनुसार, आरोपियों ने 16 और 14 साल की लड़कियों को ब्लैकमेल करने के लिए इस कृत्य का वीडियो भी बनाया था, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

दिल्ली दंगा मामले में 11 आरोपी बरी

कोर्ट ने कहा- 'कोई लॉजिक या पॉसिबिलिटी नहीं है कि मुस्लिम जय श्री राम का नारा लगाएंगे या किसी मुस्लिम व्यक्ति को पीटेंगे'

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्वोत्तर दिल्ली दंगा 2020 के दौरान दयालपुर क्षेत्र में दंगा और आगजनी के मामले में 11 लोगों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 'कोई लॉजिक या पॉसिबिलिटी ही नहीं है कि मुस्लिम समुदाय की भीड़ में शामिल लोग जय श्री राम का नारा लगाएंगे या किसी मुस्लिम व्यक्ति को पीटेंगे।' इस ममाले को लेकर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा पॉसिबल है कि घटना को अंजाम देने वाले लोगों की भीड़ हिंदू समुदाय से थी। वहीं जांच अधिकारी (आईओ) और इस मामले के गवाह का आरोप था कि दो ग्रुपों की भीड़ ने एक दूसरे के खिलाफ नारे लगाए, एक-दूसरे पर पथराव किया और कई वाहनों में आग लगा दी। अभियोजन पक्ष ने दो चश्मदीदों के बयानों पर भरोसा किया, जिन्होंने नौ आरोपियों की पहचान की। इसके अलावा वीडियो से लाठियां ले जाने वाले दो आरोपियों की पहचान की गई। वहीं एक शिकायतकर्ता मोहम्मद मुमताज ने आरोप लगाया कि भीड़ 'जय श्री राम' के नारे लगा रही थी। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा मुमताज के बयान पर यह आरोप लगाना कि भीड़ नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध कर रही थी, यह झूठ गढ़ा गया है। बता दें कि दंगे के समय मोहम्मद मुमताज की किराए की दुकान 'संजर चिकन कॉर्नर' पर हमला किया गया था। वहीं कोर्ट ने दोनों चश्मदीद गवाहों की गवाही को खारिज करते हुए कहा कि 'अगर कोई आई विटनेस सचिन और दीपक के बयान को देखे, तो ऐसा लगता है कि यह बयान सामान्य ऑब्जर्वेशन और संजर चिकन शॉप में हुई घटना को देखे बिना दिया गया था।'

प्रेमिका के माता-पिता और मामा को उम्रकैद की सजा, बीच सड़क पर काटा था युवक का गला

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दूसरे समुदाय की लड़की के साथ प्रेम संबंध होने पर बीच सड़क पर गला काटकर की गई अंकित सक्सेना की हत्या के मामले में दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने प्रेमिका के माता मां शहनाज बेगम, पिता अकबर अली और मामा मोहम्मद सलीम को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही तीनों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार शर्मा ने सजा की अवधि पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। तीनों आरोपितों को दोषी करार देते हुए अदालत ने कहा था कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में सफल रहा कि अंकित की हत्या दूसरे समुदाय की लड़की के साथ प्रेम संबंध होने कारण की गई थी। अंकित सक्सेना मामले में आरोपितों को मिली उम्रकैद पर अंकित की मां का कहना है कि वे कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। आरोपितों को फांसी मिलनी चाहिए। जिस तरह का कृत्य उनका है, उस हिसाब से फांसी से कम सजा हो ही नहीं सकती। इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील होगी। पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर में फरवरी 2018 में अंकित सक्सेना की सरेआम गला काटकर हत्या कर दी गई थी। अदालत ने अंकित के दोस्त नितिन की गवाही दर्ज की थी। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने मोहल्ला छोड़ दिया था और ए-ब्लाक से मकान बदलकर बी-ब्लाक में आ गए थे। इस प्रकरण में पुलिस ने अप्रैल 2018 में लड़की के परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ तीस हजारी अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था और तीन मई 2018 को आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई सत्र अदालत में स्थानान्तरित कर दी गई थी। 25 मई 2018 को सत्र अदालत ने आरोपियों पर हत्या, हत्या की साजिश और मारपीट की धाराओं के तहत आरोप तय किए थे

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह बोले- '1979 में इंदिरा गांधी यहां आई थीं'

रतलाम, 7 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि मैं आपको इतिहास बता दूं, 1979 में इंदिरा गांधी यहां आई थीं और रात 12 बजे यहां एक सार्वजनिक बैठक हुई थी और उसके बाद वह 2 बजे एक और बैठक करने के लिए मंदसौर चली गईं। हम कल यहां (राहुल गांधी की) बैठक करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि आदिवासी क्षेत्र लंबे समय से कांग्रेस पार्टी का समर्थक रहा है, क्योंकि कांग्रेस ने ही इन्हें आजादी दिलाई है। कांग्रेस ने इन्हें जमीने दिलवाई, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई करवाई नौकरी दिलवाई, स्कॉलरशिप दी, मंत्री विधायक बनाया, मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद बनाया। ये सब बाबा साहेब अंबेडकर और पंडित जवाहरलाल नेहरु, इंदिरा गांधी और महात्मा गांधी की देन है। रतलाम में बुधवार को एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार में अंबानी-अडाणी जैसे पांच-दस प्रतिशत लोगों की ही जय हो रही है। वहीं उन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति के नहीं जाने पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि उनकी क्या गलती थी। वहीं उन्होंने कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन में गरीब, किसान, आदिवासी, दलित, मजदूर क्यों नहीं दिखाई दिए अंबानी, क्रिकेटर और बॉलीवुड स्टार दिखाई दिए।

दुश्मन की अब खैर नहीं

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टर; हेलफायर मिसाइलों से है लैस

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अमेरिका से मिले बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर एमएच 60आर सीहाक की पहली स्क्वाड्रन को अपने बेड़े में शामिल किया। इन्हें कोच्चि में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की मौजूदगी में आयोजित समारोह में आइएनएस गरुड़ पर तैनात किया गया। ये हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक हथियारों, सेंसरों और अन्य सुविधाओं से युक्त हैं।

इनके बेड़े में शामिल होने से नौसेना की माकर क्षमता में काफी इजाफा होगा। इन सीहाक हेलीकॉप्टरों के बेड़े में शामिल होने को नौसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि भारत ने फरवरी 2020 में अमेरिका से एमएच-60 आर हेलीकॉप्टर खरीदने का अनुबंध किया था। इसके तहत 2.6 अरब डॉलर की लागत से 24 एमएच 60 आर सीहाक हेलीकॉप्टर खरीदे जाने हैं। अमेरिका से खरीदे गए ये हेलीकॉप्टर नौसेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे ब्रिटेन में बने सी किंग हेलीकॉप्टर का स्थान लेंगे।

इन अत्याधिक हेलीकॉप्टर में कई मोड वाले रडार, हेलफायर मिसाइलें, नाइट विजन इक्विपमेंट, एमके 54 टारपीडो और राकेट लगे हैं, जो दुश्मन की सबमरीन को पलक झपकते ही नष्ट करने की दक्षता रखते हैं। ये हेलीकॉप्टर सबमरीन और सतह यानी दोनों जगह जंग से निपटने, तलाश और बचाव कार्य, चिकित्सीय आपात-स्थिति में सहायता देने में सक्षम हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में सीहक हेलीकॉप्टर की तैनाती भारतीय नौसेना को मजबूती देगी।

इंदौरा में चिट्टे के साथ महिला गिरफ्तार

धर्मशाला, 7 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत वीरवार को पुलिस थाना इंदौरा के मीलवा में एक महिला को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। नूरपुर पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ इस कार्यवाही के तहत आरोपित वीरो देवी पत्नी कंस राज निवासी टमोटा तहसील इन्दौरा जिला कांगड़ा के कब्जे से 10.09 ग्राम हीरोईन/चिट्टा बरामद किया है।

एसपी पुलिस जिला नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि उपरोक्त आरोपित को गिरफतार करके उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफतार आरोपित वीरो देवी पत्नी कंस राज एक शातिर व अभ्यस्थ अपराधी है जिस पर और भी कई मामले दर्ज हैं।

'एनसीपी ने उठाया सीट बंटवारे पर सवाल

अजित पवार गुट ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना के बीच सीट शेयरिंग पर अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल का बड़ा बयान सामने आया है। सीट शेयरिंग पर अब अजित गुट की तरफ से सवाल उठाए जा रहे हैं। एनसीपी नेता छगन भुजबल ने महायुति के लोकसभा सीट शेयरिंग पर सवाल उठाते हुए कहा, हमारे और शिवसेना के विधायकों की संख्या लगभग बराबर है। सीट का बंटवारा भी बराबर होना चाहिए। नाशिक में छगन भुजबल ने ये बयान दिया है।

महायुती गठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय!

महाराष्ट्र में एनडीए के अंदर सीट बंटवारे को लेकर एक लिस्ट सामने आई है जिसमें सूत्रों के हवाले से बताया गया है की एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना 12, अजित पवार गुट की एनसीपी 4 और बीजेपी 32 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। इसी फॉर्मूला पर अब छगन भुजबल ने ऐतराज जताया है। छगन भुजबल के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में खलबली मच गई है। महाराष्ट्र में लोकसभा की सीटों के बंटवारे को लेकर सभी पार्टियों में लगातार युद्ध स्तर पर बैठक चल रही हैं। महाराष्ट्र महायुती यानि बीजेपी, शिंदे शिवसेना और एनसीपी अजित पवार में भी सीटों की शेयरिंग को लेकर बैठक की जा रही हैं। दो दिन पहले बीजेपी आला कमान अमित शाह भी अजित पवार, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस से लोकसभा की सीटों को लेकर मुंबई में मीटिंग कर चुके हैं। अभी तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सामने नहीं आया है लेकिन अजीत पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने नासिक में दिए अपने एक बयान से सबको चौंका दिया है। उन्होंने कहा है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पास जितने विधायक हैं लगभग उतने ही विधायक हमारे पास भी हैं इसलिए लोकसभा सीटों का भी बंटवारा बराबर-बराबर होना चाहिए। जितना उनका हक है उतना हमारा भी। सीट आवंटन पर अभी फैसला नहीं हुआ है। शिंदे गुट और हमारे पास विधायकों की संख्या बराबर है। बीजेपी और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा था, उस समय मोदी लहर में चुने गए थे। हमारे उम्मीदवार धारा के विपरीत लड़े थे इसलिए सभी का सम्मान करना चाहिए।

इसलिए आपसी समझ से जगह का आवंटन किया जाना चाहिए। जो उम्मीदवार निर्वाचित हों उन्हें वह सीट मिलनी चाहिए विभागवार प्रतिनिधित्व होना चाहिए। अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल के इस बयान से महाराष्ट्र की एनडीए यानी महायुति में खलबली मच गई है। सबको यह लग रहा था कि लोकसभा की सीटों को लेकर जो फैसला बीजेपी लेगी, वही सबको मान्य होगा।

खरगे ने पूछा- आपको मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया? शिवराज ने करारा जवाब देकर यूं की बोलती बंद

भोपाल, 7 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के नेता शिवराज सिंह चौहान और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच जुबानी जंग हुई जब कांग्रेस नेता ने पूछा कि विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें (चौहान को) मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से क्यों हटना पड़ा। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत मध्य प्रदेश के बदनावर में रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने चौहान के उस बयान का जिक्र किया कि खरगे और राहुल गांधी महात्मा गांधी की इच्छा के अनुसार अपनी पार्टी को भंग कर रहे हैं। खरगे ने कहा, "शिवराज चौहान 15 दिन पहले गुलबर्गा आए थे। उन्होंने कहा कि खरगे और राहुल गांधी कांग्रेस को नष्ट करने के लिए काम कर रहे हैं।।।लोगों ने मुझसे चौहान के बयान के बारे में पूछा।" कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया, "मैंने कहा, उन्हें चौहान से पूछना चाहिए कि चुनाव जीतने के बावजूद उन्हें (मुख्यमंत्री पद से) क्यों हटाया गया। क्या कारण था? क्या कारण था कि मोदी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ने आपको करीब नहीं आने दिया?" वहीं, इस पर चौहान ने 'एक्स' पर पलटवार करते हुए कहा कि खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है। उन्होंने कहा कि 2013 के बाद से कांग्रेस 50 से अधिक चुनाव हार चुकी है और कई पूर्व मुख्यमंत्रियों व बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "उन्हें गिनते रहिए, जब तक कि पार्टी में उंगलियों पर गिने जा सकने वाले नेता न रह जाएं। खरगे जी, अब मुझे बताएं कि क्या राहुल जी और आप महात्मा गांधी के उस कथन को पूरा कर रहे हैं कि आजादी के बाद कांग्रेस को खत्म कर देना चाहिए।" चौहान ने कहा, "जब पूरा देश भगवान राम की भक्ति में डूबा हुआ था, तब कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। सनातन धर्म और भगवान राम के प्रति नफरत ही आपकी पार्टी के रसातल में जाने का कारण है।"

लालू यादव के निजी सचिव भोला यादव पर सीबीआई का एक्शन

3 के खिलाफ दायर की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

पटना, 7 मार्च (एजेंसियां)। नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई ने नौकरी घोटाले के लिए तत्कालीन रेल मंत्री के विशेष अधिकारी सहित 3 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया है। सीबीआई ने तीन आरोपितों अशोक कुमार, बबीता कुमारी और भोला यादव के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। भोला यादव लालू प्रसाद यादव के निजी सचिव थे। विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि भोला यादव लालू के सचिव थे, वे ही प्रबंधन कर रहे थे और उनके निर्देश ही अधिकारियों तक जाते थे। भोला यादव के कंप्यूटर से कुछ दस्तावेजी साक्ष्य भी प्राप्त किए गए थे। बता दें कि अदालत ने मामले में बीते वर्ष पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ समन जारी किया था। सीबीआई ने इस घोटाले में लालू, राबड़ी, उनकी बेटी मीसा भारती और 13 अन्य के खिलाफ अक्टूबर 2022 में मुख्य आरोप पत्र दायर किया था।

पीएमश्री विद्यालय योजना के द्वितीय चरण में राजस्थान में 237 विद्यालय का चयन

सबसे अधिक अलवर से चुने गए

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। पीएमश्री विद्यालय योजना के द्वितीय चरण में राजस्थान के 237 विद्यालय का चयन किया गया। पीएमश्री विद्यालय योजना में सबसे अधिक इस जिले से चुने गए स्कूल। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि पीएमश्री विद्यालय योजना के द्वितीय चरण में प्रदेश के 237 पीएमश्री विद्यालयों का चयन किया गया है। चतुर्वेदी ने बताया कि केंद्र प्रवर्तित पीएम श्री विद्यालय योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 402 विद्यालयों का चयन किया गया था। योजना में अब तक राज्य के कुल 639 विद्यालयों का चयन किया जा चुका है। योजना के द्वितीय चरण में अजमेर जिले में 10, अलवर 12, बांसवाड़ा 7, बांरा 6, बाड़मेर 8, भरतपुर 7, भीलवाड़ा 10, बीकानेर 7, बूंदी 7, चित्तौड़गढ़ 4, चूरू 9, दौसा 6,

धौलपुर 6 डूंगरपुर 4, हनुमानगढ़ 7, जयपुर 7, जैसलमेर 3, जालौर 8, झालावाड़ 4, झुन्झुनूं 9, जोधपुर 5, करौली 5, कोटा 5, नागौर 12, पाली 12, प्रतापगढ़ 5, राजसमन्द 8, सवाईमाधोपुर 3, सीकर 14, सिरोही 4, श्रीगंगानगर 7, टोंक 8, उदयपुर 8 विद्यालयों का चयन किया गया है।

विद्यालयों का सम्पूर्ण रूपान्तरण करना उद्देश्य

अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि पीएमश्री विद्यालय योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुशंसा के अनुरूप सभी स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण समान व समावेशी शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित कर विद्यालयों का सम्पूर्ण रूपान्तरण करना है।

पीएमश्री विद्यालय योजना के बजट होंगे कई कार्य

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया पीएमश्री विद्यालय योजना में प्राप्त बजट से चाइल्ड फ्रेंडली फर्निचर, अधिगम संवर्धन कार्यक्रम, 21वीं सदी के कौशल, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, एक्सपोजर विजिट, डिजिटल लाईब्रेरी, बालिकाओं हेतु किशोरावस्था कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा अन्तर्गत इंटर्नशिप, गाईडेंस एवं कॅरियर काउंलिंग, हरित विद्यालय गतिविधियां, सामुदायिक गतिशीलता, संस्था प्रधानों व शिक्षकों के क्षमता संवर्धन, योग शिक्षक, खेल मैदान, खेल सामग्री, हेल्थ केम्प व आधारभूत संरचनात्मक मजबूती के कार्य सम्पादित किए जाएंगे।

आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन की लड़ाई हमारी लड़ाई - राहुल

बांसवाड़ा.7 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी गुरुवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर बांसवाड़ा शहर में पहुंचे। यहां कॉलेज मैदान में सभा में राहुल ने घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए युवाओं के लिए भर्ती, भरोसा, पहली नौकरी पक्की, पेपर लीक से मुक्ति, युवा रोशनी जैसे पांच संकल्प दोहराए। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधने के साथ ही कहा कि देश में 50 प्रतिशत पिछड़े, आठ प्रतिशत आदिवासी, 15 प्रतिशत दलित एवं 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक है। देश में 90 प्रतिशत पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक होने के बावजूद भागीदारी कहीं पर भी नजर नहीं आ रही हैं। राहुल ने कहा कि देश की राष्ट्रपति आदिवासी है, लेकिन राम मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव में क्या उनका चेहरा दिखा। वहां किसान, मजदूर, गरीब, आदिवासी नहीं था। वहां उद्योगपति, अरबपति थे। देश में पांच प्रतिशत जो लोग है वो हर

संस्था को नियंत्रित कर रहे हैं। ये हिन्दुस्तान की प्रगति का सबसे बड़ा सवाल हैं। प्रगति करनी है तो एक ऐतिहासिक कार्य करना होगा। चोट लगने पर डॉक्टर कहता है एक्स रे कराओं। गरीब को चोट लग रही है ऐसे में एक्स रे व साथ में एमआरआई भी करा लो। राहुल ने कहा कि यह समझना होगा कि कितना पैसा किसके हाथों में है एवं कौनसी संस्था किसके नियंत्रण में है, ये पता करने पर आपको आपकी सच्ची शक्ति समझ में आएगी। राहुल ने अपने भाषण में जाति जनगणना की बात करने के साथ ही कहा कि आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन की लड़ाई हमारी लड़ाई है। इसके लिए हम आपके साथ खड़े है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस गरीबों के बारे में सोचती हैं। यह विचार करना होगा कि क्या भाजपा गरीब के बारे में सोच रही हैं। भाजपा सरकार में हर काम बंद हो रहा है। हमारी ओर से मजबूत की गई मनरेगा, अनिवार्य शिक्षा आदि को भाजपा ने कमजोर करने का काम किया है। जो-जो भी अच्छे कानून हम लाते हैं, उसे भाजपा बंद करने का काम करती हैं। हम काम करने के बावजूद हारते है ये बात चुभती हैं। ऐसे में यदि आप भाजपा को मजबूत करेंगे तो यह देश के लिए धोखा होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सरकार बनने पर हमारी घोषणा है कि युवाओं के लिए भर्ती भरोसा, पक्की नौकरी, पेपर लीक से मुक्ति, गरीबों के लिए आर्थिक न्याय व सामाजिक सुरक्षा, युवा रोशनी पर फोकस रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारी गारंटी मोदी जैसी नहीं हैं। हमारी गारंटी पक्की गारंटी होती हैं। नोटबंदी-जीएसटी से लोगों को बर्बाद किया। जो गरीबों को बर्बाद कर रहा है ,उसके भजन कर रहे हो। आप सभी एक रहेंगे तो मोदी सत्ता से भागेगा। ऐसे में आप सबकी एकता की जरूरत हैं। इससे पूर्व यात्रा मध्यप्रदेश के कुंडा से बांसवाड़ा जिले की सीमा में प्रवेश किया। दानपुर से लेकर शहर में पहुंचने तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने ढोल कुंडी की थाप पर गेर नृत्य के माध्यम से यात्रा का परंपरागत रूप से भी स्वागत किया।

राजस्थान के चार प्रख्यात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। संगीत, नृत्य, नाटक, लोक व जनजातीय कलाएं, कठपुतली और संबद्ध रंगमंच कला के क्षेत्र में 94 प्रतिष्ठित कलाकारों को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने वर्ष 2022-23 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया है। इनमें राजस्थान के चार प्रख्यात कलाकार भी शामिल हैं।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत, नृत्य, नाटक और लोक कलाओं में उत्कृष्टता हासिल करने वाले कलाकारों को वर्ष 2022-23 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया।

राजस्थान से वर्ष 2022 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रख्यात कलाकारों में सरोद वादक वसंत काबरा, अलाइड थिएटर आर्ट्स (लाइटिंग) में दौलतराम वेध, परंपरागत लोकसंगीत भपंग वादन के लिए गफूरुद्दीन मेवाती जोगी को और सारंगी वादन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मोईनुद्दीन खान को वर्ष 2023 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने इस समारोह में वर्ष 2022-23 के लिए अकादमी पुरस्कारों के अलावा 7 प्रतिष्ठित कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप भी प्रदान की। संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) प्रदर्शन कला के क्षेत्र में कलाकार को उसके प्रदर्शन और कला में असाधारण योगदान के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

किसानों ने अब 'डबल इंजन' सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, जानें किस तरह से आगे बढ़ेगा आंदोलन?

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के प्रमुख किसान संगठनों में से एक किसान महापंचायत ने राज्य सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी को लेकर कानून बनाने की मांग की है। इस मांग को लेकर ये संगठन लंबे वक्त से आंदोलनरत है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी सहित कई अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन जारी है। इस आंदोलन में जहां पंजाब-हरियाणा के कई किसान संगठन दिल्ली कूच का बार-बार आह्वान कर रहे हैं, वहीं राजस्थान के किसानों ने भी इसी तरह का क़ानून राज्य में बनाये जाने को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

प्रदेश के प्रमुख किसान संगठनों में से एक किसान महापंचायत ने राज्य सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी को लेकर कानून बनाने की मांग की है। इस मांग को लेकर ये संगठन लंबे वक्त से आंदोलनरत है। लेकिन मांगे नहीं माने जाने पर अब महापंचायत ने 'डबल इंजन' की सरकार को घेरने के लिए नई रणनीति बनाई है।

किसान महापंचायत के नेता रामपाल जाट ने कहा है कि एमएसपी की गारंटी सहित कई मांगों को लेकर जारी आंदोलन को 14 साल पूरे होने को हैं, लेकिन राज्य में किसी भी सरकार ने इन्हें पूरा नहीं किया। ऐसे में किसान एक बार फिर आंदोलन के ज़रिये अपनी आवाज़ राज्य और केंद्र सरकार तक पहुंचाएगा।

पहले होगा जयपुर कूच

किसान महापंचायत अध्यक्ष

रामपाल जाट ने जयपुर में एक प्रेस कांफ्रेंस के ज़रिए आगामी आंदोलन की जानकारी दी। उन्होंने 11 मार्च को अजमेर से जयपुर तक ट्रेक्टर रैली से कूच का इरादा भी बताया।

इस कूच में लगभग 500 ट्रैक्टरों के साथ किसान अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे।

फिर दिल्ली करेंगे कूच

किसान महापंचायत के इस आंदोलन की रणनीति के मुताबिक़ अगर राजस्थान की सरकार एमएसपी गारंटी पर क़ानून बनाने के प्रति सकारात्मक रुख नहीं दिखाती है, तो फिर किसान जयपुर से दिल्ली की ओर कूच करेंगे।

'गांव बंद' का भी ऐलान

किसान महापंचायत ने आंदोलन की रूपरेखा में 'गांव बंद' का भी ऐलान किया है। किसान नेता रामपाल जाट ने कहा कि सरकार किसान आंदोलन को दबाने की भरपूर कोशिशें कर रही हैं।

आगामी आंदोलन में यदि सरकार ने कहीं व्यवधान डाला तो 'गांव बंद' आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'गांव बंद' आंदोलन में राजस्थान के लगभग 45 हज़ार से भी ज़्यादा गांव शामिल होंगे। इसके तहत आपातकालीन स्थिति को छोड़कर कोई भी ग्रामीण गांव से बाहर की यात्रा नहीं करेगा।

अगले सप्ताह आ सकती है भाजपा की दूसरी लिस्ट

नए चेहरों की एंट्री के साथ कइयों के टिकट कटेंगे

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। आने वाले एक सप्ताह में प्रदेश में लोकसभा चुनावों पर कांग्रेस व भाजपा के उम्मीदवारों की स्थिति साफ हो जाएगी। बीजेपी की पहली सूची में 15 नाम घोषित हो चुके हैं। अब जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, भीलवाड़ा, दौसा, गंगानगर, झुंझुनू, करौली-धौलपुर, टोंक-सवाई माधोपुर व राजसमंद पर प्रत्याशियों के नामों का ऐलान बाकी है।

माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर सीटों पर टिकट बदले जा सकते हैं। जयपुर ग्रामीण से भाजपा राव राजेंद्र सिंह को आगे कर सकती है। राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा सीट से चुनाव लड़ते रहे हैं, जो जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट का हिस्सा रही है। यहां के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार में मंत्री बन चुके हैं।

वहीं टोंक-सवाई माधोपुर से मौजूदा सांसद सुखबीर सिंह जोनापुरिया का टिकट कट सकता है। पार्टी उनकी जगह कर्नल किरोड़ीसिंह बैंसला की बेटी सुनीता गुर्जर का नाम आगे करना चाहती है। इस पर लगभग सहमति भी बन चुकी है।

अजमेर जा सकते हैं सतीश पूनिया

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया का नाम अजमेर लोकसभा सीट को लेकर चर्चाओं में है। हालिया विधानसभा चुनावों में पूनिया आमेर सीट से चुनाव हार गए थे।

जयपुर शहर और भीलवाड़ा सीट पर होंगे नए चेहरे

हालांकि जयपुर शहर की सीट पर मौजूदा सांसद रामचरण बोहरा बीते दो लोकसभा चुनावों में रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करा चुके हैं लेकिन पार्टी इस बार यहां से चेहरा बदल सकती है। संभावित नामों में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के साथ शैलेंद्र भार्गव और सुनील कोठारी का नाम शामिल हैं।

हालांकि जयपुर शहर की सीट का टिकट भीलवाड़ा पर निर्भर करेगा। भीलवाड़ा में यदि वैश्य को टिकट मिलता है तो जयपुर शहर में ब्राह्मण को दिया जाएगा। भीलवाड़ा में मौजूदा सांसद सुभाष बहडिया के बदले दामोदर अग्रवाल या लक्ष्मीनारायण डाड के नाम पर चर्चा की जा सकती है।

राकेश जैन और प्रेम गोचर को इसलिए बनाया भाजपा जिलाध्यक्ष

कोटा, 7 मार्च (एजेंसियां)। कोटा। भाजपा लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। चुनाव के ऐनवक्त पहले भाजपा ने कोटा में नए जिलाध्यक्षों को कमान सौंपकर चौंका दिया है। जिलाध्यक्ष के नाम भी चौंकाने वाले हैं। भाजपा ने कोटा शहर के जिलाध्यक्ष की कमान राकेश जैन को सौंपी है। वहीं देहात में प्रेम गोचर को फिर से मौका दिया है।

राकेश जैन वर्तमान में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक है और शहर के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन जनरल मर्चेन्ट्स एसोसिएशन (GMA) के अध्यक्ष है। राकेश जैन कोटा के सबसे बड़े नेता के विश्वस्त

माने जाते हैं जैन उन्हें अपना राजनीतिक गुरू मानते हैं। सहकार नेता हरिकृष्ण बिरला के भी नजदीकी है। रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट राजेश बिरला की भी पंसद माने जाते हैं। बिरला परिवार के पारिवारिक सदस्य में गिनती की जाती है। जैन कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र से प्रमुख दावेदार थे, लेकिन ऐनवक्त पहले बदले राजनीतिक समीकरण में चलते उनको मौका नहीं मिला। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने में जुटे रहे। दक्षिण और लाडपुरा में भाजपा के विधायक है। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए जैन को मौका दिया गया है। संघनिष्ठ भी है। विधायक संदीप शर्मा भी जैन के नाम पर सहमत थे। माना जा रहा है कि इसलिए राकेश जैन को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पीपल्दा से प्रत्याशी बनाया, हारे तो फिर जिलाध्यक्ष बनाया

प्रेम गोचर भी बिरला परिवार के बहुत नजदीकी है। गोचर को विधानसभा चुनाव के कुछ महीनों पहले ही देहात का जिलाध्यक्ष बनाया गया था। बाद में पीपल्दा से भाजपा ने विधानसभा में उम्मीदवार बनाया था, लेकिन गोचर हार गए थे। योगेन्द्र नंदवान को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बना दिया था। अब प्रेम गोचर को पुनः देहात जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

चर्चा का विषय बना ये मेमना

8 लाख में भी नहीं बेच रहा मालिक

बाड़मेर, 7 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले से इन दिनों एक मेमना (बकरी का बच्चा) चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी चर्चा का मुख्य कारण मेमना के शरीर पर उर्दू में बना हुआ अल्लाह का नाम है। लोगों ने इसे खरीदने के लिए 8 लाख तक की कीमत लगा दी है लेकिन मेमना के मालिक ने इसके लिए भी इंकार कर दिया और इसकी कीमत 15 लाख रुपए बताई है। मेमना की ये है खासियत लग्जरी कार से भी महंगा ये मेमना 3 महीने का है जो सुबह शाम चने की दाल और बाजरा खाता है। 15 लाख के इस मेमना की खासियत है कि इसके शरीर पर एक और चांद का निशान और एक और उर्दू में अल्लाह का निशान बना हुआ है। इसी कारण लोगों ने इसकी कीमत 8 लाख तक पहुंचा दी है, लेकिन मालिक ने इसकी कीमत 15 लाख तक बताई हुई है और कहा है कि ईद के टाइम इसकी कीमत और बढ़ जाएगी। इस महीने में मुस्लिम समाज के रोज़े शुरू हो रहे हैं जिसके बाद ईद मनाई जाएगी। ईद के मौके बकरे का महत्व बढ़कर दुगना हो जाएगा।

अनियंत्रित कार में लगी आग, 3 लोगों की जलने से हुई मौत

सीकर, 7 मार्च (एजेंसियां)। जिले के काछवा गांव के पास देर रात एक अनियंत्रित कार के पेड़ से टकरा जाने से उसमें आग लग गई और कार में बैठे तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार सवार तीनों लोग किसी शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज गति होने के कारण कार चालक कार पर से अपना नियंत्रण खो बैठा और कार पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद गाड़ी में आग लग गई, जिससे गाड़ी में बैठे तीनों लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया और तीनों शवों को कार से निकलवाकर कल्याण अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

सोने के खजाने का झांसा देकर ठगे सवा दो करोड़ रुपए

श्री गंगानगर, 7 मार्च (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र दुर्गा मंदिर के पास खाली भूखंड के नीचे दबे सोने के खजाने का झांसा देकर 2 करोड़ 33 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बीकानेर के तांत्रिक और उसके चेलों समेत नौ जनों के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। इस मामले की जांच कोतवाली सीआई पृथ्वीपाल सिंह को सौंपी गई हैं। हरमिलापी कॉलोनी निवासी प्रेम कुमार पुत्र नानक चंद्र ने एसपी के समक्ष परिवाद दिया। इसके आधार पर यह मामला दर्ज किया गया।

परिवादी प्रेमकुमार ने बताया कि तीन साल पहले उसने दुर्गा मंदिर मार्केट क्षेत्र में एक भूखंड 9 जून 2021 को खरीद किया था। यह प्लाट बाहर से बंद है, इसके पीछे का रास्ता सुरेश ग्रोवर के घर से जाता हैं। उसे सुरेश ग्रोवर ने बताया कि इस भूखंड में सोने का खजाना दबा हुआ हैं। यदि निकालने की प्रक्रिया पूरी होती है तो उसे आधा सोना देना होगा। इसकी बातों पर वह सहमत हो गया और उसे बीकानेर के तिलक नगर निवासी तांत्रिक अताउल्ला कुरैशी को बुलाया। इस तांत्रिक ने पहले चूने की पुडी से आग लगने का चमत्कार दिखाया और फिर बोला कि तांत्रिक तरीके से यह खजाना निकालना होगा। पहले दस लाख रुपए दिए, फिर कलेर शरीफ की दरगाह पर 11 घोड़ो की बलि के एवज में दस लाख रुपए, इसके बाद बरेली में जाकर मंत्र पढ़ने, नागौर में गुरु हिमदुल्ला रिजवी की मदद लेने के नाम पर लाखों रुपए कुल दो करोड़ 33 लाख रुपए की वसूली की गई।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

30 लाख एमडी के साथ सप्लायर को दबोचा

बीकानेर, 7 मार्च (एजेंसियां)। जिला पुलिस डीएसटी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशे के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर व्यास कॉलोनी थाना पुलिस ने मूर्ति सर्किल के पास बाइक सवार एक युवक को 30 लाख रुपये की एमडी के साथ पकड़ा है।

पुलिस की गिरफ्त में आए युवक से 100 ग्राम एमडी बरामद हुई है। शहर में लंबे समय से खतरनाक नशा एमडी की खरीद-फरोख्त होने की जानकारी डीएसटी को मिल रही थी। डीएसटी प्रभारी कुलदीप चारण और कांस्टेबल अब्दुल सत्तार ने एमडी सप्लायर और खरीद-फरोख्त करने वालों के बारे में सूचना जुटाई।

फैंसी स्टोर पर फायरिंग का इनामी मास्टर माइंड पुलिस गिरफ्त में, 50 लाख की रंगदारी मांग रहा था

झुंझुनू, 7 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के पिलानी में उत्तम फैंसी स्टोर पर फायरिंग कर पचास लाख की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने हरियाणा से मास्टर माइंड सूरज नायक उर्फ घुंडी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी पर 15 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। उस पर पहले ही आर्म्स एक्ट में पांच मामले दर्ज हैं। कस्बे के चांडक मार्ग स्थित उत्तम सुपर स्टोर के संचालक आशीष अग्रवाल ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी थी कि बीती 27 दिसंबर को स्थानीय बदमाश सूरज नायक ने उसके मोबाइल पर कॉल करके 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद 28 दिसंबर की शाम मोटर साइकिल पर आए दो लड़के उसके स्टोर पर फायरिंग करके फरार हो गए थे ।

घटना के बाद कस्बे में बढ़ते अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए व्यापारियों ने बाजार बंद रखे थे। पुलिस ने घटना के 10 दिन बाद फायरिंग करने वाले पिलानी के मुकुल नायक और श्यामपुर के अंकित जांगिड़ को गिरफ्तार भी कर लिया था लेकिन वारदात का मास्टर माइंड और मुख्य आरोपी सूरज नायक घटना के बाद से ही फरार था। थानाधिकारी नारायण सिंह कविया ने बताया कि पुलिस की टीमें लगातार सूरज उर्फ घुंडी के पीछे लगी हुई थीं। उसकी तलाश में कई जगह छापेमारी के बाद अब आरोपी को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया गया है।

वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक की आम सभा संपन्न

बैंक आर्थिक रूप से मजबूत व संपन्न बैंक की श्रेणी में पहुंचा : चेयरमैन डागा

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद स्थित वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड की 56वीं आम सभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें चेयरमैन रितेश कुमार डागा ने कहा कि, वर्ष 2022-2023 के बेहतर कार्य निष्पादन व प्रबंधन आधारित वर्धमान बैंक आर्थिक रूप से मजबूत व संपन्न बैंक की श्रेणी में पहुंचा है।

इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद के वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड की 56वीं आम सभा की बैठक संपन्न हुई। चेयरमैन रितेश कुमार डागा ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान चेयरमैन रितेश कुमार डागा ने कहा कि, बैंक के निरीक्षण, लेखापरीक्षा तथा अनुपालन कार्यों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा बैंक का साइबर सिक्योरिटी ऑडिट आयोजित की गई और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। इस वर्ष में बैंक पुराने सभी हार्डवेयर चेंजिन्ग की प्रक्रिया की तैयारी में जुटी है। लोथुकुंटा शाखा को अत्याधुनिक बैंकिन्ग सुविधाओं सहित प्रमुख स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है एवं महावीर अस्पताल स्थित एक्सटेंशन काउंटर को संपूर्ण शाखा के रूप में अद्यतन किया गया है एवं बैंक निकट भविष्य में बैंक की 2 और नई शाखाएं खोलने जा रही है। चेयरमैन ने अपने भाषण में बैंक सदस्यों, निदेशकों, बीओएम सदस्यों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, तेलंगाना राज्य सहकारी विभाग, तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंकों, बैंक फेडरेशन लिमिटेड, स्टाफ और ग्राहकों को उनके समर्थन और मार्गदर्शन के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

वरिष्ठ उपाध्यक्षा श्रीमती निर्मला डागा, प्रोफेशनल डायरेक्टर शांतिलाल डागा ने भी अपने विचार रखें। इस बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडीएनवी प्रसाद, निदेशक तुषार सावला और महेंद्र कुमार जैन गोलेचा, निदेशकों, शेयरधारकों और बैंक कर्मचारियों व सदस्यों ने भी भाग लिया।

अरापत्रित अधिकारी संघ की बैठक

हनुमाकोंडा, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला सूबेदारी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय सभागार में गुरुवार को तेलंगाना अराजपत्रित अधिकारी हनुमाकोंडा संघ के स्थायी परिषद की बैठक संपन्न हुई। इसमें कार्यकारी समूह के साथ विधायक रेवुरी प्रकाश रेड्डी ने साथ भाग लिया। कार्यक्रम में होनान राजपत्रित अधिकारी संघ हनुमाकोंडा के जिला अध्यक्ष अकुला राजेंदर, महासचिव बैरी सोमन्ना और उनकी कार्यकारी समिति, सेवानिवृत्त अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे।

सीएम रेवंत कृत्रिम सूखा पैदा कर रहे हैं : कविता

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने आज कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का रवैया कृत्रिम सूखे की ओर ले जा रहा है।

गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में कविता ने कहा कि भले ही कालेश्वरम जैसी परियोजना है, लेकिन कांग्रेस सरकार में इसका उपयोग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह महिला आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेंगी। जीओ नंबर 3 के कारण सरकारी नियुक्तियों में महिलाओं के लिए आरक्षण के कार्यान्वयन में हो रहे अन्याय के खिलाफ हम शुक्रवार को धरना देंगे। सरकार ने अभी तक हमारे कल के उपवास की अनुमति नहीं दी है। हम कुछ और समय इंतजार करेंगे और शअनुमति के लिए अदालत जाएं। कविता ने कहा कि उनका हमेशा से 'जागृति' नामक एक संगठन है और उन्होंने कहा कि उनके संगठन की ओर से संघर्ष को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के फैसलों को प्रभावित नहीं कर सकतीं और उन्हें पार्टी के फैसले के मुताबिक काम करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अरविंद को हराना लक्ष्य हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस अपना जनविरोधी शासन जारी रखे हुए है और मुझे राज्य में अलग तेलंगाना आंदोलन के दिनों की याद दिलाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियां क्षेत्रीय पार्टियों के साथ एकजुट होने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला मामला कोई मामला नहीं है। एमएलसी कविता ने कहा, केंद्रीय एजेंसियां शराब मामले को टीवी सीरियल की तरह खींच रही हैं। मुझे भी उस मामले में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम मामले को देखेगी। मैं शराब मामले में पीड़ित हूं। मैं हमेशा इस पर लड़ती रहती हूं। वे जानबूझकर मुझे राजनीतिक रूप से शर्मिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम डरते नहीं हैं और महिलाओं के लिए लड़ना जारी रखेंगे, कविता ने यह पूछते हुए कहा कि आदर्श घोटाले का क्या हुआ। उन्होंने निष्क्रिय होने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रमुख समुदायों को कैबिनेट में जगह नहीं मिली।

चुनाव के दौरान खर्च को नियंत्रित करने की व्यवस्था मजबूत करें

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुए तेलंगाना चुनावों के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा झूठे चुनाव खर्च प्रस्तुत करने पर मुद्दा उठाते हुए, फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने चुनाव व्यय को नियंत्रित करने की प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारत के चुनाव आयोग को एक ज्ञापन दिया। उन्होंने ईसीआई से आगामी चुनावों में वोटों की खरीद और शराब के जरिए मतदाताओं को लुभाने पर नियंत्रण करने का अनुरोध किया।

आरपी अधिनियम की धारा 77 के अनुसार, चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन की तारीख और परिणाम घोषित होने की तारीख के बीच चुनाव के संबंध में किए गए सभी खर्चों का एक अलग और सही हिसाब रखना होगा। परिणाम घोषित होने के 30 दिन के भीतर हिसाब-किताब जमा करना होगा। इसके अलावा भारत के सर्वोच्च न्यायालय (एल.आर. ईश्वरा गौड़ बनाम टी.एम. चंद्र शेखर ए.आई.आर. 1999 एस.सी. 252) ने कहा है कि उम्मीदवार न केवल समय के भीतर खाते जमा करेंगे बल्कि सही और सही खाते भी रखेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 40 लाख रुपये की सीमा तय की थी। चुनाव के बाद, जिला कलेक्टरों ने उम्मीदवारों से खाते प्राप्त किए और उन्हें मुख्य निर्वाचन कार्यालय (सी.ई.ओ.) की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। चुनावी खर्च का हिसाब-किताब देखने पर उम्मीदवारों द्वारा दिखाया गया खर्च 20 लाख से 35 लाख रुपये तक है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाते हैं, और वे नियमित रूप से व्यय विवरण की जांच करते हैं और खातों को प्रमाणित करते हैं।

फिर, आखिरी के दौरान विधानसभा चुनाव, जिला कलेक्टरों और सीईओ तेलंगाना ने चुनाव के दौरान जब्त किए गए धन का दैनिक हिसाब दिया। एक बार चुनाव संपन्न होने के बाद, यह बताया गया कि करीब 800 करोड़ रुपये नकद और बड़ी मात्रा में सोने के गहने पकड़े गए थे। लेकिन क्या हुआ जब्त किया गया पैसा और सोना? फ़ोरम फ़ॉर गुड गवर्नेंस के अनुसार, राज्य में उम्मीदवारों द्वारा वोट ख़रीदने और अन्य कोड उल्लंघन करने का कुख्यात ट्रैक रिकॉर्ड है।

अनुसंधान केंद्र इमारत में हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, हैदराबाद में हिंदी कार्यशाला गुरवार को संपन्न हुई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रबंध सेवा निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष डीपी अनिल कुमार ने की।

इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य संतोष कुमार सतनामी, डॉ पी अनिल कुमार, काज़िम अहमद ने अपने विचार रखें। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ एस रविचंद्र राव, संजय कुमार गुप्ता ने व्याख्यान दिए। कार्यशाला में पवन कुमार, गौतम कुमार महतो के साथ विभिन्न कार्यस्थलों से पैंतीस 35 सहभागियों ने भाग लिया।

अग्र महिला मंच द्वारा मनाया गया होली पर्व

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच द्वारा लेक फ्रंट पार्क में होली पर्व मनाया गया। 60 महिलाओं ने इसमें भाग लिया। महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व का आनंद लिया। साथही अलग अलग खेल खेले गये। इसके विजेताओं को मंच द्वारा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। होली को समर्पित भजन भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग, दीपा गर्ग, मंत्री अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल, मधु गोयल, सरला अग्रवाल, कौशल्या सोनी, अर्चना अग्रवाल, संगीता देवड़ा, प्रभावती अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, संजीता अग्रवाल, सीमा गर्ग आदी महिलाएं उपस्थित थी।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अहम : रेवती

आसिफाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध कवि देवराज रेवती ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नलगोंडा तिरूपति हाउस में आयोजित 80वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के अवसर पर कवयित्री रेवती ने कहा कि आज की महिलाओं को अपने बच्चों को कम उम्र में ही दया, प्रेम और मानवता के मूल्यों के साथ संस्कारी इंसान बनाना चाहिए, तभी समाज का निर्माण होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्र तभी प्रगति और

विकास हासिल करेगा जब महिलाएं शिक्षा, नौकरी, राजनीति और समाज में आगे बढ़ेंगी।

उन्होंने कहा कि वह युवा महिलाओं और युवाओं को जागृत कर रहे हैं। अगर महिलाओं को उचित स्थान दिया जाए। वे प्रदेश के राष्ट्रीय स्तर पर उच्च पदों पर प्रतिष्ठित होंगे।

कवि सम्मेलनम् में कवि देवराजू रेवती, सरिता, श्रीदेवी, हरिप्रिया, श्रीलता, ज्योति, गौरी, अथिवाला ने कविताएं प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में कवि मदुगुला नारायण मूर्ति, गुरला वेंकटेश्वरलू नलगोंडा, रमेश राजन्ना, मधुकर शर्मा, राधाकृष्ण चारी, राजन्ना किल्ली, वेंकटराव श्रीराम सत्यनारायण, मदिशेट्टी श्रीनिवास किल्ली, वेंकटराव दिल्ली, विजय कुमार अन्य लोगों ने भाग लिया।

राजस्थानी मित्र मंडल की नई कार्यकारिणी गठित सोहनसिंह राजपुरोहित बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धम्माईगुडा स्थित भवानी फंक्शन हॉल में विशेष मीटिंग आयोजितकर सर्वसहमति से राजस्थानी मित्र मंडल की आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे सोहनसिंह राजपुरोहित सर्वसहमति से पुन: अध्यक्ष चुने गये।

सचिव नेमाराम पंवार ने बताया कि नई कार्यकारिणी का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। ठाकुरजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर नवनिर्वाचित चेयरमैन ताराराम गेहलोत, भोलाराम सोलंकी, अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष 1 मोटाराम बर्फा, उपाध्यक्ष 2 सुरेन्द्र सिंह राजपूत, सचिव नेमाराम पंवार, सहसचिव 1 रुपाराम सैंणचा, सहसचिव 2 नेमाराम काग, कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार सीरवी, कोषाध्यक्ष 1 राजुराम सिन्दड़ा, समाज विस्तारक व मीडिया प्रचारक परबतसिंह सोलंकी नवरात्रि कार्यक्रम चेयरमैन डुंगाराम सोलंकी, होली महोत्सव कार्यक्रम चेयरमैन छज्जाराम सोलंकी, अमराराम देवड़ा, अमराराम पंवार, शिक्षा समिति तेजाराम काग, ओमप्रकाश, उदाराम, देवाराम, मगाराम बर्फा, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश कुमावत, प्रकाश सोयल, तिलोकराम, भीमाराम, सोहनलाल पंवार, श्रवणकुमार माली, दामोदर शर्मा, राम बाबु माली, शिवलाल, रमेश कुमावत, सुजाराम, बनवारी पंडितजी, गणेशराम, पुनाराम सोलंकी, डालुराम कुमावत, मोटाराम, धर्माराम, गोविन्दराम, जीवाराम सीरवी, अमराराम, कुपाराम, रमेश सीरवी, अमराराम देवड़ा, दलाराम, दिनेश जाट का राजस्थानी साफे, पुष्प माला व शॉल से सम्मान किया गया। सर्वसहमति से अध्यक्ष चुने जाने पर सोहनसिंह राजपुरेहित ने सभीसदस्यों का तहदिल से आभार प्रकट किया एवं भरोसा दिलाया कि उनके कार्यकाल में सभी को साथ लेकर हर सम्भव विकासशील कार्य व समस्याओं के समाधान पर सर्वसहमति से विचार-विमर्श किया जाएगा।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा आज महाशिवरात्रि महोत्सव

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्य नगर द्वारा श्री राम दरबार स्थित श्री विजय शंकर शिवालय पर शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस संदर्भ में बैठक अध्यक्ष श्याम सुंदर उपाध्याय की अध्यक्षता में सिखवाल भवन में हुई। जिसमें शुक्रवार 8 मार्च को होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा की गई। सुबह आचार्य गजानन कृष्ण तिवारी व वासुदेव तिवारी के उपस्थिति में विधिवत रुद्राभिषेक होगा और रात में भजन संध्या होगी। बैठक में उपाध्यक्ष रामदेव नागला, रामदेव व्यास, रामनिवास ओझा व धीरज उपाध्याय, सतवीर उपाध्याय, लखन तिवारी, द्वारका प्रसाद पांड्या उपस्थित थे।

तेलंगाना ने बिजली आपूर्ति में नया रिकॉर्ड बनाया

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डिस्कॉम ने बिजली आपूर्ति में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। दोनों डिस्कॉम ने 6 मार्च को एक ही दिन में अब तक की सबसे अधिक 298.19 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति दर्ज की। बिजली वितरण कंपनियों ने पिछले साल 14 मार्च को 297.89 मिलियन यूनिट बिजली आपूर्ति के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।राज्य सरकार ने बुधवार को पूरे तेलंगाना राज्य में बिजली उपभोक्ताओं को अब तक की सबसे अधिक 298.19 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति करके ऊर्जा क्षेत्र में एक नया रिकॉर्ड बनाया।

ऑडिट टीम ने बासर मंदिर का निरीक्षण किया

निर्मल, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑडिट अधिकारियों की एक टीम ने बुधवार को बासर सरस्वती देवस्थानम में निरीक्षण किया। प्रदेश स्तर के अधिकारी मंदिर के अभिलेखों की जांच कर रहे है, यह ऑडिट करीब 10 दिनों तक की जाएगी। मंदिर में 2014 से अब तक हुए भुगतान और अन्य गणनाओं की जांच की जाएगी। यह नियमानुसार हो रहा है या नहीं यह ऑडिट में सामने आएगा। पिछले कुछ वर्षों में मंदिर में विभिन्न खर्चों के कई आरोप लगे हैं। हर साल श्रद्धालु

रुपए दान करते हैं। आलोचनाएं हो रही हैं कि करोड़ों की धनराशि बर्बाद हो रही है। कुछ दिनों बाद स्थानीय लोगों ने मंदिर में धन के दुरुपयोग को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। राज्य कर विभाग के अधिकारी भी पिछले चार साल में एक-दो बार जांच कर चुके हैं। मूल विभाग ने निष्कर्ष निकाला कि लेनदेन नियमों के विरुद्ध थे। देखना होगा कि राज्य स्तरीय अधिकारियों की टीम द्वारा की जाने वाली इस ऑडिटिंग में किस तरह की त्रुटियां और अनियमितताएं सामने आती हैं। फिलहाल मंदिर इवो छुट्टी पर चले गए हैं। आदिलाबाद के सहायक आयुक्त देवदाय प्रभारी हैं।

हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान और पूजा करने की है : जिला एसपी

निर्मल, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला एसपी डॉ जी जानकी शर्मिला ने कहा की हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान और पूजा करने की है। इस अवसर पर एसपी ने जिले की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 8 मार्च को छुट्टी की घोषणा की। कार्यक्रम में जिले के भरोसा सेंटर में कार्यरत सभी महिला अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। एसपी ने कहा की महिलाएं कई क्षेत्रों में अप्रतिम नेतृत्व निभा रही हैं। महिलाएं समाज की प्रेरणा हैं और समाज की हर महिला कुछ हासिल करना चाहती है।

इस अवसर पर जिला पुलिस विभाग में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला अधिकारियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले भर में कार्यरत लगभग 100 महिला पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कांतिलाल, एएसपी भैंसा, गंगारेड्डी डीएसपी निर्मल, एओ यूनुस अली, आरआई शैलेन्द्र, सीआई निर्मल अनिल और आरएसआई, एसआई, डीपीओ स्टाफ ने भाग लिया।

चिंतालमेट में हत्या के मामले में पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अट्टापुर पुलिस ने गुरुवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जो तीन दिन पहले चिंतालमेट में एक व्यक्ति की हत्या में कथित तौर पर शामिल थे। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति मोहम्मद यासीन (22), ओबैद कुरेशी (18), मोहम्मद अब्दुल मिन्हाज (20), मोहम्मद कय्यूम (19) और मोहम्मद फहीम (23) हैं।

पुलिस के मुताबिक, यासीन और पीड़ित फहीम भाई हैं और पिछले कुछ महीनों से उनके बीच कुछ विवाद चल रहा था। इसके चलते यासीन अपना घर शाहीननगर से हटाकर कालापत्थर इलाके में चला गया और वहीं रह रहा है। एक हफ्ते पहले, यासीन और फहीम के बीच बहस हुई जिसके बाद यासीन ने फहीम को खत्म करने का फैसला किया।

हैदराबाद पर मंडरा रहा पेयजल संकट!

पानी के टैंकरों की मांग बढ़ी

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अपर्याप्त वर्षा और शहर के लिए प्रमुख जलाशयों में घटता जलस्तर के कारण गर्मियों के आने वाली गर्मियां हैदराबाद के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होनेवाली है। लगातार पानी की आपूर्ति के बाद, खासकर गर्मियों के दौरान, हैदराबाद पर पीने के पानी के संकट मंडरा रहा है।

हालाँकि अतीत में कुछ इलाकों में पानी की कमी महसूस होती थी, लेकिन शहर में कुल आपूर्ति पर्याप्त हुआ करती थी। हालाँकि, इस बार हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड कम तैयार दिख रहा है, जो न केवल पानी के टैंकर की डिलीवरी में देरी से प्रदर्शित होता है, बल्कि उनकी बढ़ी हुई बुकिंग से भी पता चलता है।

हैदराबाद में कई आवासीय कोलोनियां, विशेष रूप से आईटी गलियारे के नजदीक, नगरपालिका जल आपूर्ति और टैंकर वितरण के बारे में शिकायत कर रही हैं। कुछ क्षेत्रों में, जबकि नियमित जल आपूर्ति होती है, उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दबाव बहुत कम है।

अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड वर्तमान में हैदराबाद में 565 मिलियन गैलन प्रति दिन की आपूर्ति कर रहा है, और आगामी महीनों में अतिरिक्त 50 एमजीडी की आवश्यकता होगी।

वर्तमान में, शहर में जल बोर्ड द्वारा संचालित 70 मीठे पानी भरने वाले स्टेशन हैं और कुछ क्षेत्रों में पानी का टैंकर पाने के लिए पांच दिनों तक का इंतजार करना पड़ता है। इसके साथ ही, कई लोग अपनी जेबें खाली करने की कीमत पर निजी उपयोगिता आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर रहे हैं।

एक पानी टैंकर व्यवसाय के मालिक ने कहा की, 5,000 लीटर के एक टैंकर की कीमत 600 रुपये से 2,000 रुपये के बीच है। यदि फिलिंग स्टेशन डिलीवरी स्थान से बहुत दूर है, तो अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है। यदि कोई आवास संकरी गली में स्थित है तो कुछ आपूर्तिकर्ता ऑर्डर भी अस्वीकार कर देते हैं।

जबकि जल बोर्ड के अधिकारी पानी की आपूर्ति में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए डिवीजन-स्तरीय योजनाएं तैयार कर रहे हैं और फिलिंग स्टेशनों पर नियमित जांच कर रहे हैं, मणिकोंडा, अडागुट्टा, कुकटपल्ली, जीडीमेटला और अन्य जैसे कई स्थानों पर स्थिति पहले से ही खराब हो गई है।

विवेक वर्धिनी महाविद्यालय में मनाया गया महिला दिवस

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विवेक वर्धिनी महाविद्यालय में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के उपाध्यक्ष डॉ साधना ठाकुर, विशेष अतिथि के रूप में मोहम्मद शाहज़ीब, हैदराबाद अंचल के उप प्रबंधक, बैंक आफ महाराष्ट्र उपस्थित हुए हैं। समारोह की अध्यक्षता डॉ.गीता काटे ने की। डॉ साधना ठाकुर ने कहा कि आज महिलाएँ बहुत जागरूक हैं। महिला मां, बहन, पत्नी, सास, ननद आदि अनेक रूपों में अपनी ज़िम्मेदारी को बख़ूबी निभाती है। जिस परिवार, समाज और राष्ट्र में नारी का सम्मान होता है वहाँ सुख, शान्ति और आनन्द का वास होता है। महिलाओं को घर के कामकाज के साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए, इस के लिए आध्यात्मिकता एवं योग को अपनाना चाहिए। अध्यक्ष डॉ. गीता काटे, आनन्द कुलकर्णी, विशेष अतिथि मोहम्मद शाहज़ीब ने अपने विचार रखें। महिला प्राध्यापिकाओं के लिए साहित्यिक और खेलकूद प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए गये। इस अवसर पर संयुक्त सचिव अनिल राजेश्वरकर, कोषाध्यक्ष प्रकाश तुलजापुरकर, रवीन्द्र हिप्पलगोंकर, डॉ मीनाक्षी, डॉ वेंकन्ना, डॉ विजयश्री, डॉ शैलजा पाटिल आदि उपस्थित रहे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का मेडिकल कैम्प 10 मार्च को

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा लॉयन्स क्लब ऑफ सिकंदराबाद, लायन्स क्लब ऑफ सिकंदराबाद चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया है। यह शिविर 10 मार्च को सुबह 10 से वेस्ट मारेडपल्ली स्थित लॉयन्स क्लब डंडू आई इंस्टीट्यूट मे होगा। शिविर में ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, 9 नेत्र जांच, फिजियोथैरेपी, दंत की जांच, आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी आदि सेवाएं चिकित्सकों द्वारा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा निशुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पहली पारी में भारत 135/1, इंग्लैंड से 83 रन पीछे

स्पिनर्स के कहर के बाद यशस्वी-रोहित ने बरसाए रन

धर्मशाला, 7 मार्च (एजेंसियां)। पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 135 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 218 रन बनाए थे। इस हिसाब से भारत अभी भी इंग्लैंड से 83 रन पीछे है। कप्तान रोहित शर्मा 52 रन और शुभमन गिल 26 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 31 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम को एकमात्र झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वह 58 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शोएब बशीर ने विकेटकीपर बेन फोक्स के हाथों स्टंप कराया। यशस्वी के टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक रहा। वहीं, रोहित के टेस्ट करियर का 18वां अर्धशतक रहा।

इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 218 रन पर सिमट गई थी। कुलदीप यादव ने पांच विकेट झटके। वहीं, 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने चार विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से जैक क्राउली ने सबसे ज्यादा 79 रन बनाए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला। यानी इंग्लैंड के सभी 10 विकेट भारतीय स्पिनर्स ने लिए। पहले दिन दोनों पारियों को मिलाकर 353 रन बने और कुल 11 विकेट गिरे। सभी विकेट स्पिनर्स ने लिए। 10 विकेट भारतीय स्पिनर्स ने और एक विकेट बशीर ने लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। बेन डकेट और जैक क्राउली ने पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को कुलदीप ने तोड़ा। उन्होंने डकेट को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। डकेट 27 रन बना सके। इसके बाद क्राउली ने टेस्ट करियर का 14वां और भारत के खिलाफ पांचवां अर्धशतक पूरा किया। लंच से ठीक पहले कुलदीप ने ओली पोप को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों स्टंप कराया और इंग्लिश टीम को दूसरा झटका दिया। पोप 11 रन बना सके।

पहले सत्र में 25.3 ओवर गेंदबाजी हुई और इंग्लैंड ने 100 रन बनाकर दो विकेट गंवाए। इसके बाद दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने 29.3 ओवर बल्लेबाजी की और 94 रन बनाने में छह विकेट गंवा दिए। एक वक्त इंग्लैंड का स्कोर 38वें ओवर में 137 रन पर दो विकेट था। इसके बाद क्राउली का विकेट गिरा और यहीं से इंग्लैंड की पूरी पारी ढह गई। 137 पर दो विकेट से इंग्लैंड की टीम 58वें ओवर में 218 रन पर सिमट गई। 20 ओवर के अंदर और 81 रन बनाने में भारत ने इंग्लैंड के आठ विकेट गिरा दिए।

क्राउली ने 108 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 79 रन बनाए। वहीं, जो रूट 26 रन, 100वां टेस्ट खेल रहे जॉनी बेयरस्टो 29 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान बेन स्टोक्स को कुलदीप ने खाता भी नहीं खोलने दिया। जब इंग्लैंड का स्कोर 175 रन था, तब टीम ने बेयरस्टो, रूट और स्टोक्स तीनों का विकेट गंवाया था। अश्विन ने हार्टले (6) और वुड (0) को पारी के 50वें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद एंडरसन (0) को पवेलियन भेज इंग्लैंड की पारी को 218 रन पर समेट दिया। बशीर 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

चेस के महान खिलाड़ी गैरी कास्परोव को रूस ने आतंकवादी घोषित किया, नहीं बताई कोई वजह

मॉस्को, 7 मार्च (एजेंसियां)। शतरंज ग्रैंडमास्टर और राजनीतिक कार्यकर्ता गैरी कास्परोव को रूस की वित्तीय निगरानी संस्था ने 'आतंकवादियों और चरमपंथियों' की सूची में शामिल किया है। 60 वर्षीय पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन लंबे समय से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आलोचक रहे हैं और यूक्रेन में रूस के सैन्य हमले की लगातार निंदा करते रहे हैं।

किन किन दिक्कतों का करना पड़ता है सामना

रूस की वित्तीय निगरानी एजेंसी रोसफिन ने गैरी कास्परोव को अपनी अवांछित सूची में शामिल कर लिया। आतंकी की सूची में शामिल लोगों के बैंक लेनदेन के लिए प्रतिबंधित करती है और उन्हें हर बार अपने खातों का उपयोग करने के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता होती है।

2014 में रूस से भाग गए थे

कास्परोव उत्पीड़न के डर से 2014 में रूस से भाग गए थे। 2022 में रूसी न्याय मंत्रालय ने कास्परोव और पूर्व तेल टाइकून मिखाइल खोडोरकोव्स्की को विदेशी एजेंटों की सूची में रखा था। उन्हें कठोर नौकरशाही और वित्तीय रिपोर्टिंग के अधीन किया गया था।

अमेरिका में रह रहे हैं कास्परोव

राइट्स ग्रुप के मुताबिक, यह लेबल क्रेमलिन द्वारा अपने विरोधियों को दबाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक हथियार है। 'विदेशी एजेंट' शब्द का उपयोग उन व्यक्तियों के लिए किया जाता है जिन्हें वह राज्य का दुश्मन मानते हैं। कास्परोव को व्यापक रूप से दुनिया के बेहतरीन शतरंज खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लगभग एक दशक तक संयुक्त राज्य अमेरिका में रहे हैं।

यूक्रेन का किया था समर्थन

पिछले साल फरवरी में कास्परोव ने पश्चिम से कीव के लिए अपना समर्थन बनाए रखने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि रूस में लोकतांत्रिक परिवर्तन लाने के लिए यूक्रेन को मास्को को हराने की आवश्यकता है।

अश्विन के 100वें टेस्ट पर सुनील गावस्कर ने क्यों काटा केक? ये है बड़ी वजह

धर्मशाला, 7 मार्च (एजेंसियां)। मौका अश्विन का था, क्योंकि उनके लिए धर्मशाला में 100वां टेस्ट था. मौका देवदत्त पडिक्कल का भी था, क्योंकि वो धर्मशाला में अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे थे. तो फिर केक सुनील गावस्कर ने क्यों काटा? गावस्कर के केक काटने की वजह क्या रही? क्या ये वजह अश्विन या पडिक्कल की उपलब्धि से जुड़ी थी. या फिर इसके पीछा का कारण कुछ और था? तो उस वजह की ओर बढ़ें उससे पहले ये जान लेना जरूरी है कि गावस्कर ने केक काटा कहां?

सुनील गावस्कर ने केक धर्मशाला में ही काटा. उन्होंने धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम के कमेंट्री बॉक्स में केक काटा और फिर एक बाइट खाई. अब जरा इसके पीछे की वजह जानिए. दरअसल, गावस्कर की ये केक

कटिंग ना तो अश्विन के 100वें टेस्ट के लिए थी और ना पडिक्कल के डेब्यू के लिए. ये उनके टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बनने की खुशी में थी.

1987 को बने थे 10000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर

साल 1987 में सुनील गावस्कर ने 7 मार्च को ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 10000 रन पूरे किए थे और ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बने थे. अश्विन के 100वें टेस्ट के दिन गावस्कर की उस कामयाबी को 37 साल साल हो चुके हैं. गावस्कर ने केक काटने के बाद अश्विन के 100वें टेस्ट की भी बात की. उन्होंने कहा कि केक कटिंग का ये मौका दोहरी खुशी का है क्योंकि अश्विन भी अपना 100वां टेस्ट खेल रहे हैं.

गावस्कर का टेस्ट करियर

सुनील गावस्कर के टेस्ट करियर की बात करें तो उन्होंने 125 मैच की 234 पारियों में 10122 रन बनाए हैं, जिसमें 34 शतक शामिल हैं. गावस्कर ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 1971 में पोर्ट ऑफ स्पेन में की थी जबकि उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ 1987 में खेला था. सुनील गावस्कर बतौर ओपनर एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं.

आईपीएल में आखिरी बार दिखेगी दिनेश कार्तिक के बल्ले की मार, कर लिया रिटायरमेंट का फैसला

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम के सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल से संन्यास का मन बना लिया है. क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक आईपीएल 2024 में आखिरी बार इस लीग में खेलते दिखाई देंगे. वह वर्तमान में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा हैं. आरसीबी की टीम आज तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है और दिनेश कार्तिक उसके पहले कप की खोज में आखिरी बार अपना पूरा दमखम झोंकते दिखाई देंगे.

हालांकि वह आईपीएल के पिछले सीजन में फीके दिखाई दिए थे. उन्होंने पिछले सीजन 13 मैच खेलकर सिर्फ 140 रन ही बनाए और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर सिर्फ 30 रहा, जबकि 2022 सीजन में उन्होंने अपने मैच फिनिशिंग अंदाज के अकेले अपने दम पर कई मैचों का रुख बदला था. उनकी इस काबिलियत को देखते हुए उन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारतीय टीम में चुना गया था.

ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हुआ टी20 वर्ल्ड 2022 कार्तिक के लिए खास नहीं रहा. वह यहां तीन पारियों में सिर्फ 14 रन ही बना पाए. वर्ल्ड कप में टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई और इसके बाद से चयनकर्ताओं ने कार्तिक को दोबारा भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं दिया.

भारत को इस साल भी वेस्टइंडीज और अमेरिका होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेना है. ऐसे में कार्तिक एक बार फिर आईपीएल में कुछ यादगार और प्रभावशाली पारियां खेलकर चयनकर्ताओं के सामने अपना दावा पेश करने की भी पुरजोर कोशिश करेंगे.

बता दें कार्तिक अपनी रिटायरमेंट से पहले ही क्रिकेट के मैदान से बाहर अपनी दूसरी पारी की शुरुआत भी कर चुके हैं.

वह बतौर क्रिकेट एक्सपर्ट और बतौर क्रिकेट कॉमेंटेटर अपनी नई भूमिका में भी दिखते नजर आते हैं.

दिनेश कार्तिक के लिए आईपीएल बहुत ही खास लीग है. वह इस लीग की शुरुआत से ही सभी सीजन में खेलते रहे हैं. वह इस लीग के सभी सीजन में खेलने वाले 7 खिलाड़ी में शामिल हैं.

इस लीग के 16 साल के इतिहास में कार्तिक ने सिर्फ 2 मैच ही मिस किए हैं.

उन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की ओर से इस लीग में डेब्यू किया था. पहली बार उन्होंने पहले ही सीजन में एक मैच मिस किया था, जबकि उनका पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जब वह प्लेइंग XI से बाहर हुए थे तो इस लीग में यह उनका दूसरा मैच था, जिसमें वह नहीं खेल पाए थे.

एबी डिविलियर्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर में होगी वापसी, फैंस के खिले चेहरे

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2024) शुरू होने में होने अब बेहद ही कम समय बचा है। वहीं आईपीएल 2024 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। आरसीबी टीम में पूर्व खिलाड़ी एबी डिविलियर्स की अब एक बार फिर से वापसी होने वाली है। इस बार एबी डिविलियर्स आरसीबी में एक नई भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। बता दें, 22 मार्च से आईपीएल 2024 की शुरुआत हो रही है और पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाला है।

डिविलियर्स का क्या होगा आरसीबी में मया रोल?

एबी डिविलियर्स ने साल 2021 में आईपीएल को अलविदा कह दिया था। आरसीबी के लिए

डिविलियर्स ने काफी क्रिकेट खेला था। अब एक बार फिर से डिविलियर्स आरसीबी में वापसी करने के लिए तैयार हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी आईपीएल के नए सीजन के लिए भारत आने के लिए तैयार हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए एबी डिविलियर्स ने बताया कि वह 2024 सीजन में आरसीबी में एक छोटे कोचिंग कार्यक्रम के लिए तैयार हो सकते हैं। इसको लेकर उनकी विराट कोहली से भी बातचीत हुई है। डिविलियर्स का कहना है कि अभी अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन विराट चाहते हैं कि मैं आईपीएल 2024 के लिए भारत आऊं और आरसीबी के बल्लेबाजों के साथ थोड़ा समय बिताऊं।

ऐसे में अगर अब एबी डिविलियर्स आरसीबी के बल्लेबाजों को गाइड करते हैं तो ये आरसीबी को थोड़ी मजबूती देगा। आरसीबी भी इस बार आईपीएल में पूरी मजबूती के साथ मैदान पर उतरने वाली है। विराट कोहली भी अब आईपीएल में ही खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। आईपीएल के दौरान फैंस विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की जोड़ी देखना काफी ज्यादा पसंद करते थे।

डिविलियर्स का आईपीएल करियर

एबी डिविलियर्स ने काफी पहले ही आईपीएल को अलविदा कह दिया था। लेकिन आईपीएल में डिविलियर्स का प्रदर्शन काफी शानदार था। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 184 मैच खेले थे। जिसमें डिविलियर्स ने 5162 रन बनाए थे। इस दौरान एबी के बल्ले से 40 अर्धशतक और 3 शतक निकले थे। आईपीएल में एबी डिविलियर्स का बेस्ट स्कोर नाबाद 133 रनों का था।

बांग्लादेश बनाम श्रीलंका- टी20

नजमुल का शानदार अर्धशतक, बांग्लादेश ने श्रीलंका को रौंदकर सीरीज में की 1-1 की बराबरी

सिलहट, 7 मार्च (एजेंसियां)। नजमुल हुसैन शंटो के नाबाद अर्धशतक की मदद से बांग्लादेश ने यहां सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया. इसके साथ ही मेजबान बांग्लादेश ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-1 से बराबर कर ली.

श्रीलंका के 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने नजमुल (38 गेंद में नाबाद 53 रन, चार चौके, दो छक्के) और तौहीद हृदय (25 गेंद में नाबाद 32, दो चौके, एक छक्का) के बीच तीसरे विकेट की 87 रन की अटूट साझेदारी से 11 गेंद शेष रहते दो विकेट पर 170 रन बनाकर जीत दर्ज की.

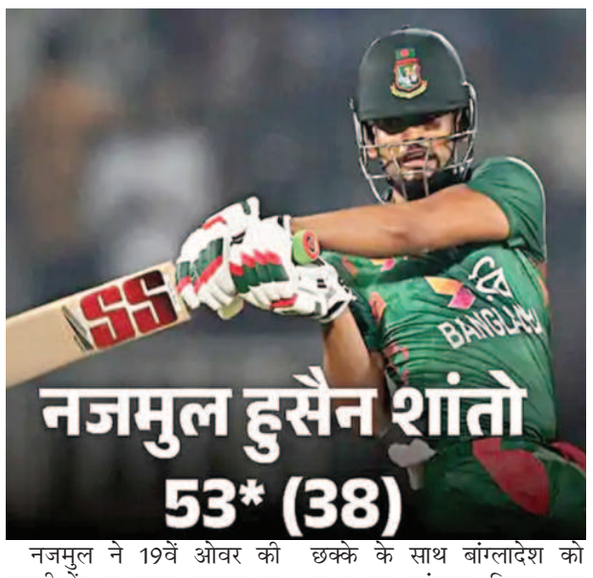

नजमुल ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर दासुन शनाका पर छक्के के साथ बांग्लादेश को लक्ष्य तक पहुंचाया. लिटन दास (36) और सौम्य सरकार (26) ने पहले विकेट के लिए 6.5 ओवर में 68 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी.

श्रीलंका ने इससे पहले नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कामिंदु मेंडिस (37), कुसाल मेंडिस (36) और एंजेलो मैथ्यूज (32) की पारियों के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 165 रन ही बना सकी. कप्तान चरिथ असलंका ने भी 28 रन का योगदान दिया.

बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद, मेहदी हसन, मुस्ताफिजुर रहमान और सौम्य सरकार ने एक-एक विकेट चटकाया. दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी20 मुकाबला शनिवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा.

पहली जीत के बाद गुजरात को लगा बड़ा झटका

स्टार खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर

बेंगलुरु, 7 मार्च (एजेंसियां)। वुमेंस प्रीमियर लीग 2024 में गुजरात जायंट्स को एक बड़ा झटका लगा है। टूर्नामेंट में पहली जीत मिलने के बाद ही गुजरात की स्टार खिलाड़ी इंजर्ड होने के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गईं हैं। दरअसल 6 मार्च को वुमेंस प्रीमियर लीग 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और गुजरात जायंट्स के बीच मुकाबला हुआ। इस मैच को गुजरात ने जीत लिया था। ये इस टूर्नामेंट में गुजरात की पहली जीत थी। इसके बाद ही अब टीम को बड़ा झटका लगा है।

हरलीन देओल हुई टूर्नामेंट से बाहर

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक घुटने की चोट के चलते

हरलीन देओल टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों में खेल नहीं पाएंगी। जिसके बाद हरलीन देओल की जगह गुजरात में भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। हालांकि आरसीबी के साथ मैच से पहले हरलीन को टीम के साथ अभ्यास करते हुए देखा गया था लेकिन घुटने की चोट के चलते वो खेल नहीं पाईं थीं। हरलीन को यूपी वॉरियर्स के साथ खेले गए मैच के दौरान घुटने में चोट लगी थीं, तबसे हरलीन मैच नहीं खेल पाईं हैं।

वहीं दूसरी तरफ गुजरात की उपकप्तान स्नेह राणा भी बीमार होने के चलते पिछले दो मैचों से बाहर हैं। जिससे गुजरात की टीम थोड़ी परेशानी में भी दिखी है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक अब स्नेह राणा पूरी तरह से फिट हो गईं हैं और मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। 9 मार्च को गुजरात जायंट्स का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के साथ होगा। इस मैच में स्नेह राणा खेलती हुईं दिखाई दे सकती हैं।

आरसीबी को हराकर जीजी ने हासिल की थी पहली जीत

बीते दिन 6 मार्च को डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी और गुजरात के बीच मैच खेला गया था। इस मैच को गुजरात ने 19 रनों से जीत लिया था। ये डब्ल्यूपीएल 2024 में गुजरात की पहली जीत भी थी। इससे पहले टूर्नामेंट में गुजरात की टीम अपने सभी मैच हारी थी। इस मैच में गुजरात की कप्तान बेथ मूनी ने सबसे ज्यादा 85 रनों की पारी खेली थी।

श्रीलंका-बांग्लादेश मैच में एक बार फिर हुआ विवाद, अंपायर से भिड़ गई श्रीलंका टीम

सिलहट, 7 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश और श्रीलंका टीम के बीच वनडे विश्व कप 2023 में काफी विवाद देखने को मिला था। वहीं एक बार फिर से मैच के दौरान इन दोनों टीमों के बीच विवाद देखने को मिला है। जिसके बाद श्रीलंका की टीम फील्ड अंपायर से भिड़ गई। दरअसल इन दिनों श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा मैच 6 मार्च को खेला गया। जिसमें एक बार फिर से विवाद देखने को मिला। जिसके बाद फैंस का कहना है कि इन दोनों टीमों की विवादों से दोस्ती सी हो गई है।यह विवाद तब छिड़ा जब बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी कर रही थी और क्रीज पर बांग्लादेश के बल्लेबाज सौम्या सरकार मौजूद थे। वहीं गेंदबाजी कर रहे श्रीलंकाई गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो ने अपनी एक गेंद पर आउट की अपील की और फील्ड अंपायर ने सौम्या सरकार को आउट दे दिया। जिसके बाद सरकार ने रिव्यू ले लिया। टीवी अंपायर मसुदुर रहमान ने गहनता से जांच करते हुए फील्ड अंपायर के निर्णय को पलट दिया और सौम्या सरकार को नॉट आउट दिया गया। जबकि अल्ट्राएज में हलचल देखी गई थी और साफ देखा गया था कि गेंद कहीं न कहीं लगी है। जिसके बाद श्रीलंका टीम ने थर्ड अंपायर के इस फैसले पर विवाद खड़ा कर दिया।

थर्ड अंपायर के इस फैसले से श्रीलंका की पूरी टीम बेहद नाराज दिखी। जिसके बाद पूरी टीम फील्ड अंपायर्स के पास जमा हो गई। श्रीलंका के कप्तान चैरिथ असलांका मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड इस फैसले पर काफी गुस्सा दिखे। पूरी टीम अंपायर के इस फैसले को मानने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी।

श्रीलंका के सहायक कोच नवीद नवाज इस विवाद पर कहा कि मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया था और मुझे यकीन है कि टीवी अंपायर के पास मैदानी अंपायर के फैसले को पलटने के लिए निर्णायक सबूत होंगे। हमने पूरा वाकया टीवी स्क्रीन पर देखा। जिसको देखकर लगा कि स्पाइक था। हमने टीवी स्क्रीन पर जो फुटेज देखा वह कुछ भी निर्णय देने के लिए पर्याप्त नहीं था।

महा शिवरात्रि - स्वर्णिम प्रभात का शुभ संकेत

परमपिता परमात्मा शिव का सत्य परिचय

शिवजी के लिए यह उक्ति प्रसिद्ध है "सत्यम शिवम सुंदरम" अर्थात शिव ही सत्य है ,शिव ही सुंदर हैं । निराकार परमपिता परमात्मा शिव की पूजा सारे विश्व में ज्योतिर्लिंग के रूप में की जाती है। भारत में द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रसिद्ध हैं । "लिंग "का अर्थ है चिह्न, तो ज्योति बिंदु परमपिता परमात्मा शिव की प्रतिमा ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजी जाती है । वे रूप में बिंदु तथा गुणों में सिंधु हैं,वे सर्वशक्तिमान हैं, सर्वोच्च हैं, देवों के देव महादेव हैं। त्रिमूर्ति शिव परमात्मा ही ब्रह्मा द्वारा सतयुगी नई सृष्टि की रचना, विष्णु द्वारा सतयुगी नई सृष्टि की पालना तथा शंकर द्वारा कलयुगी पुरानी सृष्टि के विनाश का कर्तव्य करते हैं। इसीलिए उन्हें कल्याणकारी शिव कहा जाता है ।

महाशिवरात्रि पर्व का महत्व

महाशिवरात्रि में रात्रि शब्द कलयुग की अज्ञान अंधकार का सूचक है अतः ज्ञान सूर्य परमपिता शिव का अवतरण ही महाशिवरात्रि पर्व है।" जागरण " का अर्थ है अपनी अंतः चेतना को अज्ञान नींद से जगाना। "उपवास" का अर्थ है अपने मन को सदा परम शिव की स्मृति में स्थित कर सर्व विकारों का मन से त्याग करना ।परमात्मा शिव का सच्चा "अभिषेक" अपने अंतर के दुर्गुणों को ईश्वर अर्पण करना ही है ।यही महाशिवरात्रि पर मनाने की आध्यात्मिक विधियां है ।

परमपिता परमात्मा शिव का अवतरण

इस सृष्टि नाटक के वर्तमान समय में, अर्थात कलियुग के अंतिम समय में धर्म की अतिग्लानि होती है । जब मानव धर्म-भ्रष्ट, कर्म-भ्रष्ट हो जाते हैं तब पतित पावन, सर्व के सद्गतिदाता, मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता , दुखहर्ता सुखकर्ता , निराकार ज्योति बिंदु परमपिता परमात्मा शिव एक साधारण मानव तन के माध्यम से अवतरित होते हैं (भगवत् गीता 9. 1 1) । परमात्मा इस धरती से पाप मिटाने के लिए, ज्ञान योग द्वारा पुनः सनातन धर्म की स्थापना का कार्य कर रहे हैं। अतः परमात्मा के इस दिव्य अवतरण को यथार्थ जानकर तथा उनके दिखाए सत मार्ग पर चलकर स्वयं को पापों से मुक्त कर स्वच्छ बनाना ही मानव मात्र का अविलंब कर्तव्य है ।

राजयोग की विधि तथा प्राप्तियां

योग के लिए सुप्रसिद्ध है " ऊँकारं बिंदु संयुक्तं ,नित्यम ध्यायंति योगिनः " अर्थात मन बुद्धि द्वारा परमात्मा से संबंध जोड़ना ही राजयोग है। इस योग की साधना द्वारा दैनिक जीवन को दुख अशांति से मुक्त कर मन बुद्धि तथा कर्मेंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त होता है । इसके फल स्वरुप कमजोरियाँ, बुरी आदतें एवं विकारों पर विजय प्राप्त होती है ।राजयोग से मनोबल तथा एकाग्रता बढ़ती है ,जिससे सुख शांतिमय तथा स्वस्थ जीवन की प्राप्ति होती है। राजयोग के निरंतर अभ्यास से जीवन तनाव मुक्त बन जाता है ।

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय - माउंट आबू, राजस्थान

विश्व भर में शाखाएँ
और अन्य समाचार के लिए
www.brahmakumaris.com

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय

ब्रह्माकुमारी संस्था एक विश्व व्यापक आध्यात्मिक संस्था है ।यह संस्था लगभग 140 देश में 5000 से अधिक सेवाकेन्द्रों द्वारा ईश्वरीय ज्ञान एवं सहज राजयोग का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रही है। इस आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा जीवन के विभिन्न समस्याओं का सहज समाधान प्राप्त होता है। वसुधैव कुटुंबकम की भावना से सर्व आत्माओं को एक ईश्वर की संतान मानते हुए यह संस्था सनातन धर्म की स्थापना हेतु कार्यान्वित है ।

Maha Shivratri Spl. event
RAMESHWAR DARSHAN
6th - 10th, Mar'24; 5 - 9 pm
Brahma Kumaris, Gachibowli

Over 50 branches in Twin Cities
Ph : 040-23001234, 9396523411, 8000895895
9396523507, 9885569163, 8332957165

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.